महाराष्ट्र में सड़क पर आई लव मुहम्मद लिखे होने पर प्रदर्शन के दौरान हिंसा -12

गन्ने की खेती में एआई व मशीन लर्निंग के प्रयोग पर मंथन -12

अफगानिस्तान में सैन्य ठिकाने बनाने की अमेरिकी योजना का विरोध -13

घरेलू मैदान पर भारतीय महिला टीम की नजरें आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने पर -14

आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
25.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.00
सूर्यास्त 05.58

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ · बरेली · कानपुर · मुरादाबाद · अयोध्या · हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष अष्टमी 06:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 30 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 243, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

रेलमार्ग से जुड़ेंगे भारत और भूटान

नई दिल्ली। भारत ने रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश भूटान को अपने रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए सोमवार को कुल चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की दो महत्वाकांक्षी रेल-मार्ग परियोजनाओं के निर्माण की घोषणा की। इसका निर्माण पूरा होने पर भूटान के दो शहर गेलेफू और समत्से क्रमशः असम और पश्चिम बंगाल से सीधे रेलगार्म से जुड़ जाएंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ एक सम्मेलन में यह जानकारी दी।

अमेरिका के बाहर बनी फिल्मों पर लगाया 100 प्रतिशत शुल्क

न्यूयार्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को देश के बाहर बनी फिल्मों पर 100 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा की, जिससे भारतीय फिल्म उद्योग पर असर पड़ने की संभावना है। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट किया कि हमारा फिल्म निर्माण व्यवसाय अन्य देशों द्वारा चुरा लिया गया है, ठीक वैसे ही जैसे 'किसी बच्चे से कैंडी' चुरा लिया गया हो। ट्रंप ने कहा कि कैलिफोर्निया को इस वजह से विशेष रूप से आहत पहुंचा है।

केरल विस में एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पारित

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा ने राज्य में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के कदम के खिलाफ सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया और निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची का पुनरीक्षण पारदर्शी तरीके से करने का आग्रह किया। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने पहले ही एसआईआर के खिलाफ अपनी कड़ी आपत्ति जताई थी।

दंगे के लिए तौकीर ने प. बंगाल और बिहार से बुलाए थे उपद्रवी

बरेली। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां की कॉल पर जुटी भीड़ की तरफ से पथराव और फायरिंग करने के मामले में बिहार और पश्चिम बंगाल का भी कनेक्शन सामने आया है। कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में बिहार और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के उपद्रवियों को नामजद किया गया है। सोमवार को नगर निगम की टीम ने नावेल्टी चौराहा स्थित पहलवान शाह की मजार परिसर में स्थित आईएमसी के कार्यालय समेत नाले पर बनी 68 दुकानों को सील कर दिया। बरेली विकास प्राधिकरण ने मौलाना तौकीर रजा को शरण देने वाले फरहत के मकान का सर्वे पूरा कर लिया है। उधर, पुलिस ने तौकीर रजा का दाहिना हाथ कहे जाने वाले नदीम खां समेत 29 और आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से तमंचा, कारतूस, खोखा और वायरलेस सेट बरामद किया गया है। नदीम ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर दंगा कराने का प्रयास किया था।

आत्मनिर्भरता की दिशा में नए माध्यम तलाशें नगर निकाय : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले-आधुनिक व सशक्त नगर निकाय ही बनाएंगे विकसित यूपी की राह
- विकसित यूपी को लेकर नगर निकायों के महापौरों और अध्यक्षों से किया संवाद

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधुनिक और सशक्त नगर निकाय ही विकसित उत्तर प्रदेश की राह बनाएंगे। इसलिए आय सृजन और आत्मनिर्भरता की दिशा में नए माध्यम तलाशें। योगी ने आह्वान किया कि हर नगरीय निकाय को संकल्प लेना होगा कि वह अपने शहर को स्वच्छ, आधुनिक, सुगठित और आत्मनिर्भर बनाए। अब शहरी विकास केवल बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्मार्ट सेवाओं, हरित क्षेत्र, बेहतर यातायात व्यवस्था और डिजिटल पहुंच का आदर्श बने।

मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को 'विकसित यूपी@2047' संवाद श्रृंखला के तहत 17 नगर निगमों के महापौरों व पार्षदों समेत 200 नगर पालिका और 545 नगर पंचायतों के अध्यक्षों व सदस्यों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे अपनी कार्ययोजना में नवाचार, आय सृजन और ईज़ ऑफ लिविंग की अवधारणा को केंद्र में रखें।

मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अभियान से संबंधित उनके द्वारा भेजे गए पत्र को बैठकों व सभाओं में अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा कि विकसित यूपी@2047 को जन-जन की चर्चा और संवाद का विषय बनाना होगा। निर्देश दिए कि सभी नगरीय निकायों में इस विषय पर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सुझाव लिया जाए।

योगी ने प्रधानमंत्री मोदी के 'अमृतकाल के पंच प्रण' को दोहराते हुए बताया कि अभियान का रोडमैप अर्थशक्ति, सृजनशक्ति और जीवनशक्ति पर आधारित है। इसके लिए 12 सेक्टरों का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। अब तक 12 लाख नागरिक अपने सुझाव साझा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सुझाव नीतियों और योजनाओं की दिशा तय करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि श्रेष्ठ सुझावों को जिला और प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

लखनऊ, अयोध्या, काशी, गोरखपुर को सराहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, लखनऊ, झांसी, फिरोजाबाद और गोरखपुर जैसे नगर नई ऊर्जा और नए स्वरूप के साथ नए उत्तर प्रदेश की पहचान बने हैं। आने वाले वर्षों में शहरी आबादी कई गुना बढ़ेगी, इसलिए नगर निकायों को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनानी होंगी।

सीएम ने कैंसर पीड़ित बच्चे को भिजवाया अस्पताल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक बूढ़ी मां का दर्द सुन द्रवित हो गए। तत्काल उनके कैंसर पीड़ित बेटे को एंबुलेंस से सीधे कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भिजवाया और बेहतर इलाज का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह जनता दर्शन किया। इस दौरान कानपुर के रायपुरवा की 63-64 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने मुख्यमंत्री से अपने जवान बेटे को कैंसर होने की बात बताई और इलाज कराने की गुजारिश की।

प्रदेश में 127 नए नगर निकाय और 17 स्मार्ट सिटी

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते साढ़े 8 वर्षों में नगरीय विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुए हैं। प्रदेश में 127 नए नगर निकायों का सृजन, 17 स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ, मेट्रो-आरआरटीएस-रोपवे जैसी आधुनिक परिवहन परियोजनाएँ, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व सीवरेज योजनाएँ शुरू हुईं। लखनऊ और गाजियाबाद नगर निगमों ने म्युनिसिपल बॉन्ड जारी कर अपनी आय बढ़ाई है।

विदेशी उत्पादों पर निर्भरता जितनी कम, देश के लिए उतना ही बेहतर

भाजपा की दिल्ली इकाई के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशी वस्तुओं को बढ़ावा देने पर जोर देते सोमवार को कहा कि विदेशी उत्पादों पर हमारी निर्भरता जितनी कम होगी, देश के लिए उतना ही बेहतर होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर दुकान पर 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है' लिखा एक बोर्ड हो। कहा कि भाजपा-राजग सरकारों ने देश में सुशासन का एक नया मॉडल स्थापित किया है और पार्टी कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे।

मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा कि भाजपा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए सरकार में है और इसके कार्यालय इसी भावना को जीवित रखे हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा-राजग सरकारों ने देश में सुशासन का एक नया मॉडल स्थापित किया है। हम 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमने देश और लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी, भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का विश्वास दिलाने के लिए देश को घोटालों से मुक्त किया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकारों ने आम लोगों की बचत बढ़ाने और उन्हें बेहतर सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित किया। कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि 2014 में जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सत्ता में था, तब दो लाख रुपये से ज़्यादा की आय पर कर लगता था। उन्होंने कहा कि अब 12 लाख रुपये की आय पर भी कर शून्य है।

नई दिल्ली में भाजपा कार्यालय के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा।

जीएसटी सुधारों का लाभ आमजन तक पहुंचे

मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि लोगों और व्यापारियों के बीच जागरूकता फैलाकर जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे। राष्ट्रीय राजधानी को 'मिनी इंडिया' बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं से भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाए जाने वाले हर त्योहार को मनाने को कहा। देशी वस्तुओं को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए, मोदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर दुकान पर 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है लिखा एक बोर्ड हो।

दिल्ली से भाजपा का रिश्ता भरोसे का

मोदी ने कहा कि दिल्ली के साथ भाजपा का रिश्ता भावनाओं और विश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जनसंघ के दिनों से ही पार्टी इस शहर के लिए काम करती रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी स्थापना के 45 वर्ष पूरे कर चुकी है। अटल जी, आडवाणी जी, नानाजी देशमुख, राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी, मुरली मनोहर जोशी जी... ऐसी अनेक विभूतियों के आशीर्वाद और कड़ी मेहनत से ही यह पार्टी आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि लेकिन जिस बीज से भाजपा आज इतना विशाल वटवृक्ष बनी है, वह अक्टूबर 1951 में बोया गया था।

युद्ध अब महीनों में नहीं, घंटों और सेकेंडों में मापा जाता है : रक्षामंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि युद्ध अब महीनों में नहीं, बल्कि घंटों और सेकेंडों में मापा जाता है, क्योंकि उपग्रह, ड्रोन और सेंसर संघर्ष की प्रकृति को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) से एक ऐसा भविष्योन्मुखी रोडमैप विकसित करने का आग्रह किया जो नई चुनौतियों का पूर्वानुमान लगा सके, अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत कर सके और रणनीतियों को लगातार अनुकूलित कर सके।

यहां बल के मुख्यालय में आयोजित 42वें आईसीजी कमांडर सम्मेलन में अपने संबोधन में, सिंह ने यह भी रेखांकित किया कि साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अब काल्पनिक खतरे नहीं हैं, बल्कि वर्तमान की हकीकत हैं। उन्होंने कहा कि कोई राष्ट्र मिसाइलों से नहीं, बल्कि हैकिंग, साइबर हमलों और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के जरिए हमारे सिस्टम को पंगु बनाने की कोशिश कर सकता है।

आईसीजी को ऐसे खतरों से बचाव के लिए अपने प्रशिक्षण और उपकरणों को लगातार अनुकूलित और उन्नत करना होगा। प्रतिक्रिया समय को सेकेंडों में कम करने और हर समय तत्परता सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित निगरानी नेटवर्क और एआई-सक्षम प्रणालियां आवश्यक हैं। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का 7,500 किलोमीटर लंबा समुद्र तट, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप जैसे द्वीपीय क्षेत्रों के साथ, 'भारी चुनौतियां' पेश करता है, जिसके लिए उन्नत तकनीक, अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर्मियों और चौबीसों घंटे निगरानी की आवश्यकता होती है।

आईसीजी के सम्मेलन में कमांडरों से हाथ मिलाते रक्षा मंत्री।

- भारतीय तटरक्षक बल के सम्मेलन में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह
- कहा- साइबर और इलेक्ट्रानिकट युद्ध काल्पनिक नहीं, हकीकत

आईसीजी राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ

यह सम्मेलन 28 से 30 सितंबर तक 'विकसित होती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों' और हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते सामरिक महत्व की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जा रहा है। सिंह ने आईसीजी को राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि जिस 'निर्बाध तरीके' से आईसीजी नागरिक प्रशासन और अन्य बलों के साथ वास्तविक समय में काम करता है, वह संपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे को मज़बूत करता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सिंह ने आईसीजी के आधुनिकीकरण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि इसके पूंजीगत बजट का लगभग 90 प्रतिशत स्वदेशी परिसंपत्तियों के लिए आवंटित किया जाता है।

पिकअप से कुचलकर 5 लोगों की मौत

संवाददाता, हरदोई

दर्दनाक हादसा

- रास्ते में रुककर पानी पी रहे थे मुंडन संस्कार से लौट रहे बाइक सवार, बिलग्राम रोड पर सुरसा तिराहे पर हुआ हादसा

अमृत विचार : बिलग्राम रोड पर बेकाबू हुई पिकअप सड़क किनारे रुककर पानी पी रहे बाइक सवारों को कुचलते हुए पेड़ों से जा टकरायी। हादसे में दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही डीएम अनुनय झा और एसपी अशोक कुमार मीणा पूरे अमले के साथ मेडिकल कालेज पहुंचे, उन्होंने हादसे के बारे में पूरी जानकारी ली।

सोमवार दोपहर सुरसा थाने के भीठा गांव निवासी संदीप के बहनोई नरेंद्र निवासी सारूथोक थाना जलालपुर कन्नौज के 11 वर्षीय पुत्र बासु का सोमवार को हरदोई बाबा मंदिर में मुण्डन होना था। संदीप की पत्नी मोहिनी (29) अपनी साल भर की बेटी गौरी के अलावा नाते-रिश्तेदारों के साथ मुण्डन संस्कार में शामिल होने आई थी। उधर से संदीप का बहनोई संतराम (35) निवासी जिगनिया थाना टड़ियावां अपनी पत्नी संगीता (32) के साथ बाबा मंदिर पहुंचा। मुंडन संस्कार होने के बाद संतराम, अपनी पत्नी संगीता, बहन मोहिनी, भांजी गौरी और भांजे बासु के साथ बाइक से बहनोई संदीप के गांव भीठा थाना सुरसा जा रहा था। बताया गया है कि बाइक सवार रास्ते में सुरसा तिराहे पर रुककर पानी पी रहे थे। इसी बीच बिलग्राम की तरफ से आ रही पिकअप संतराम, संगीता, मोहिनी, गोरी और बासु को कुचलते हुए सड़क किनारे खड़े पेड़ों से टकराकर रुक गयी। चालक मौके से भाग निकला।

अदालतें पीड़ितों की पीड़ा को अनदेखा न करें

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के एक मामले में पटना हाईकोर्ट का आदेश किया रद्द
- हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की बात सुने बिना ही दे दी अग्रिम जमानत

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा भले ही महत्वपूर्ण है, लेकिन अदालतों को पीड़ितों की पीड़ा की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पटना उच्च न्यायालय के मार्च 2024 के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें हत्या के एक मामले में दो आरोपियों को अग्रिम जमानत दे दी गई थी। पीठ ने उच्च न्यायालय की ओर से मामले को निपटाने में की गई जल्दबाजी पर गंभीर चिंता भी जताई।

पीठ ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की योजना जहां अग्रिम जमानत से जुड़ी अर्जियों पर विचार करने के लिए उच्च न्यायालय और सत्र अदालत को समवर्ती क्षेत्राधिकार प्रदान करती है, इस अदालत ने बार-बार टिप्पणी की है कि उच्च न्यायालय को खुद सीधे हस्तक्षेप करने से पहले हमेशा वैकल्पिक उपाय को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

अपराधियों के प्रति डर न रहे, संतुलन बनाना होगा

कोर्ट ने कहा कि आरोपियों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा के साथ-साथ पीड़ितों के दिलों में कथित अपराधियों के प्रति किसी भी तरह का डर न रहे, इसके लिए संतुलन बनाना होगा। उसने कहा कि शिकायतकर्ता की पत्नी की हत्या दिनदहाड़े की गई। सुप्रीम कोर्ट शिकायतकर्ता की ओर से दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दिसंबर 2023 में दर्ज एक प्राथमिकी में नामजद दो आरोपियों को अग्रिम जमानत देने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी।

सहारा ग्रुप की संपत्ति अडाणी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट से मांगी गई मंजूरी, 14 अक्टूबर को होगी सुनवाई

सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने महाराष्ट्र में एम्बी वैली और लखनऊ में सहारा शहर समेत विभिन्न संपत्तियों को अडाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इस याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

अधिवक्ता गौतम अवस्थी के माध्यम से दायर याचिका में सहारा समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अडाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को छह सितंबर 2025 की टर्म शीट में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने के लिए अनुमति मांगी गई है। सहारा समूह से संबंधित लंबित मामलों में दायर अंतरिम आवेदन में कहा गया कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित विभिन्न आदेशों के अनुसरण में तथा विभिन्न आदेशों के माध्यम से इस न्यायालय की अनुमति प्राप्त करने के बाद, एसआईसीसीएल और सहारा समूह बड़ी कठिनाई से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए है। इससे हासिल राशि को बाजार नियामक सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया गया।

यूपीआईटीएस-2025

रिकॉर्ड भागीदारी और उपलब्धियों के साथ यूपीआईटीएस 2025 का समापन

11200 करोड़ का कारोबार, 1882 करोड़ के 2400 एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार : ग्रेटर नोएडा इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपीआईटीएस-2025 का सोमवार को रंगारंग समापन हुआ। 24,400 से अधिक बिजनेस बैठकें हुईं और 1882 करोड़ रुपये निवेश के 2400 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इनसे 11,200 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज हुआ, जो प्रदेश की नई औद्योगिक क्षमता को दर्शाता है। इसी के साथ यूपी लगातार तीसरी बार इंटरनेशनल ट्रेड शो का सफल आयोजन करके देश का पहला राज्य बन गया है।

पांच दिवसीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का सोमवार को रंगारंग समापन हुआ। इंडिया एक्सपो सेंटर में आयोजित इस शो ने नए कीर्तिमान रचे और राष्ट्रीय व्यापार कैलेंडर में एक मील का पत्थर स्थापित किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयुष गोयल समेत यूपी के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, उद्योग मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने उपलब्धियां गिनाई। इस बार आयोजन में 2,250 प्रदर्शक और 5,07,099 से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिनमें 1,40,735 बी2बी खरीदार और 3,66,364 सामान्य विज़िटर शामिल रहे। शो में लगभग 11,200 करोड़ की व्यावसायिक पूछताछ दर्ज हुई जबकि 2,400 से अधिक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए जिनकी कुल राशि 1,882 करोड़ रही।

इस बार रूस पार्टनर कंट्री रहा। 111 बी2बी मीटिंग्स के दौरान रूसी कंपनियों ने भारतीय एमएसएमई और निर्यातकों से गहन चर्चा की। मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा, आईटी, फार्मा, पर्यटन और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश संभावनाएं उभरीं। पांच दिन के आयोजन में 17 नॉलेज सेशंस हुए, जिनमें नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने विचार रखे। विकसित यूपी @2047, स्टार्टअप्स की भूमिका और ई-कॉमर्स जैसे मुद्दे केंद्र में रहे।

शो में युवाओं ने भी अपना दमखम दिखाया। 113 स्टॉल्स पर 49 फ्रेंचाइज़ ब्रांड, 64 मशीनरी सप्लायर और 26 बिजनेस ऑन व्हील्स मॉडल्स प्रदर्शित हुए। 2,000 छात्रों की सक्रिय भागीदारी और 8,300 से अधिक बिजनेस इंक्वायरी दर्ज हुईं। समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। देशी-विदेशी प्रतिनिधियों ने लोकनृत्यों और संगीत का आनंद लिया।

यूपीआईटीएस के समापन समारोह को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

बी2बी खरीदार
1,40,735
पहुंचे आयोजन में

अंतर्राष्ट्रीय खरीदार
525
85 देशों से

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

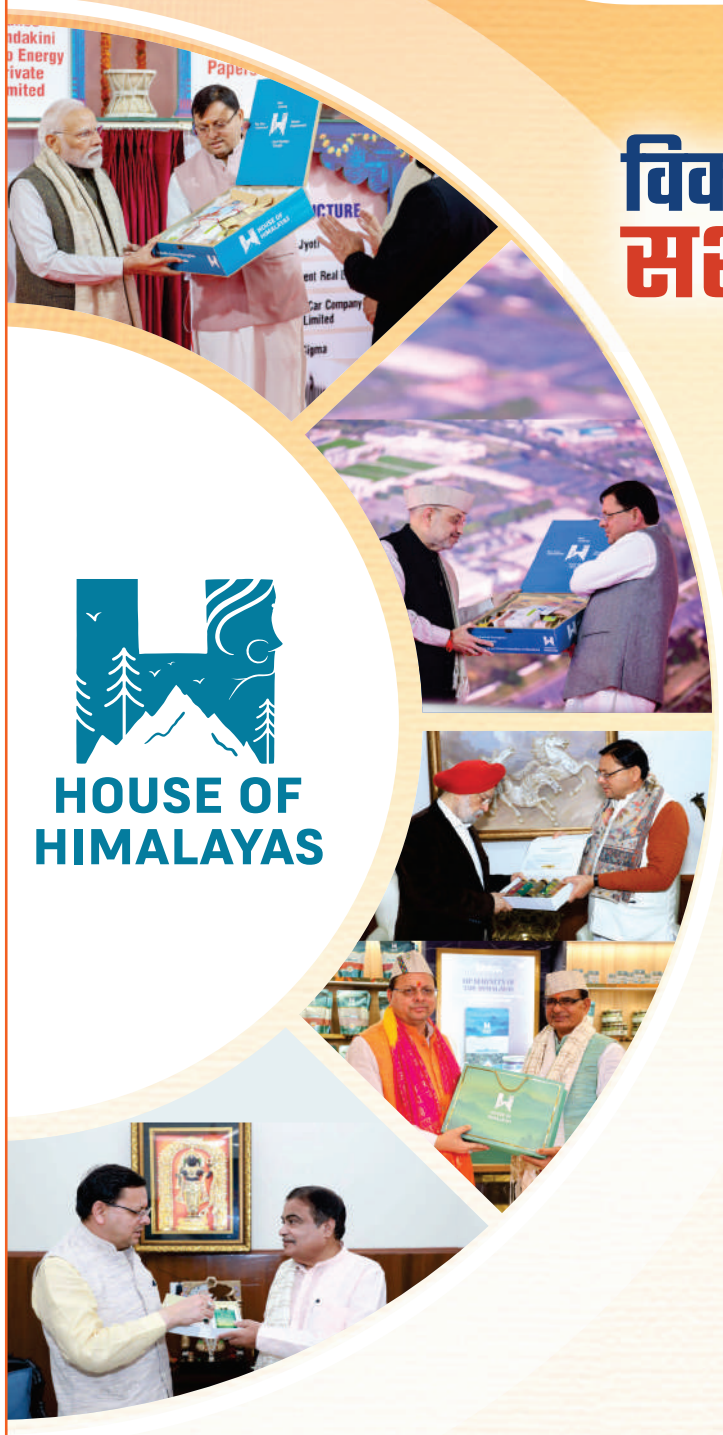

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

हमें स्वदेशी को अपना स्वाभिमान बनाना है। इसे अपनाना केवल सामान खरीदने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे गर्व के साथ बढ़ावा देना हर नागरिक का कर्तव्य है। इससे स्थानीय उद्योग सशक्त होंगे, रोजगार बढ़ेंगे और देश की आर्थिक तरक्की में मदद मिलेगी। त्योहारों के अवसर पर देश के प्रत्येक नागरिक स्वदेशी सामान खरीदें। यह छोटा कदम देश की बड़ी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और इसे अपनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

HOUSE OF HIMALAYAS

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद अब दुनिया की पहली पसंद

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरुप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

बेहतर गुणवत्ता : हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

ODTP ONE DISTRICT TWO PRODUCTS UTTARAKHAND

एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5%

स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है,

इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

अष्टम महागौरी

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। दुर्गापूजा के आठवें दिन महागौरी की उपासना का विधान है। इनकी शक्ति अमोघ और सद्य: फलदायिनी है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी कल्मष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी विनष्ट हो जाते हैं। भविष्य में पाप, संताप, दैन्य - दु:ख उसके पास कभी नहीं जाते। वह सभी प्रकार से पवित्र और अक्षय पुण्यों का अधिकारी हो जाता है। देवी महागौरी की पूजा से राहु का बुरा प्रभाव खत्म होता है।

बीज मंत्र- श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः।

अमृत भारत: सपना सरीखी ट्रेन, कम किराया, लग्जरी सुविधा

ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर यात्रियों में दिखा उत्साह, बोले- साकार हुआ सपना

वीरेंद्र पांडेय, लखनऊ

अमृत विचार : कम किराया तेज रफ्तार और लग्जरी सुविधा इससे अच्छा और हमारे लिए क्या करती सरकार। यह कहना है पहली बार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन से सफर करने रहे यात्रियों का। कोई छपरा से था, तो कोई कुशीनगर (पडरौना) से, तो कोई गोरखपुर, मनकापुर या फिर गोंडा से...सभी एक स्वर में केवल ट्रेन की तारीफ कर रहे थे और कह रहे थे कि इतने कम किराए में लग्जरी ट्रेन से पहले कभी यात्रा नहीं की। इस ट्रेन में सफर करना सपने जैसा है।

दरअसल, सोमवार को पूर्वोत्तर रेलवे की पहली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन पटरी पर उतरी। छपरा से दिल्ली (आनंदविहार) वाया गोरखपुर होते हुए 10 बजे के करीब लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पहुंची। इस ट्रेन को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सोमवार को अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 05133 छपरा से आनन्द विहार टर्मिनल के लिए 11 बजे रवाना हुई। वहां से गोरखपुर खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर, गोंडा, बाराबंकी होते हुये बादशाहनगर (लखनऊ) पहुंची। इसके बाद ट्रेन लखनऊ के ऐशबाग स्टेशन पहुंची। यहां से रवाना होकर सुबह 8 बजे आनन्द विहार टर्मिनल पहुंचेगी। इस विशेष गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 8, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, पैंट्रीकार के 1 और एलएसएलआरडी के 2 कोचो सहित कुल 22 कोच लगाये गए।

ऐशबाग पहुंची अमृत भारत एक्सप्रेस। ● प्रमोद शर्मा

आरपीएफ व जीआरपी स्टेशन पर रही सतर्क

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर पहुंचती उससे पहले ही आरपीएफ के इंस्पेक्टर देवेंद्र प्रताप, सब इंस्पेक्टर ज्योति, कांस्टेबल तनुजा, रवि कुमार, वीरेंद्र कुमार, जीआरपी के सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार, कांस्टेबल बृजेश कुमार और दीपक कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वही ट्रेन के पहुंचने पर लोगों का हालचाल भी जाना।

लोग बोले वाह सरकार

गीता। वीरू। राम सागर राम। वसीम अख्तर। सलमा। कृष्णा। पुष्पा।

● गोंडा के मनकापुर से दिल्ली जा रही **गीता** ने बताया कि पहली बार वह इतनी लग्जरी ट्रेन से सफर कर रही हैं।

● गोरखपुर से दिल्ली जा रहे वीरू ने कहा कि कम कीमत और लग्जरी सुविधा एक साथ केवल अमृत भारत एक्सप्रेस में ही मिल सकती है।

● छपरा से दिल्ली जा रहे **राम सागर राम** ने कहा कि हम लोगों के लिए यह ट्रेन बहुत अच्छी है छपरा से बहुत लोग दिल्ली जाते हैं। पहली बार है जब कम किराए में अच्छी ट्रेन मिली है।

● गोरखपुर से दिल्ली जा रहे वसीम अख्तर ने कहा कि इससे अच्छा और क्या करती सरकार। कम किराया देकर बेहतर सुविधा के साथ अब हम भी दिल्ली पहुंचेंगे। छपरा से दिल्ली जा रही

● **सलमा** ने कहा कि यह केवल उनके लिए नहीं, सैकड़ो लोगों के लिए बहुत ही बेहतरीन ट्रेन है। 330 के किराए में अब लोग दिल्ली तक पहुंचा करेंगे।

● गोरखपुर कुश्ती लड़ने आए **कृष्णा** ने कहा कि ट्रेन में बैठने के बाद सारी थकान मिट गई। ऐसी सुविधा सभी ट्रेनों में होनी चाहिए, लेकिन इसी तरह कम किराए के साथ।

● पडरौना से दिल्ली जा रही **पुष्पा** ने बताया कि ट्रेन में लग्जरी सुविधा है। इतनी कम कीमत में इतनी बेहतरीन सुविधा और ट्रेनों में नहीं मौजूद होती। इसमें भीड़ भी बहुत ज्यादा नहीं है।

● गोरखपुर से दिल्ली जा रहे हैं **अमरदीप** ने बताया कि गोरखपुर वासियों के लिए यह ट्रेन काफी बेहतर है कम किराए में बेहतर सुविधा के साथ दिल्ली पहुंच सकते हैं।

एमएसएमई से कारीगरों को मिली वैश्विक पहचान : सचान

- **30 से ज्यादा रूसी प्रतिनिधियों ने दिखाई यूपी में निवेश की रुचि**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण के सोमवार को समापन समारोह में राज्य के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि ओडीओपी और एमएसएमई से कारीगरों को वैश्विक पहचान मिली, जबकि 26 शैक्षणिक संस्थानों ने किया करार किया है। उ

उद्योग मंत्री नद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि यह आयोजन चौथे संस्करण की शुरुआत का संकेत है। 30 से ज्यादा रूसी प्रतिनिधियों ने यूपी में निवेश की रुचि दिखाई है। राकेश सचान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने लगातार तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन ने प्रदेश के उद्यमियों और कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ा और उन्हें नया आत्मविश्वास दिया। बताया कि पिछले संस्करण में 70 हजार विजिटर्स, 1.25 हजार बी2बी और 4 लाख से अधिक बी2सी सहभागिता दर्ज हुई थी। इस बार रूस पार्टनर कंट्री रहा और निवेश की संभावनाएं तलाशने के लिए 30 से अधिक रुसी प्रतिनिधि पहुंचे।

चौथे संस्करण के आगाज का भी संकेत

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन तृतीय संस्करण का समापन ही नहीं, बल्कि चौथे संस्करण के आगाज का भी संकेत है। उन्होंने इसे कारीगरी, हुनर और शिल्प का आधुनिक मेला बताया, जिसमें एक छत के नीचे 2500 एग्जिबिटर्स ने स्टॉल लगाए। नंदी ने कहा कि पिछले चार दिनों में 24,400 से अधिक मीटिंग्स हुईं और 2400 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनसे 11,200 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक व्यापार हुआ है। पांचवें दिन यह आंकड़ा और ऊंचाई पर पहुंचेगा।

फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाली महिला को डेढ़ साल की कैद

लखनऊ, विधि संवाददाता। ग्राम पंचायत निधि की खींचातानी को लेकर आपसी विवाद के चलते एससीएसटी एक्ट का फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाली आरोपी गुड्डी को दोषी ठहराते हुए, एससी-एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीध विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने डेढ़ साल के कैद की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने अपने आदेश की प्रति जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर लखनऊ को भी भेजी है जिसमें कहा गया है कि विधायिका का यह बिल्कुल आशय नहीं था कि करदाताओं के बहुमूल्य धन को झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वालो को राहत के रूप में दिया जाए। कोर्ट ने कहा ज़िलाधिकारी तब तक कोई राहत राशि न दे जब तक मामले में चार्जशीट न आ जाए बल्कि मात्र रिपोर्ट दर्ज होने पर राहत राशि न दिया जाए क्योंकि रिपोर्ट दर्ज होने के स्तर पर राहत राशि देने से फर्जी रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। निर्णय में अदालत ने कहा की अगर गुड्डी को कोई राहत राशि दी गई हो तो उसे तत्काल वापस लिया जाए।

महारैली के बहाने बसपा-रिटर्न की तैयारी, लखनऊ में रैली 9 को

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती जल्द ही महारैली के बहाने बसपा-रिटर्न की तैयारी में हैं। लंबे समय से शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रही बसपा अब 9 अक्टूबर को लखनऊ में रैली करने जा रही है। यह रैली 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को मजबूत बनाने का हिस्सा मानी जा रही है। खास पहलू यह है कि मायावती के भतीजे व पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद भी यहां होंगे।

बसपा की 9 अक्टूबर वाली रैली पार्टी के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर होगी। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में बसपा का प्रभाव निरंतर कम हो रहा है, और मायावती पिछले कुछ सालों से कम सक्रिय रहीं, लेकिन अब वे कार्यकर्ताओं को जोड़ने और दलित वोटरों को वापस लाने की कोशिश कर रही हैं। लखनऊ के कांशीराम मेमोरियल में होने वाली रैली को पार्टी ऐतिहासिक बनाने की योजना बना रही है। कार्यकर्ताओं को लखनऊ चलो, का नारा दिया गया है, और कम से कम दो लाख लोग जुटाने का लक्ष्य है।

आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला

लखनऊ : कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने बसपा प्रमुख पर यह कहते हुए निशाना साधा कि मायावती के दिल में कमल और जुबां पर अंबेडकर है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बसपा जब-जब सत्ता में आई तब-तब अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों पर तब कुठाराघात किया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा इस बार बसपा को उप्र. में परोक्ष रूप से लड़ाने वाली है। दूसरी ओर उदित राज के आरोपों पर पलटवार करते हुए बसपा से राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने कहा कि जब बसपा आगे बढ़ रही है तो विपक्षी पार्टियां अपने चमचों को सक्रिय कर इस तरह की अनर्गल बातें करवा रही हैं। बहनजी के चार बार के शासन में बहुजन समाज को आत्मसम्मान, शिक्षा, रोजगार, हर क्षेत्र में भागीदारी मिली है। उन्होंने कहा कि उदित राज की बुद्धि अब काम नहीं कर रही है।

दीपावली से पहले सभी 75 जिलों में होगा स्वदेशी मेला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

- **यूपीआईटीएस बैनर तले होगा आयोजन, स्वदेशी को मिलेगा बढ़ावा**
- **अगले वर्ष और बड़े पैमाने पर होगा इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा चरण**

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्तशिल्पियों, उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा मंच देने के लिए इस वर्ष दीपावली से पहले पूरे प्रदेश में 'स्वदेशी मेला आयोजित करने की घोषणा की है। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस बार राज्य के सभी 75 जिलों में 9 से 10 दिन का व्यापार मेला आयोजित होगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के बैनर तले होगा और उसके नीचे स्वदेशी मेला लिखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए लोकल टू वोकल" मंत्र को आत्मसात करना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि अब तक इस तरह के मेले 18 मंडलों तक सीमित थे, लेकिन इस बार पूरे प्रदेश में विस्तार किया गया है। इससे हस्तशिल्प उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा बाजार मिलेगा और उनके उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचेंगे। साथ ही, जीएसटी सुधारों का लाभ भी उपभोक्ताओं तक पहुँचाने की योजना है। इन मेलों का शुभारंभ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मंत्री और विधायक करेंगे।

हर जनपद में स्थापित होंगे यूनिटी मॉल

मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में तीन यूनिटी मॉल (लखनऊ, वाराणसी और आगरा) की स्थापना केंद्र सरकार की फंडिंग से शुरू हो चुकी है। कुछ स्थानों पर भूमि चिन्हित कर शिलान्यास हो गया है। राकेश सचान ने कहा कि राज्य सरकार की योजना है कि सभी 75 जिलों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जाएं, जिससे हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सके। इन यूनिटी मॉल में सभी 75 जनपदों के उत्पादों के साथ ही अन्य राज्यों के ओडीओपी भी रखे जाएंगे।

महिलाओं के साथ बढ़ रहीं अपराध की घटनाएं : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में महिलाओं और बेटियों के साथ अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सपा प्रमुख का आरोप है कि महिला सुरक्षा को लेकर भाजपा सरकार के सारे दावे झूठे हैं। प्रदेश भर में हर दिन कई-कई बेटियों के साथ जघन्य अपराध हो रहे हैं। अपराधी तत्वों में कानून का कोई डर नहीं है। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि मैनपुरी में शनिवार के दिन 11वीं की छात्रा की गला घोंट कर हत्या हो गई। शनिवार को ही अंबेडकरनगर के मालीपुर थाना क्षेत्र में दलित छात्रा का शव खेत में मिला। स्कूल गई छात्रा की हत्या हो गयी। संतकबीर नगर में कम्प्यूटर सेंटर पर काम करने वाली महिला की हत्या कर लाश नहर में फेंक दी गयी।

स्टेशन की सीढ़ियों पर ये कैसी सुरक्षा

राजधानी के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर आखिर किस ट्रेन की प्रतीक्षा में है ये 'झुंड'। ● प्रमोद शर्मा

अमृत भारत एक्सप्रेस व 4 पैसेंजर ट्रेन सहित बिहार को 7 नई ट्रेनें

नई दिल्ली, अमृत विचार। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के साथ मिलकर बिहार में कुल सात नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

ये नई ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी को एक नया आयाम प्रदान करेंगी और यात्रियों को बेहतर यात्रा सेवाएं प्रदान करेंगी। इन नई ट्रेनों के उद्घाटन के साथ, अब देश भर में चलने वाली 30 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से बिहार में कुल 26 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं चालू हो गई हैं। मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन है, जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन बन गई है। ये अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। ये ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर उत्तर और दक्षिण भारत से बिहार की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इनके परिचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन, व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

बाराबंकी में सोते समय वृद्ध पर कुत्तों ने किया हमला, नोंचकर मार डाला

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

- **सुबेहा क्षेत्र के ग्राम मेहंदिया मजरे सिधियांवा में हुई घटना**
- **घर से लगभग 50 मीटर तक वृद्ध को घसीट ले गया था कुत्तों का झुंड**

अमृत विचार : सुबेहा थाना क्षेत्र के ग्राम मेहंदिया मजरे सिधियांवा में सड़क किनारे घर के बाहर सो रहे वृद्ध पर कुत्तों के झुंड ने रविवार की रात हमला कर उसे मरणासन्न कर दिया। वृद्ध की कराह सुनकर परिवारजन जब तक मौके पर पहुंचते चारपाई से गिरे वृद्ध को कुत्ते कुछ दूर तक खींच ले गए। सीएचसी से रेफर वृद्ध की लखनऊ के लोहिया अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

सुबेहा थाना क्षेत्र के ग्राम मेहंदिया मजरे सिधियांवा में रविवार रात दयाराम रावत (83) खाना खाने के बाद घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। रविवार की रात में अचानक वहां पहुंचे करीब आधा दर्जन से अधिक कुत्तों ने दयाराम पर हमला कर दिया।

हमले के दौरान कुत्ते उन्हें नोचते हुए लगभग 50 मीटर दूर गंदे नाले तक घसीट ले गए। दयाराम की कराहने की आवाज सुनकर जब तक परिवारजन व ग्रामीण दौड़े, तब तक उनकी हालत मरणासन्न हो चुकी थी। गंभीर हालत में परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखकर बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उपचार के दौरान दयाराम की मौत हो गई। इस घटना से परिजनों में मातम छा गया, वहीं लोगों में आक्रोश है।

भाजपा सहकार भारती के जिला उपाध्यक्ष के काफिले पर हमला

संवाददाता, करनैलगंज

अमृत विचार : कटरा बाजार में विधायक व ब्लाक प्रमुख समर्थकों के बीच हुए बवाल की चिंगारी रविवार की रात करनैलगंज पहुंच गयी।

शारदीय नवरात्र के अवसर पर बक्सैला गांव में माता रानी की प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम से लौट रहे भाजपा सहकार भारती के जिला उपाध्यक्ष पर परसपुर के रगड़गंज स्थित स्वामी लीलाशाह कॉन्वेंट स्कूल के समीप हमला कर दिया गया। हमलावरों ने उनके वाहनों के शीशे तोड़ दिए और उनके साथ मारपीट की। आरोप है इस घटना को करनैलगंज भाजपा विधायक अजय सिंह के शह पर अंजाम दिया गया। जब घटना हुई तो विधायक मौके पर मौजूद थे। पीड़ित पक्ष ने भाजपा विधायक पर मारपीट और तोड़फोड़ करने तथा जान से मार देने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। वहीं विधायक ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा उन्हें घटना की जानकारी नहीं है।

परसपुर के आटा गांव के रहने वाले राहुल सिंह चौहान समाजसेवी है और भाजपा संगठन से जुड़े हैं। उनके बड़े भाई त्रिलोकी सिंह रविवार को बक्सैला गांव में मां की प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम से लौट रहे थे।

फतेहपुर में जन उद्योग व्यापार मंडल की जिला व नगर कमेटियों का गठन

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। फतेहपुर में जन उद्योग व्यापार मंडल उप्र. संगठन के प्रदेश, जिला व नगर कमेटियों का गठन किया गया है। रविवार को जिले के दिल्ली पब्लिक स्कूल प्रांगण में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। बतौर मुख्य अतिथि संतोष दुबे ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद सर्वप्रथम प्रदेश कमेटी में प्रदेश प्रभारी संतोष दुबे ने हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के वरिष्ठ अधिवक्ता रामराज गांधी को अधिवक्ता मंडल उप्र. का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। इसी क्रम में जन उद्योग व्यापार मंडल उप्र. की विभिन्न इकाईयों में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने व्यापारी हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत करने की शपथ ली।

जन उद्योग व्यापार मंडल उप्र. संगठन के नव निर्वाचित पदाधिकारी। अमृत विचार

इरफान का भाई रिजवान जेल से रिहा

कानपुर, अमृत विचार। 33 महीनों में बेगुनाही की जेल में कैसे काटी है इसका दर्द बयां नहीं कर सकता। तीन साल मां, पत्नी और बच्चों से दूर रहने का बहुत कष्ट है। उनके मिलने आने पर ही जेल में जाली के पीछे से देख पाता था। मां सिर पर हाथ रखेगी उनका आर्शीवाद लूंगा। बच्चे जिनिया और मुज्जू के माथे को चूम कर आंख से आंसू छलक पड़े। अब एक नई जिंदगी की शुरूआत करना है। ये मेरी नहीं शहर की जनता की जीत है। यह बात सोमवार रात 8.15 बजे जेल से रिहा हुए सीसामऊ के पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी के भाई रिजवान सोलंकी ने कही। जेल के बाहर रिजवान की रिहाई की जानकारी होते ही सैकड़ों कार्यकर्ताओं की भीड़ लग गई।

HIRING OF VOCATIONAL TRAINERS
(Contractual Basis)

Valeur Fabtex Private Limited, invites applications from candidates with prescribed qualification & Experience for Engagement as **Vocational Trainers** – Plumbing - 55, Automotive - 16, Construction - 4, IT-ITES - 4 Beauty & Wellness - 4 **(Total No. of Positions: 81)** to be engaged in Government Schools in the state of **Uttar Pradesh**

Trade	Postion	Qualification
Plumbing	55	B. Tech in Civil Engineering/Agricultural Engineering/Mechanical Engineering/ B.Voc. (Bachelor in Vocational) from a recognized Institute/ University, with at least 1-year work/teaching experience **OR** Diploma in Civil engineering /Agricultural Engineering/Mechanical Engineering with 2 years' work/teaching experience
Automotive	16	Degree in Automobile Engineering/Mechanical Engineering from a recognized Institute /University, with at least 1 year work/teaching experience **OR** B. Voc (Bachelor in Vocational) in Automobile with at least 1 year work /teaching experience) **OR** Diploma in Automobile Engineering/Mechanical Engineering from a recognized Institute /University, with at least 3-year work / teaching experience
Construction	04	B. Tech in Civil Engineering from a recognized Institute/University, with at least 1 year work / teaching experience **OR** Diploma in Civil engineering with 2-year work / teaching experience
IT-ITES	04	Bachelor Degree in Computer Application/ Computer Science/ Information Technology (BCA, B. Tech & B. Sc in Computer Science/ Information Technology) with minimum of 1 Year teaching/experience **OR** Graduate with PGDCA OR DOEACC 'A' Level Certificate with minimum of 1 Year teaching/experience **OR** Diploma in Computer Science/ Information Technology with minimum of 1 Year teaching/experience
Beauty & Wellness	02	Diploma in Cosmetology/beauty therapy/beauty culture from a recognized Institution. Minimum1 year work/teaching experience in the relevant field.

Minimum Competency: 1. Effective communication skills in English & Local Language (oral and written)
2. The candidate should have domicile of Uttar Pradesh
3. Basic computing skills

Pre-Requisite: Age Limit-18-37 years (As on Jan. 01 2025) Age relaxation to be provided as per Govt. Rules.

Vocational Trainer – All-inclusive Gross Honorarium 15,000/- Per month

Note :- All communication for job application to be done through e-mails. All positions purely on Contractual basis. This is not a Government Job and the selection process is strictly based on merit and management reserves the right to accept/reject an application without assigning any reasons whatsoever. Last date for receipt of **CV: 4th October 2025**. Only shortlisted candidates will be called for written and Personal interview. Interested Candidates can fill Google form - https://forms.gle/MnkYhD7fJpzRX3uG6 or can send updated CV on this. **Mail ID - HR1@valeurfabtex.com**

For Queries Contact : 9810682936

SMS LUCKNOW
www.smslucknow.ac.in

School of Management Sciences, Lucknow

NAAC Grade A+ Institute

Courses Offered

B.Tech CSE, CSE(IoT), CSE-AI(DS), CSE-AI(ML), ME, CE, EE | **MBA** | **BBA** | **BCA** | **B.Com** | **B.Com(H)** | **B.Voc(SD)**

16 acres lush-green Campus with modern amenities and facilities

Academic Tie-ups: CISCO Networking Academy, Microsoft, mentza AI Tool for Employability

17 Years of Rich Legacy

Scholarship to Meritorious Students

Apply Now

Admission Helpline **9208000092**

Campus: Sultanpur Road, Lucknow-226501 (Ph: 9792633331, 09506033170)

www.facebook.com/smstc https://www.youtube.com/user/smsgilko https://twitter.com/smstc https://in.linkedin.com/in/smslucknow

6000+ Alumni

MAJOR RECRUITERS 2024-25 BATCH

600+ MULTIPLE JOB OFFERS | ₹12 LPA HIGHEST PACKAGE | 150+ COMPANIES VISITED | ₹4.5 LPA AVERAGE PACKAGE

न्यूज ब्रीफ

ईपीएफओ कार्यालय में सुनी गईं समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय में लखनऊ समेत परिक्षेत्र के जिलों में एक साथ निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें जिलों में नियुक्त जिला नोडल अधिकारियों डीएनओ हर्षित पाठक लखनऊ, करुनेंद्र कुमार मिश्रासीतापुर, शोएबा एजाज बाराबंकी, संदीप कुमार सिंह लखीमपुर, सुमित सोनी हरदोई व महेंद्र प्रताप सिंह रायबरेली ने शिविर लगाकर शिकायतों का समाधान किया। ये जानकारी कार्यालय प्रभारी अश्विनी कुमार गुप्ता ने दी।

बेटे-बहू पर मारपीट व धमकाने की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा के सैदपुर पुरही निवासी सरदार प्रसाद ने बेटे वीरकान्त और उसकी पत्नी रीता के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट व धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सरदार प्रसाद के मुताबिक वीरकान्त आए दिन शराब के नशे में गाली गलौज मारपीट और जान से मारने की धमकी देता है। वीरकांत और उसकी पत्नी रीता जमीन पर कब्जा करने की नीयत से उन्हें व उनके छोटे बेटे को फर्जी मामले में फंसाने की साजिश रच रहे हैं। रविवार को जब सरदार प्रसाद अपनी पत्नी के साथ नींबू का पेड़ छाँट रहे थे। तभी वीरकान्त और रीता लाठी व कुल्हाड़ी लेकर मारने के लिए दौड़ा। इस दौरान रीता ने उनकी पत्नी को लात मार दी और दोनों ने धक्का देकर गिरा दिया। बंथरा पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कार्पियो ने मारी कार में टक्कर, तीन घायल

अमृत विचार, काकोरी : पारा के आलमनगर जाहिदनगर निवासी आबिद अली के मुताबिक वह रविवार की रात एरा मेडिकल कॉलेज से कार से घर जा रहे थे। साथ में उनकी पत्नी और साला भी था। आरोप है कि स्कार्पियो सवार लोगों ने जान से मारने की नियत से उत्कर्ष लान के पास उनकी कार में टक्कर मार दी। जिससे कार सवार तीनों लोग चोटिल हो गए और कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की, लेकिन स्कार्पियो सवार लोग गाड़ी लेकर भाग निकले। पुलिस ने इनको दौड़ाकर निगोहां क्षेत्र में पकड़ा। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अभियान को लेकर हुई कार्यशाला

अमृत विचार, गोसाईगंज : भारतीय जनता पार्टी अर्जुनगंज मंडल की ओर से सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में सोमवार को आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री वीरेंद्र तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जागृत करने का महाभियान है। कार्यक्रम के उपरांत वीरेंद्र तिवारी ने कार्यकर्ताओं के साथ बाजार में जाकर स्टीकर लगाए, व्यापारियों, दुकानदारों और ग्राहकों से संवाद किया। अर्जुनगंज मंडल के अध्यक्ष मोहित तिवारी, पूर्व जिला मंत्री शंभूनाथ पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार रोहित, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमित सिंह चौहान, मंडल महामंत्री तुषार सिंह मंडल, उपाध्यक्ष रामदेव रावत मौजूद रहे।

छह जिलों में फैला था मलखान का नेटवर्क

पुलिस को मिली 20 से अधिक बैंक खातों की जानकारी, धर्मांतरण के लिए बने सभागार की जमीन की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : निगोहां में धर्मांतरण करवाकर लोगों को ईसाई बनाने वाले मलखान का नेटवर्क राजधानी के आसपास आधा दर्जन जिलों में फैला था। इन जिलों में धार्मिक सभा के लिए उसने दिन भी तय कर रखे थे। इसके लिए वह लगातार मोबाइल से लोगो के संपर्क में रहता था। पुलिस ने ऐसे दो और लोगों के बारे में जानकारी जुटायी है। जो मलखान के मददगार हैं। इसके साथ ही पुलिस को 20 से अधिक बैंक खातों की जानकारी मिली है। जिसकी जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक मलखान हर सप्ताह रायबरेली, उन्नाव, बाराबंकी, सीतापुर समेत करीब आधा दर्जन जिलों में जाता था। यहां पर धर्म सभा करता था, लोगों को धर्मांतरण के लिए उकसाता था।

इस बात की पुष्टि उसके मोबाइल से मिले नंबरों से हुई है। पुलिस ने ऐसे नंबरों की डिटेल निकालनी शुरू कर दी है। इसमें कुछ मददगार भी शामिल हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे है। जल्द ही इनकी गिरफ्तारी होगी।

खाताधारकों की खंगाली जा रही कुंडली

- पुलिस के मुताबिक ऐसे नंबर धारक मलखान को मोटी रकम भी भेजते थे। पुलिस को ऐसे 20 से अधिक खाता के बारे में जानकारी मिली है। मलखान के नाम से दो खाते हैं। इन खातों में 20 से अधिक खातों से लेनदेन के प्रमाण मिले है। इन खाताधारकों की कुंडली पुलिस खंगाल रही है। साथ ही ग्रामीणों के आरोप पर प्राथना हाल की जमीन भी नपाई राजस्व टीम करेगी। उसके लिए एसडीएम मोहनलालगंज को पत्र भेज दिया गया है। क्योंकि हाल वाली जगह पर बंजर जमीन पर है।

खुलासा करने वाली टीम का सम्मान

- धर्मांतरण गिरोह का खुलासा करने वाली निगोहां पुलिस टीम को मोहनलालगंज नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि डा .अजय पांडेय ने सम्मानित किया। इसमें एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा, निगोहां एसओ अनुज कुमार तिवारी, दारोगा चंदन यादव, आनंद सिंह व सिपाही मुनेन्द्र , राजकरन, विपिन को फूल माला पहनाकर अंग वस्त्र भेंट कर अशोक की लाट प्रतीक चिन्ह भेंट की।

एसी स्टैग क्रॉप सर्वे करने गई राजस्व टीम पर हमला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दबंगों ने लेखपाल को पीटा, भाई को तालाब में डुबोने की कोशिश
- सरकारी दस्तावेज फाड़ डाले फायरिंग भी की
- तीन नामजद समेत दर्जन भर दर्ज अज्ञात पर रिपोर्ट

अमृत विचार : मड़ियांव थाना क्षेत्र के गजराहार व घैला गांव में एसी स्टैग क्रॉप सर्वे करने गई राजस्व टीम पर दबंगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने सरकारी दस्तावेज फाड़ दिए और लेखपाल के भाई को तालाब में डुबोकर मारने का प्रयास किया। हमलावरों ने फायरिंग भी की। टीम के सदस्यों ने भाग कर खुद को बचाया।लेखपाल की तहरीर पर तीन नामजद समेत दर्जन भर लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास, सरकारी काम में बाधा डालना, फायरिंग कर दहशत फैलाने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सीतापुर के रौरापुर निवासी लेखपाल आनंद श्रीवास्तव की तैनाती सदर तहसील में है। रविवार को वह राजस्व टीम के साथ गजराहार और घैला गांव में एसी स्टैग क्रॉप सर्वे करने गए थे। साथ में भाई सौरभ श्रीवास्तव और सहयोगी विनय कुमार वाजपेयी भी थे। सर्वे के दौरान गांव के भूरिया, रेहान, फुरखान दर्जन भर अन्य लोगों के साथ वहां पहुंच गए और राजस्व टीम के साथ बदसलूकी कर काम रुकवा दिया। डिजिटल सर्वे का विरोध कर मोबाइल से वीडियो व फोटो बनाने से मना किया। समझाने पर मारपीट शुरू कर दी और दस्तावेज फाड़ दिए। बीच-बचाव करने पहुंचे भाई सौरभ को घेरकर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। उसे धक्का देकर डुबोकर मारने का प्रयास किया। भाई को बचाने गए लेखपाल पर दोबारा हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी तरह राजस्व टीम जान बचाकर भागी। इस दौरान हमलावरों ने फायरिंग शुरू कर दी। आनंद छिपकर पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। यूपी-112 और पुलिस टीम पहुंचने के बाद हमलावर भाग निकले। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया कि लेखपाल आनंद श्रीवास्तव की तहरीर पर भूरिया, रेहान, फुरखान समेत एक दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास, सरकारी काम में बाधा डालने, फायरिंग कर दहशत फैलाने जैसी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महिला प्रधानों को बताए अधिकार

- **अमृत विचार, लखनऊ :** राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के तहत वर्ष 2025-26 के अनुसार सोमवार को पंचायती राज विभाग ने महिला हितैषी अभियान चलाया। चिनहट विकास खंड कार्यालय के सभागार में महिला प्रधानों को विभागीय जानकारी दी। पंचायती राज विभाग के कार्य व अधिकार बताए। महिला सुरक्षा पर भी जागरूक किया गया।

युवक पर हमला, चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर: सरोजनीनगर के अवध विहार कालोनी निवासी महिला ने चार युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। आरोप है कि युवकों ने उसके बेटे के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी है। अवध विहार कॉलोनी निवासी अनीता के मुताबिक रविवार रात उनका बेटा सीमांत अपनी आटा चक्की पर काम कर रहा था। तभी रंजिश के चलते अभय रावत, राहुल पांडेय, दीपक रावत और आदिल खान वहां पहुंचे और सीमांत पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की मौत

संवाददाता, निगोहां

- उदयपुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने मारी बाइक में टक्कर

मृतक अभिषेक

मृतक धीरेंद्र

अमृत विचार: निगोहां के उदयपुर गांव के पास रविवार रात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर गांव में हाहाकार मच गया। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नगराम क्षेत्र के सल्लाही खेड़ा गांव के मजरा करोरा निवासी किसान रामसजीवन का बेटा अभिषेक कुमार (19) रविवार रात करीब 10 बजे बाइक पर निगोहां से मोहनलालगंज की ओर जा रहा था। उसके साथ भतीजा धीरेंद्र (21) भी था। उदयपुर गांव के पास रायबरेली से लखनऊ की ओर जा रहे अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में चाचा-भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देकर दोनों को सीएचसी पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर परिवार और गांव में कोहराम मच गया। रामसजीवन ने बताया कि अभिषेक और धीरेंद्र गुजरात में नौकरी करते थे। 15 दिन पहले ही घर लौटे थे। रविवार को कंपनी के मालिक ने फोन कर वापस बुलाया था। अभिषेक ने खर्चा न होने का हवाला दिया था। इस पर मालिक ने कहा कि स्टेशन पर पहुंचकर अपनी फोटो खींचकर भेजो तब मैं पैसे डाल दूंगा। रविवार रात करीब 9 बजे दोनों ने निगोहां रेलवे स्टेशन से अपनी फ़ोटो कंपनी मालिक को भेजी थी। खाते में पैसे आने के बाद दोनों स्टेशन से घर लौट रहे थे। अभिषेक के परिवार में पिता, मां कमलेश कुमारी, चार भाई सुखराम, ज्ञानु, आलोक हैं। धीरेंद्र के पिता विजय कुमार गांव में खेती का काम करते हैं। धीरेंद्र के तीन भाई अजय, संजय, धनंजय हैं।

सेल्समैन को युवकों ने पीटा, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर: बंथरा हनुमान मंदिर स्थित सागर फैशन मार्ट के सेल्समैन गुलशन कुमार ने विक्की सिंह चौहान, विशेष सिंह सैनी और दो अज्ञात युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुलशन कुमार के मुताबिक घटना रविवार शाम करीब 5:30 बजे वह अपनी दुकान में थे। तभी विक्की और विशेष अपने दो अज्ञात साथियों के साथ दुकान पर पहुंचे और सामान देखने में जल्दबाजी करने लगे। कपड़े खरीदने को लेकर विवाद हो गया तो आरोपियों ने गाली-गलौज की। विरोध करने पर उनकी लात-घूसों से पिटाई कर दी।

एसजीपीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारी। अमृत विचार

संतुलित आहार ही स्वस्थ जीवन की कुंजी

- **अमृत विचार, पीजीआई :** एसजीपीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में सोमवार को राष्ट्रीय पोषण माह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ डायटीशियन अर्चना ने बताया कि संतुलित आहार शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने का मूल आधार है। संचालन डायटीशियन मोनिका दीक्षित ने किया। डॉ निरुपमा सिंह ने कुपोषण से बचाव के लिए पोषक तत्वों से भरपूर भोजन अपनाने का संदेश दिया। डायटीशियन प्रीति यादव ने पौधा लगाने की पहल को पोषण और समृद्धि का प्रतीक बताया। शिल्पी पांडे और अम्मा गजल ने पोषण क्विज से जीवनशैली और आहार के महत्व पर ध्यान दिलाया।

दो मेडिकल फर्मों के लाइसेंस निरस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नारकोटिक्स दवाओं के क्रय-विक्रय के आरोप में थोक के दो दवा स्टोर के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स के छापे के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने दोनों मेडिकल स्टोर में नारकोटिक्स दवा की खरीद और बेचले संबंधी दस्तावेजों की जांच की।

अमीनाबाद के नया गांव स्थित मेडिसिन मार्केट में न्यू मंगलम एजेंसी थोक दवा की आपूर्ति करती थी। कोमल शुक्ला इसकी प्रोपराइटर हैं। एफएसडीए के सहायक आयुक्त ब्रजेश कुमार ने बताया कि सीबीएन ने इस एजेंसी में जांच की, जिसमें गड़बड़ी मिली थी। एफएसडीए की जांच में नॉरकोटिक्स दवा के क्रय विक्रय में संलिप्तता पाई गई। इसके बाद फर्म का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। आशीष कुमार त्रिपाठी की राजाजीपुरम स्थित मेसर्स श्याम एजेंसी में भी जांच की गई। अवैध तरीके से नारकोटिक्स दवाओं की बिक्री, खरीद करने पर लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है।

शीतगृह की तरह मंडी में रखी जाएंगी फल और सब्जियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जल्द जिले में किसान व व्यापारियों को फल व सब्जी रखने के लिए कम खर्च पर मिनी कोल्ड की सुविधा मिलेगी। सीतापुर रोड स्थित नवीन मंडी में 600 वर्गमीटर में 100 टन क्षमता का 1.50 करोड़ रुपये से कोल्ड स्टोर व रायपनींग चेंबर 95 फीसदी तक तैयार हो गया है। नवंबर में मंडी या फिर किसी निजी कंपनी से इसका संचालन कराया जाएगा।

कार्यदायी संस्था ने प्रोजेक्ट मंडी समिति को हैंडओवर कर दिया है। मंडी की निगरानी में फिनिशिंग का कार्य शुरू हो गया है। मंडी परिषद द्वारा डबल स्टोरी के कोल्ड स्टोर (शीतगृह) बनाया गया है। सब्जियां व फल रखने के साथ पपीता, केला आदि फल पकाए जाएंगे। इसके लिए रायपनींग चेंबर बनाए गए हैं। परिसर में नीचे कोल्ड स्टोर और ऊपर रायपनींग चेंबर व पैकिंग आदि कक्ष बनाए हैं। मंडी सचिव सुभाष सिंह ने बताया कि फिनिशिंग होते ही इसे शुरू कर दिया जाएगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत, चार घायल

संवाददाता, काकोरी

- पूर्णागिरी जा रहे थे श्रद्धालुओं की कार बस से टकराई

अमृत विचार: पीलीभीत में सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में काकोरी के महमूदपुर निवासी युवक की मौत हो गई। वहीं, चार लोग घायल हो गए। हादसा नेशनल हाइवे पर हरसिंगपुर मोड़ के पास सुबह 4.30 बजे हुआ। हादसे में घायल चार लोगों को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

काकोरी के महमूदपुर (माटीपुर) निवासी अभिषेक यादव (17) अपनी कार से साथियों संग पूर्णागिरी दर्शन करने जा रहा था। हरसिंगपुर मोड़ पर तेज रफ्तार बस ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सभी सवार कार में फंस गये। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला। हादसे में बिजनौर के नईमाबाद के सागर यादव, रहीमाबाद के शिव यादव और सचिन के अलावा गोसाईंगंज का अजस सिंह यादव शामिल हैं। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से हालत गंभीर होने पर सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसओ पवन पांडेय के मुताबिक मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है और घायलों के इलाज की व्यवस्था की जा रही है।

इकलौता बेटा था अभिषेक

- काकोरी के महमूदपुर (माटीपुर) निवासी मृतक अभिषेक यादव बीए प्रथम वर्ष का छात्र था। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता कल्लू यादव मजदूरी करते हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही मां शशि देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं बहन श्रेष्ठी यादव (15) भाई को याद कर बार-बार बेहोश हो रही है। वहीं इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम अनुपमा बरला था। शादी के बाद अब मेरा नाम अनुपमा तिग्गा हो गया है। अब मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। **अनुपमा तिग्गा पत्नी संदीप तिग्गा, C-140/1, RDSO कॉलोनी, मानक नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226011**

सूचना

मेरा पहले नाम NASIR था, जिसे अब बदलकर MO. NASIR रख लिया है। अब मुझे MO. NASIR नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MOHARRAM ALI ADD- 223 KOPEPUR, SHUJAGANJ, AYODHYA, PIN-224001

लखनऊ नगर निगम, लखनऊ

त्रिलोक नाथ मार्ग, लालबाग, लखनऊ-226001 (उ0प्र0), ई-मेल nnlko@up.nic.in
website : https://etender.up.nic.in

ई-निविदा सू0सं0:1899/पी०/उ०वि० दिनांक: 29.09.2025

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत अल्पकालिक निविदा सूचना

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 10/10/2025 को ई-निविदायें, ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लॉगिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 10/10/2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हें उसी दिन अपराह्न 4:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त नियम/शर्तें तथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र की सूचनायें पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षक उद्यान
नगर निगम लखनऊ

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं MOHAMMAD SALMAN SIDDIQUI पुत्र मोहम्मद जहाँगीर आलम निवासी: 178/216, बारूद खाना, गोलागंज, लखनऊ का निवासी हूँ, मैंने अपना नाम MOHAMMAD SALMAN से बदलकर MOHAMMAD SALMAN SIDDIQUI रख लिया है। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मैं रोहित कुमार निवासी 597 घ/378 भवन्त नगर नीलमथा लखनऊ का हूँ। मेरा पुत्र पीएएम0 श्री केन्द्रिय विद्यालय ए.एम.सी प्रथम पाली तोप खाना लखनऊ 9सी का छात्र है। स्कूल अभिलेखों में उसका गलत नाम AYUSHMAAN PRABHUVANSHI अंकित है। उसका सही नाम AYUSHMAN PRABHUVANSHI है। मेरे पुत्र AYUSHMAAN PRABHUVANSHI के स्कूल अभिलेखों में माँ का नाम निधि गलत अंकित है जबकि सही नाम निधि कुमारी है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं KAMALUDDIN S/O ABDURRAHEEM निवासी चूरिहार पोस्त थाना त्रिलोकपुर जिला सिद्धार्थ नगर का रहने वाला हूं। अब मैं अपना नाम बदलकर Mohammed Kamaluddin रख लिया है। अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वह पहचान जाए।

सूचना

मैंने अपना नाम KM SHIVANI SRIVASTAV से बदलकर SHIVANI SRIVASTAVA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **D/O- LATE RAJKAMAL SRIVASTAVA ADD-C-1365/5 INDIRA NAGAR SECTOR - C INDIRA NAGAR DIST - LUCKNOW - 226016(U.P)**

NOTICE

I, Asmita Singh W/o Mahendra pratap Singh, 545k 1833/5A, Hans kheda road, Para, Lucknow. In my daughter's Prisha Singh of Class-9, City Montessori School RDSO Campus records my name is wrongly written as Ashmita Singh. Therefore, the correct name Asmita Singh should be updated in my daughter's school record.

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र कौस्तुभ सिंह के स्कूल अभिलेखों में मेरा नाम सन्तोष सिंह एवं उसकी माता का नाम PREETI SINGH अंकित है। जबकि आधार कार्ड एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम सन्तोष कुमार सिंह एवं मेरे पुत्र की माता के आधार कार्ड में उनका नाम PRITI SINGH अंकित है। सन्तोष सिंह एवं सन्तोष कुमार सिंह दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं जो कौस्तुभ सिंह के पिता हैं। PREETTI SINGH एवं PRITI SINGH दोनों एक ही महिला के नाम हैं जो कौस्तुभ सिंह की माता हैं। अतः मेरे पुत्र के अभिलेखों में मेरा नाम सन्तोष कुमार सिंह एवं पुत्र की माता का नाम PRITI SINGH अंकित किया जाये। **सन्तोष कुमार सिंह पुत्र स्व0 देवेन्द्र कुमार सिंह निवासी-जी-93, साउथ सिटी, लखनऊ, उ0प्र0।**

कार्रवाई | खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने शहर में चलाया जांच अभियान

मिलावट की आशंका पर 1328 लीटर सरसों तेल सीज

कार्यालय संवाददात, लखनऊ

अमृत विचार : नवरात्र को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सोमवार को मिलावट के खिलाफ अभियान चलाकर छापे मारे। शहीद पथ सुशांत गोल्फ सिटी स्थित बेस्ट प्राईस (वालमार्ट इंडिया प्रलि.) में मिलावट की आशंका पर 38,295 रुपये कीमत का 110 लीटर मल्टीसोर्स एडिबल आयल व 42,817 रुपये का 910 किलो ग्राम बेसन सीज किया।

इसी प्रतिष्ठान से हाउस आफ वेदा ब्रांड का आग्रेनिक बेसन, क्लासिक ब्रांड का बेसन, प्रोवेदिक ब्रांड का घी, पान ब्रांड बेसन के नमूने भरे। इसके अलावा टीम ने काकोरी में किसान इंडिया प्लस मौदा से 2,39,040 कीमत का 1328 लीटर सरसों का तेल व 3640 रुपये का 28 लीटर राइस ब्रान आयल सीज किया। एबरेडी चौराहा पर शिव ट्रेडर्स से 44 हजार रुपये का 330 लीटर राइसब्रांड सीज किया। वहीं, इंदिरा नगर में रिलाइंस रिटेल से बेसन, मिश्री व उदयगंज के मिल्कास डेयरी एंड स्वीट से खोवा व पनीर के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे। इसके अलावा टीम ने कुर्सी रोड पर रुकमिणी कोल्ड स्टोर में कृत्रिम आलू को लेकर छापेमारी की लेकिन, गड़बड़ी नही मिली।

ईट राइट कैंपस घोषित होने पर दिया प्रमाण पत्र

- सोमवार को कलेक्ट्रेट में एडीएम (नागरिक आपूर्ति) की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2 ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में की गई कार्रवाई के आकड़े प्रस्तुत किए। एडीएम ने कहा कि आबकारी अधिकारी, डीएसओ, डिप्टी आरएमओ, मंडी सचिव, जिला दुग्ध विकास अधिकारी एवं औषधि निरीक्षक को 100 फीसद खाद्य लाईसेंस/पंजीकरण से आच्छादित कराएं। उन्होंने लॉरी हॉस्पिटल से शालिनी श्रीवास्तव, बलरामपुर अस्पलात से ओम प्रकाश यादव, मेदांता अस्पताल से डॉ. कपिल यादव, अपोलो हॉस्पिटल से बलवंत, लखनऊ जेल से वरिष्ठ अधीक्षक आरके जायसवाल एवं सीआरपीएफ से अनुराग सिंह को संस्थानों के ईट राइट कैंपस घोषित होने पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

1. रेलवे ट्रैक, स्टेशन एवं समपारों फाटकों के आस-पास भीड़ एकत्रित न करें, यह खतरनाक हो सकता है।
2. रेलगाड़ी के डिब्बों में स्टोव जलाना, आतिशबाजी का सामान, बारूद से बनी वस्तुएं, गैस सिलिण्डर, तेजाब, फिल्म, मिट्टी का तेल एवं पेट्रोल जैसे अन्य ज्वलनशील वस्तुओं को साथ लेकर यात्रा न करें। यह भारतीय रेल अधिनियम 1989 के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।
3. यात्री यदि इस प्रकार के ज्वलनशील एवं खतरनाक विस्फोटक वस्तुओं को गाड़ी एवं स्टेशन परिसर में देखें तो तुरन्त इसकी सूचना गार्ड/टीटीई, स्टेशन मास्टर या रेलवे पुलिस को दें।
4. स्टेशन पर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए पैदल उपरिगामी पुल का प्रयोग करें।
5. गाड़ी के छत एवं पावदान पर यात्रा न करें, यह जानलेवा एवं दण्डनीय है।
6. स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छता बनाए रखें।

पूर्वोत्तर रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
मुजाधि/संरक्षा-06
nerailwaygkp nerailwaygkp nerailwaygkp
@n.e.railwaygkp www.ner.indianrailways.gov.in

खुद के लिये जीने वाले की ओर कोई ध्यान नहीं देता पर जब आप दूसरों के लिये जीना सीख लेते हैं तो वे आपके लिये जीते हैं।

-परमहंस योगानंद

www.amritvichar.com

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- मुठभेड़ में फरार हिस्ट्रीशीटर की हत्या, सीतापुर में मिला शव II
- सीता को तलाशते हुए शबरी के आश्रम पहुंचे श्रीराम III
- सड़क बनी न कमरा, भुगतान हो गया 83 लाख IV

लखनऊ, मंगलवार, 30 सितंबर 2025

शहर में आज

- गोमती नगर स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण के कमेटी हॉल में मंडलायुक्त की अध्यक्षता में नागरिक सुविधा दिवस- 10 :00 बजे।
- ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्थापना सप्ताह के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन- 10 :00 बजे।
- लोक बंधु चिकित्सालय स्थित वन स्टॉप सेंटर में राज्य महिला आयोग अध्यक्ष की उपस्थिति में मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम- 10 :30 बजे।

उत्कृष्ट सेवा के लिए एसजीपीजीआई और लोहिया संस्थान को मिले अवार्ड

आयुष्मान योजना में मॉडल बना संस्थान, देश में रोशन किय नाम

संवाददाता, पीजीआई

अमृत विचार : संजय गांधी पीजीआई ने आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में उत्कृष्ट योगदान कर प्रदेश का नाम देशभर में रोशन किया है। इस पर सोमवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संस्थान के अस्पताल प्रशासन विभाग के प्रमुख और योजना के नोडल अधिकारी प्रो आर हर्षवर्धन को उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया।

साचीस एजेंसी ने अटल बिहारी वाजपेयी वैज्ञानिक सम्मेलन केंद्र में आयुष्मान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें डॉ हर्षवर्धन ने बताया कि 2019 से अब तक पीजीआई में 38 हजार से अधिक मरीजों को कैशलेस और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिला है।

प्रो. आर हर्षवर्धन को उत्कृष्टता पुरस्कार देते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

2024-25 में 16,179 मरीजों ने योजना से इलाज कराया। कार्डियोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और रेडियोथेरेपी विभागों में सबसे अधिक मरीजों का इलाज हुआ। मरीजों की सुविधा के लिए पीजीआई ने कई डिजिटल पहल की हैं, जैसे 24×7 वर्चुअल फंड ट्रांसफर, हेल्प डेस्क, मोबाइल बायो-प्रमाणीकरण और शिकायत निवारण प्रणाली। इन पहलों से पीजीआई उत्तर भारत में आयुष्मान योजना का मॉडल बन गया है। संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो आर के धीमन ने कहा कि यह सम्मान टीम वर्क और बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने की प्रतिबद्धता का परिणाम है। यह उपलब्धि सिर्फ पीजीआई के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का पल है।

बलरामपुर अस्पताल को बेस्ट किचन अवार्ड

- अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल को बेस्ट हॉस्पिटल किचन अवार्ड मिला है। ये अवार्ड कलेक्ट्रेट में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित समारोह में दिया गया। सुपरवाइजर ओम प्रकाश ने अवार्ड प्राप्त किया। अस्पताल को ईट राइट कैंपस अवार्ड भी मिला है। 776 बेड की क्षमता वाले अस्पताल में सुबह और रात को 2500 मरीज और तीमारदार को भोजन बांटा जाता है। सुबह के समय करीब ढाई सौ आयुष्मान और लावारिस मरीजों को नाश्ता दिया जाता है। अवार्ड मिलने पर निदेशक डॉ. कविता आर्या, सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, एमएस डॉ. देवाशीष शुक्ला ने किचन के सभी कर्मचारियों को बधाई दी है।

उप मुख्यमंत्री ने सीएमएस को दिया प्रशस्ति पत्र

- अमृत विचार, लखनऊ: डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान को जरूरतमंदों तक सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को पहुंचाने और प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान साचीज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संस्थान के सीएमएस प्रो. विक्रम सिंह को दिया। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.एम सिंह ने कहा कि संस्थान सदैव से गरीब और वंचित वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सम्मान हमारी टीम के अथक परिश्रम और सरकार की दूरदर्शी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का परिणाम है। प्रो. भुवन चंद्र तिवारी ने कहा कि संस्थान में विशेष रूप से हृदय रोग, कैंसर और गंभीर बीमारियों के उपचार में सरकारी योजनाओं के अंतर्गत बड़ी संख्या में रोगियों को लाभ पहुंचाया गया है।

अवार्ड लेते सीएमएस प्रो. विक्रम सिंह।

उमस भरी गर्मी से अभी राहत नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : उमस भरी गर्मी से अभी शहर के लोगों को निजात नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने 6 दिन बाद ही पहाड़ों में पश्चिमी विक्षोभ की संभावना जताई है। ऐसे में दशहरा बाद गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। एक सप्ताह से शहर का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। एकीकृत प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया है कि अभी पुरवा हवा चल रही है, जब तक पछुआ हवा नहीं चलेगी, तब तक मौसम में कोई बदलाव नहीं आयेगा। 5 से 6 दिनों बाद पहाड़ों में पछुवा हवा आएगी। जिसके बाद वहां बारिश की संभावना है। उसके बाद यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। वहीं लखनऊ में जब पश्चिमी विक्षोभ आयेगा, यानी पछुआ हवाएं चलेंगी, तब लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

सिटी ब्रीफ

सफाई कर्मियों ने मांगा एरियर

अमृत विचार, लखनऊ : सफाई कर्मचारी यूनियन, नगर निगम सोमवार को नगर स्वास्थ्य अधिकारी से मिले। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारी साथियों के एरियर से संबंधित मांग पत्र दिया। मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी से मिले और अवगत कराया की 252 फीसदी से 246 फीसदी महंगाई भत्ते के अंतर का एरियर 1680 रुपये बजट सील हो चुका है, जो जल्द से जल्द सभी संविदा सफाई कर्मचारियों के बैंक खातों में भेज दिया जाएगा। इससे त्योहार पर उन्हें राहत मिलेगी। इस दौरान अध्यक्ष ज्ञानचंद्र भारती, उपमहामंत्री राजन धानुक आदि रहे।

नए बिजली कनेक्शन देने में देरी न हो : गोयल

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी में हजारों की संख्या में लंबित बिजली कनेक्शन आवेदनों पर पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को जारी आदेश में उन्होंने सभी वितरण निगमों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों को समयबद्ध ढंग से नए बिजली कनेक्शन दिए जाएं और किसी भी स्तर पर देरी न की जाए। डॉ. गोयल ने नए कनेक्शनों की नियमित समीक्षा मुख्य अभियंता से अपने स्तर पर करने के साथ वितरण निगमों के निदेशक (वाणिज्य) को इसकी साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित करने के लिए आदेश दिए। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि यह आदेश विद्युत अधिनियम-2003 का उल्लंघन है।

घरों के सामने कई दिन से कूड़े का ढेर, प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : ऐशबाग में घरों के सामने नगर निगम द्वारा पड़ा कूड़ा नहीं उठाया गया। स्थानीय लोगों ने अफसरों से शिकायत भी की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे नाराज लोग लामबंद हो गए। सड़क पर महिलाओं व पुरुषों ने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। इस बीच नगर निगम की जेसीबी कूड़ा उठाने पहुंचे, लेकिन नाराज लोगों ने विरोध किया। बताया कि करीब 12 दिन से कूड़ा पड़ा है और रोजाना ढेर लगता रहा है। पशुओं द्वारा फैलाने से जगह-जगह कूड़ा फैला रहता है और दुर्गंध से आसपास के घरों में लोगों का रहना मुश्किल है। इस बीच पहुंचे नगर निगम के अधिकारियों ने लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया।

आयुष्मान लाभार्थी घर बैठे ले सकेंगे अपॉइंटमेंट

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान योजना के अंतर्गत अग्रिम अपॉइंटमेंट की सुविधा सभी चिकित्सालयों में शुरू की जा रही है। जिससे मरीजों को लाइन में लगने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। किसी भी सूचीबद्ध अस्पताल से आयुष्मान संपर्क कॉल सेंटर के माध्यम से घर बैठे अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ये जानकारी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दी। वह आयुष्मान भारत योजना के सात वर्ष पूरे होने पर सोमवार को केजीएमयू के अटल बिहारी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने आयुष्मान संपर्क, आयुष्मान सारथी तथा आयुषी एआई चैट बोट की शुरुआत की। साथ ही पीएमजे हैंडबुक, आशा ई-बुक तथा आयुषमैन कॉमिक बुक का अनावरण भी किया गया। योजना के लाभार्थियों के साथ-साथ निजी एवं सरकारी क्षेत्र के उत्कृष्ट कार्य करने वाली चिकित्सा इकाइयों को सम्मानित किया। प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य अमित घोष, एनएचएम की मिशन निदेशक डा. पिंकी जोवेल, सांचीज की सीईओ अर्चना वर्मा, केजीएमयू की कुलपति प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा अपर्णा, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. पूजा यादव आदि मौजूद रहे।

जंक फूड खाने से एनीमिया की शिकार हो रहीं किशोरियां

क्वीनमेरी के सर्वे में 89 प्रतिशत मिलीं बीमारी से ग्रसित

प्रो. अंजू अग्रवाल

डॉ. सुजाता देव

12-15 वर्ष आयु की किशोरियों पर किया गया सर्वे

150 शहरी व ग्रामीण किशोरियों को किया गया सर्वे में शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जंक फूड खाने की आदत किशोरियों को एनीमिया का शिकार बना रही है। ये चिंताजनक स्थिति केजीएमयू प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के अध्ययन में सामने आई है। 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग की 150 शहरी और ग्रामीण किशोरियों पर किए गए अध्ययन में 89 प्रतिशत किशोरियां एनीमिया से पीड़ित मिलीं।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के क्वीनमेरी विभाग की अध्यक्ष प्रो. अंजू अग्रवाल ने बताया कि अध्ययन डॉ. सुजाता देव और काउंसलर सौम्या के नेतृत्व में किया गया। इसमें सामने आया कि ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं शहर की किशोरियों में भी एनीमिया की गंभीर समस्या है। आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों की किशोरियां भी एनीमिया ग्रसित पाई गईं। इससे स्पष्ट हुआ कि गरीबी ही नहीं बल्कि खानपान की आदतें भी एनीमिया के प्रमुख कारण हैं।

हरी सब्जियों और विटामिन सी के कम सेवन, आयरन-फोलिक एसिड और अल्बेंडाजोल टैबलेट्स का अनियमित उपयोग, जंक फूड की बढ़ती प्रवृत्ति ने समस्या को और गहरा कर दिया है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि मासिक धर्म, स्वास्थ्य में अनियमितता और पोषण की कमी का सीधा संबंध है। डॉ. सुजाता का कहना है कि किशोरावस्था में कुपोषण से न केवल लंबाई, वजन और मानसिक एकाग्रता प्रभावित होती है, बल्कि भविष्य की शिक्षा, कार्यक्षमता और मातृत्व स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि थकान, संक्रमण व हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याओं को बढ़ाते हैं।

प्रमुख निष्कर्ष

- 89 प्रतिशत एनीमिया से ग्रसित मिलीं किशोरियों में 26.6 प्रतिशत में हल्का, 42.6 प्रतिशत में मध्यम और 19.3 प्रतिशत में गंभीर एनीमिया पाया गया।
- 26 प्रतिशत किशोरियां ही रोजाना हरी सब्जियां खाती हैं और महज 16.6 प्रतिशत ही विटामिन सी का सेवन करती हैं।
- 25 प्रतिशत किशोरियां प्रतिदिन जंक फूड खाती हैं, जबकि 71 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि वह कभी-कभी नियमित भोजन की जगह जंक फूड लेती हैं।
- 52.6 प्रतिशत किशोरियों ने आयरन-फोलिक एसिड टैबलेट और 43.3 प्रतिशत ने अल्बेंडाजोल का सेवन किया।
- 74 प्रतिशत किशोरियां एनीमिया के बारे में जागरूक होने के बावजूद इससे प्रभावित मिलीं।

सुझाव

- 89 स्कूलों और समुदाय स्तर पर पोषण शिक्षा और हेल्थ काउंसलिंग को अनिवार्य बनाया जाए।
- किशोरियों को नियमित रूप से आयरन-फोलिक एसिड और अल्बेंडाजोल उपलब्ध कराया जाए।
- परिवारों को संतुलित आहार और जंक फूड से बचाव के महत्व के बारे में जागरूक किया जाए।

दिल की सेहत के लिए रोजाना 10 हजार कदम चलें

- **अमृत विचार, लखनऊ :** दिल की सेहत के लिए रोजाना कम से कम 10 हजार कदम चलने की आदत डालें। इससे कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर काबू में रहता है। खराब एलडीएल कोलेस्ट्रॉल भी कम होता है। ये जानकारी लोहिया संस्थान में कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. भुवन चन्द्र तिवारी ने सोमवार को दी। वह हृदय दिवस पर संस्थान में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में बोल रहे थे। डॉ. भुवन ने बताया कि पैदल चलने से दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और वजन भी नियंत्रित रहता है। मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है। इससे दिल की बीमारी के साथ स्ट्रोक का खतरा कम होता है। इसके अलावा सप्ताह में ढाई घंटे मध्यम व्यायाम भी जरूरी है। ज्यादा तली भुनी वस्तुएं दिल की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। फास्ट फूड भी नुकसानदेह है। खाने में अलग से नमक लेने से भी बचें। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का प्रयोग करें। दुकान या काम पर जाते समय कार को थोड़ी दूर पैदल चलें। कुलसचिव व ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुब्रत चन्द्रा, डीन डॉ. प्रद्युम्न सिंह, सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. सुमित दीक्षित, डॉ. आशीष झा समेत अन्य डॉक्टर मौजूद रहे।उधर, बलरामपुर अस्पताल के प्रेक्षागृह में भी जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें निदेशक डॉ. कविता आर्या ने दिल की सेहत के लिए मौसमी फलों का सेवन करें। साबुत अनाज जैसे दलिया, बाजरा और ब्राउन राइस का सेवन फायदेमंद है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवाशीष शुक्ला ने कहा कि पर्याप्त नींद लेने और धूम्रपान न करने की सलाह दी। सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत चिकित्सालय परिसर में जागरूकता रैली एवं हस्ताक्षर अभियान से हुई। जिसमें बड़ी संख्या में डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारी एवं मरीजों के परिजन सम्मिलित हुए। कॉर्डियोलॉजी विभाग के डॉ. युसुफ ने कहा कि छाती में दर्द, सांस फूलना, अत्यधिक थकान, पसीना आना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

महामाई की आराधना

राजधानी के दुर्गा पूजा पंडाल में आस्था के विविध रंग देखने को मिल रहे हैं। भक्त अपनी-अपनी परंपराओं के अनुसार जगत जननी मां की उपासना में लीन हैं। कैंटोनमेंट पूजा और सेवा समिति की ओर से सदर बाजार में लगाए गए पंडाल में सोमवार को महिलाओं ने धनुची नृत्य कर मां भगवती की आराधना की। (विस्तृत सामग्री पेज 7 पर) अमृत विचार

कैंसर संस्थान में मेमोग्राफी जांच की भी सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ : चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में अब स्तन से जुड़ी बीमारियों की जांच हो सकेगी। इसके लिए संस्थान के रेडियोडाग्यनोसिस विभाग में अत्याधुनिक थ्रीडी डिजिटल मैमोग्राफी जांच शुरू हो गई है। अभी तक संस्थान में मैमोग्राफी जांच की सुविधा नहीं थी। ऐसे में स्तन कैंसर की आशंका में आने वाली महिलाओं को जांच के लिए भटकना पड़ रहा था। मरीजों की दुश्वारियों को दूर करने के लिए संस्थान प्रशासन ने थ्रीडी डिजिटल मैमोग्राफी यूनिट स्थापित की। निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट ने सोमवार को यूनिट की शुरुआत की। निदेशक ने कहा कि महिलाओं में स्तन कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। स्तन में पड़ने वाली गांठ को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। स्तन में किसी भी तरह का बदलाव होने पर डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की शर्म और झिझक सेहत पर भारी पड़ सकती है।

बिल्डर महालक्ष्मी और गौड़संस पर जुर्माना

- रेरा ने चार अन्य प्रमोटरों के खिलाफ दिए कार्रवाई के आदेश
- घर खरीदारों को निर्धारित प्रारूप पर नहीं दिए अलॉटमेंट लेटर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) की बेंच ने नियमों का उल्लंघन करने पर महालक्ष्मी इन्फ्राहोम्स व गौड़संस हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रालि. पर जुर्माना लगाया है। इसके अतिरिक्त महागुन ग्रुप, महालक्ष्मी ग्रुप एसजेपी होटल्स एंड रिजॉर्ट्स व पंचशील बिल्डटेक के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

बेंच ने घर खरीदारों से जुड़ी महागुन ग्रुप की 16 शिकायतों की जांच में पाया गया कि समूह ने रेरा पोर्टल पर इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन से जुड़ा एक ड्रॉइंग अपलोड करके इलेक्ट्रिकल एनओसी के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया। अनुचित लाभ लिया जा सके। चेतावनी के बाद भी न मानने पर धारा 63 के तहत दंडात्मक कार्रवाई के आदेश दिए गए। इसी तरह महालक्ष्मी ग्रुप के खिलाफ नौ शिकायतों में आरोप सही मिले। जांच में सामने आया कि कंपनी ने खरीदारों को दिए गए अलॉटमेंट लेटर/बीबीए सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में जारी नहीं किए। इस पर बेंच ने धारा 61 के तहत दंडात्मक कार्रवाई के लिए अथॉरिटी को भेजा है। एसजेपी होटल्स एंड रिजॉर्ट्स की एक शिकायत में पाया गया कि कंपनी ने घर खरीदारों को अलॉटमेंट लेटर निर्धारित प्रारूप में जारी नहीं किए। बेंच ने इसे भी धारा 13 का उल्लंघन माना मानते हुए धारा 61 के तहत कार्रवाई के लिए भेजा।

पंचशील बिल्डटेक प्रालि. की एक शिकायत में कंपनी ने भी अलॉटमेंट लेटर निर्धारित प्रारूप में दर्ज नहीं किए। कार्रवाई के लिए धारा 61 के तहत भेजा गया। गौड़संस रियलटेक प्रालि. के खिलाफ शिकायत में पाया गया कि कंपनी ने बेंच द्वारा दिए गए स्टेटस-को आदेश का उल्लंघन किया। इसे धारा 63 का उल्लंघन मानते हुए जुर्माना लगाने हेतु धारा 61 के तहत भेजा गया। महालक्ष्मी इन्फ्राहोम्स प्रालि की एक शिकायत में कंपनी ने प्रारंभिक आपत्ति दाखिल कर मामले को खारिज करने की कोशिश की। जांच में पाया गया कि आपत्ति झूठे और भ्रामक तथ्यों पर आधारित थी। इस पर कंपनी पर 10,000 का खर्चा अधिरोपित किया गया है।

गौड़संस हाई-टेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रालि. की चार शिकायतों में कंपनी ने इसी तरह भ्रामक तथ्यों के आधार पर आपत्तियां दर्ज कर मामले को खारिज करने की कोशिश की। बेंच ने इसे जानबूझकर की गई लापरवाही और भ्रामक आचरण मानते हुए 25 हजार रुपये प्रति केस का खर्चा अधिरोपित किया है।

उद्योग बंधु की बैठक

मंडलायुक्त ने सर्वे कर अगली बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए आदेश

उद्यमियों ने फिर उठाई औद्योगिक क्षेत्र की समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : औद्योगिक क्षेत्र अमौसी, सरोजनी नगर व बन्थरा स्थित इकाइयों में जलभराव की समस्या का स्थायी निराकरण किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी के साथ अन्य विभाग क्षेत्र का सर्वे कराकर आगामी बैठक में रिपोर्ट देंगे। यह निर्देश सोमवार को कैसरबाग स्थित अपर आयुक्त उद्योग लखनऊ मंडल कार्यालय में उद्योग बंधु समिति की बैठक में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने दिए।

उद्यमियों द्वारा बिजली, पानी, लाइट, सड़क आदि समस्याएं रखी गईं। अटल इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रचर मिशन योजनान्तर्गत औद्योगिक क्षेत्र अमौसी एवं सरोजनीनगर में कराये जाने वाले सीवरेज एवं एसटीपी कार्य की जानकारी की।

अफसरों ने सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य के संबंध में विद्युत वितरण खंड नादरगंज द्वारा संपादित किए जा रहे पोल शिफ्टिंग व अवशेष कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कराने को कहा। इसके अलावा 5.7 किलोमीटर लम्बी सड़क अमौसी औद्योगिक क्षेत्र से पुरी ग्रामीण सुनहरा रोड होते हुए रिंग रोड, अवध कासिंग दुबग्गा मुख्य सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढीकरण की जानकारी की। इस पर एलडीए के सहायक अभियंता ने बताया कि शेष 925 मीटर रोड के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रियाधीन है। दिसंबरतक 25 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

11 से 31 अक्टूबर तक चलेगा दस्तक अभियान

- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाख जी ने जिला टास्क फोर्स की बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की जिम्मेदारी विभागों को सौंपी। बताया कि 5 अक्टूबर से यह अभियान शुरू होगा और 31 अक्टूबर तक चलेगा। 11 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान भी चलेगा। जिला मलेरिया अधिकारी ने अवगत कराया कि स्मार्ट सिटी के सहयोग से जोनवार हॉट स्पॉट मैपिंग की गई है। इनमें नगर निगम के जोन 4, 5 और 6 वर्तमान में संवेदनशील हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जोनवार स्थित मेडिकल फैसिलिटी को चिह्नित करके संचारी रोगों के लिए अलग से बेड आरक्षित कराएं। फॉगिंग एवं एंटी-लार्वा छिड़काव की समीक्षा भी की गई।

सात प्लाटिंग ध्वस्त छह निर्माण सील

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम ने सोमवार को गोसाईंगंज में सात अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की। इसके अलावा सआदतगंज, दुबग्गा, साउथ सिटी, नगराम रोड व सुलतानपुर रोड पर छह अवैध रूप से बन रहे व्यावसायिक भवन सील किए।

प्रवर्तन जोन-1 अंतर्गत गोसाईंगंज के ग्राम दुलारमऊ में मेसर्स साहू डेवलपर्स के निदेशक नीरज साहू द्वारा लगभग 20 बीघा और महेन्द्र शुक्ला व अन्य द्वारा लगभग 12 बीघा में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करते करके कालोनी विकसित करने पर ध्वस्त की गई। जोन-2 अंतर्गत गोसाईंगंज में न्यू जेल रोड पर रा पांच स्थानों पर प्लाटिंग ध्वस्त की गई।

वन विभाग को आशंका लौट सकता है तेंदुआ

- विभाग एक सप्ताह निगरानी के लिए लगाएगा पिंजरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कैंट क्षेत्र में आठ दिन पहले देखे गए तेंदुए की अब कोई हलचल न होने से वन विभाग की चिंता को बढ़ गई है। एक बार ही पगचिह्न मिलने की पुष्टि हुई थी, उसके बाद तेंदुए की मौजूदगी का कोई पुख्ता साक्ष्य नहीं मिला है। इससे तेंदुए के जंगल में छिपे होने और शिकार के लिए बस्ती में लौटने की आशंका है।

डीएफओ सितांशु पाण्डेय ने बताया कि एक हफ्ते में तेंदुए का कोई सुराग नहीं मिला है। विभाग ये मानकर चल रहा है कि तेंदुआ जंगल में छिपा हो सकता है। वह शिकार की तलाश में दोबारा रिहायशी क्षेत्रों की ओर आ सकता है। विभाग एक और सप्ताह तक निगरानी के लिए पिंजरा लगाएगा। कोशिश की जाएगी कि पिंजरा ऐसे स्थान पर लगाया जाए, जहां तेंदुआ आसानी से आकर फंस सके। साथ ही, यह रणनीति लोगों में व्याप्त डर को कम करने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। इसके अलावा वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को तेंदुए की मौजूदगी का कोई संकेत पगचिह्न, आवाज़ या कोई अन्य गतिविधि मिले, तो तत्काल सूचना दें। विभाग की ओर से उठाए जा रहे कदमों के पीछे कैंट से लेकर रूचि खंड और आशियाना तक फैले हुए डर को जल्द खत्म किया जा सके।

अतुल से लूट के आरोपी हिस्ट्रीशीटर की हत्या, सीतापुर में मिला शव

20 सितंबर को गुडंबा इलाके में कारोबारी से चेन लूट के बाद पीछा करने के दौरान स्कूटी में लात मारकर कर दी थी हत्या, पांच दिन बाद मुठभेड़ में हुआ था फरार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पुलिस मुठभेड़ में फरार व्यापारी अतुल जैन से चेन लूट और हत्या के आरोपी हिस्ट्रीशीटर संजय यादव का शव सोमवार को सीतापुर में सड़क किनारे पड़ा मिला। पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद शव फेंके जाने की बात सामने आई है। बाइके के नंबर से पहचान कर पुलिस ने परिजन को सूचना दी।

जानकीपुरम गार्डेन निवासी अतुल कुमार जैन 20 सितंबर की सुबह पड़ोस की महिला को प्रभात चौराहा स्थित एक जिम से छोड़कर लौट रहे थे। इस दौरान अपाचे बाइक सवार दो बदमाश उनकी चेन लूट कर कुर्सी रोड की ओर भागे थे। अतुल ने पीछा किया तो बदमाशों ने स्कूटी में लात मार दी थी। गिरने से स्कूटी पास खड़े डाला में जा घुसी, जिससे अतुल की मौत हो गई।

पुलिस ने भाई आशीष की तहरीर पर पहले चेन लूट की रिपोर्ट दर्ज की थी। बाद में सच सामने आने पर धराएं बढ़ा दी थी। 25 सितंबर को गुडंबा के रजौली गांव के पास पुलिस से मुठभेड़ में सीतापुर निवासी लूट के आरोपी अरविंद कुमार के पैर में गोली लगी थी, जबकि उसका फुफेरा भाई संजय यादव (40) निवासी विजयपुर,अस्तीपुर थाना बीकेटी भाग निकला था। सोमवार सुबह सीतापुर के सिधौली में नीलगांव रोड किनारे संजय का शव पड़ा था। राहगीरों की सूचना पर सीतापुर के एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह और सिधौली पुलिस मौके पर पहुंची। शव के पास में खड़ी बाइक के नंबर के आधार पर शव की शिनाख्त की गई। पुलिस ने बीकेटी में परिजन को सूचना दी। पुलिस की सूचना पर सीतापुर पहुंचे परिजन ने शव की पहचान की।

उखड़े थे पैर के नाखून, गर्दन पर भी चोट के निशान

- संजय के पैर में कुछ भी नहीं था। बाएं पैर के नाखून उखड़े हुए थे। ऐसा लग रहा था कि थर्ड डिग्री के दौरान उखड़े गए हैं या कहीं घिसटने से पैर के नाखून गायब हो गए। गर्दन पर भी चोट थीं। मुंह से झाग निकल रहा था। मौके पर संघर्ष के निशान भी मौजूद नहीं थे। मौके के साक्ष्यों के आधार पर यही लग रहा है कि मरने के बाद शव को कहीं से लाकर फेंका गया है।

लूट समेत 13 मामले दर्ज हैं संजय पर

- संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था बबलू कुमार ने बताया कि संजय यादव हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ वर्ष 2017 में बाराबंकी, बीकेटी, इटौंजा और सीतापुर में लूट समेत करीब 13 मामले दर्ज हैं। करीब पांच माह पहले जमानत पर छूटने के बाद वह घर नहीं गया था बल्कि ठिकाना बदल लिया था। मुठभेड़ में फरार होने पर डीसीपी पूर्वी ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। बाद में इनाम 50 हजार रुपये कर दिया गया था। एक लाख रुपये का इनाम घोषित करने के लिए रिपोर्ट पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर को भेजी गई थी।

कई वर्ष से घर नहीं आया था संजय

- हिस्ट्रीशीटर संजय की मौत के बाद घर पर सन्नाटा था। चचेरे भाई वाल्मीकि यादव ने बताया कि संजय कई वर्ष से घर नहीं आया था। वह अपने ठिकाने बदलता रहता था। उसके छह भाई और दो बहनें हैं। एक बहन की शादी हो चुकी है। दूसरी की शादी तलाशी जा रही है। संजय के अपराधी बनने के बाद उसकी शादी नहीं हुई। परिजन के मुताबिक उन्हें सिर्फ यही पता था कि वह निजी गाड़ी चलाता है। संजय यादव 2017 से लेकर 2024 तक 8 बार जेल जा चुका है। सीतापुर पुलिस के मुताबिक वारदात के बाद संजय प्रेमिका के घर में छिपा था। पुलिस प्रेमिका के भाइयों पर हत्या करने और कई लोगों से विवाद होने की बिंदु पर जांच कर रही है।

भाई-बहन ने बेच डाली महिला की करोड़ों रुपये की जमीन

- नानी को फर्जी भूस्वामी बनाकर पांच बार में की रजिस्ट्री
- भाई, बहन और नानी समेत चार लोगों पर एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भाई-बहन ने नानी को फर्जी भूस्वामी बनाकर एक महिला के करोड़ों के भूखंड की पांच टुकड़ों में रजिस्ट्री कर दी। बैंक लोन की किस्तें जमा न होने पर नोटिस चस्पा होने पर पीड़ित को फर्जीवाड़ा की जानकारी हुई। रजिस्ट्री कार्यालय से जानकारी लेने के बाद पीड़ित पक्ष ने भाई बहन समेत चार लोगों के खिलाफ सुशांत गोल्फ सिटी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

विजयनगर निवासी प्रताप नारायण सिंह की मां फूलमती ने खरिका में 25 अगस्त 2009 में 9003 वर्गफीट का भूखंड दुर्गा प्रसाद से खरीदा था। इस भूखंड को पटेल नगर निवासी प्रकाश सिंह, बिष्ट कैंट के तोपखाना निवासी मनोज कुमार की बेटी रोशनी कुमार और बेटे मनीष कुमार ने तोपखाना बाजार दिलकुशा निवासी नानी आशा देवी के साथ फर्जीवाड़ा कर बेच दिया। आशा देवी को फूलमती बनाकर रजिस्ट्री कराई गई। प्रकाश ने फूलमती के फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे।

जांच में सामने आया कि भूखंड की पांच टुकड़ों में पांच बार में रजिस्ट्री की गई।महेश कुमार को दो बार में एक हजार और 850 वर्गफीट भूखंड बेची। महेश ने पीएनबी और एलआईसी से लोन कराया। तमिलनाडु के तिरुनावल्ली निवासी कवियारसन पी को 750 वर्गफीट रजिस्ट्री की गई। उन्होंने पीएनबी एचएफ से लोन लिया। खरिका निवासी अभिषेक थापा को 750 वर्गफीट की रजिस्ट्री की। उनका पीएनबी एचएफ से लोन है। 850 वर्गफीट की पांचवीं रजिस्ट्री महेश कुमार के नाम की गई। इस बार महेश ने बैंक ऑफ महाराष्ट्रा की अलीगंज शाखा से लोन कराया।

बैंक नोटिस आने के बाद हुई जानकारी

- बैंक की किस्तें जमा न होने पर नोटिस चस्पा होने पर फर्जीवाड़े की जानकारी हुई। इसके बाद पीड़ित ने निबंधन कार्यालय में आवेदन देकर जांच की मांग की तब खुलासा हुआ। आरोप है कि इस मामले में जिन बैंकों के कर्मचारियों व अधिकारियों ने लोन पास किया वह भी दोषी है। उनकी भी मिली भगत थी। प्रताप के मुताबिक थाने में शिकायत की तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने से मना कर दिया। यहां तक डीसीपी कार्यालय में भी गुहार लगाई। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। फिर कोर्ट में अर्जी डाली। कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज किया गया है।

निवेश का लालच देकर 2.25 करोड़ ठगे

- **अमृत विचार, लखनऊ :** नासिक के एक जालसाज ने क्रिप्टो व रुपे क्रेडिट कार्ड प्रोजेक्ट का संचालक बताकर दंपति व उनके रिश्तेदारों से निवेश कराकर 2.25 करोड़ रुपये हड़प लिए। रुपये मांगने पर फर्जी केस में जेल भिजवाने की धमकी दी। पीड़ित ने पिता, पुत्र समेत कई लोगों के खिलाफ पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।पुलिस मामले की जांच कर रही है। अवध विहार योजना के भागीरथी एन्क्लेव निवासी खुशबू सिंह चंदेल 2021-2022 में उच्च शिखा के लिए पति अरविंद सिंह चंदेल के साथ लंदन गई थी। उसी समय उनका संपर्क हब ग्लोबल के निदेशक राकेश रविंद्र सोनवणे से हुआ। राकेश नासिक के पठारडी फाटा स्थित हरी विश्व का रहने वाला है। फरवरी 2023 में व्यापार के संबंध में सोशल मीडिया व दूरभाष पर बातचीत होती रही। इसके बाद लखनऊ लौटने पर राकेश से मुलाकात हुई। उसने खुद को बड़े क्रिप्टो व रुपे क्रेडिट कार्ड प्रोजेक्ट का संचालक बताया। उसने रुपे क्रेडिट कार्ड लोगो माडल, फर्जी क्रिप्टो करेंसी प्लेटफार्म, जाली दस्तावेज दिखा निवेश कराया। खुशबू ने पहले दो लाख फिर अप्रैल से नवंबर के बीच में कई बार निवेश किया। निवेश के रुपये व मुनाफे वापस देकर अरविंद चंदेल को रिश्तेदारों, करीबी व परिचितों के साथ मिलकर बड़े निवेश का लालच दिया। इस पर अरविंद ने मई से सितंबर 2024 के बीच 2.25 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके बाद निवेश की राशि लौटाने से मना कर दिया साथ ही फर्जी मामले में जेल भिजवाने की धमकी दी। जानकारी करने पर पता चला कि राकेश सोनवणे साथियों के साथ मिलकर महाराष्ट्र में फर्जी दस्तावेज बनाने का संगठित गिरोह चलाता है। वह आधार एग्रीमेंट, एमओयू, फर्जी पैन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट, फर्जी कंपनी डीन नंबर बनाकर करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा कर चुका है। गिरोह में राकेश के पिता रविंद्र दयाराम सोनवणे, पत्नी गायत्री राकेश सोनवणे, सोमेन अशिम कुमार बनर्जी, यूनुस समेत कई लोग शामिल हैं। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह के मुताबिक खुशबू की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

शादी का झांसा देकर विधवा से दुष्कर्म

अमृत विचार, पीजीआई : चारबाग की एक विधवा ने पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता के मुताबिक पति की मौत के बाद तेलीबाग खरिका निवासी राजेश चंद्र राठौर उर्फ खन्ना ने सहारा देने और विवाह का वादा कर उससे नजदीकी बढ़ाई थी, लेकिन भरोसे का फायदा उठाकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए और बाद में मुकर गया। 13 जुलाई की रात आरोपी ने आर्थिक मदद के बहाने उसे बुलाया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिला दिया। बेहोश होने पर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया। होश आने पर दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करवा लिए।

चौराहे पर रूट डायवर्जन

बालिंगटन चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाकर डायवर्जन कर दिया गया है। अब चारबाग़ से आ रहे वाहन चौराहे से आगे यूटर्न होकर सदर पुल की ओर और हज़रतगंज चौराहे से आने वाले वाहन यूटर्न लेकर कैसरबाग़ जा रहे हैं।

जालसाजों ने भेजा एनबीडब्ल्यू, कोर्ट में खुली पोल

- वजीरगंज थाने में पीड़ित ने दर्ज कराई एफआईआर, पुलिस कर रही जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हरदोई निवासी व्यक्ति के नाम पर जालसाजों ने फर्जी गैर जमानती वारंट भेज दिया। वारंट लखनऊ कोर्ट से जारी हुआ दिखाया गया था। इसके अलावा एक और फर्जी नोटिस मीडिएशन का भेजा गया। पीड़ित जब कोर्ट में पेश हुआ तो फर्जीवाड़े की पोल खुली। मीडिएशन से जारी नोटिस की भी हकीकत पता की वह भी फर्जी निकला। पीड़ित ने वजीरगंज थाने में कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरदोई के माधोगंज इलाके में रहने वाले किंदर लाल को पुलिस ने सिविल जज (जूडि) एफटीसी (महिलाओं के विरुद्ध अपराध) की कोर्ट से जारी से एनबीडब्ल्यू भेजी। वह हरदोई की सुरसा पुलिस को मिला।पुलिस ने किंदर लाल को इसी नोटिस के आधार पर सुरसा थाने लेकर गई और उनको बैठा लिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनके खिलाफ कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। पीड़ित के काफी समझाने पर सुरसा पुलिस ने इस शर्त पर छोड़ा कि कोर्ट में पहुंच कर अपना वारंट रिकॉल करा लेंगे। इसके अलावा लखनऊ के मीडिएशन सेंटर की ओर से जारी एक अन्य पत्र पीड़ित को सुरसा पुलिस ने दिया।

पीड़ित के मुताबिक वह लखनऊ पहुंचे और संबंधित कोर्ट में एनबीडब्ल्यू के साथ उपस्थित हुए। वहां उन्हें जानकारी हुई कि उनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी नहीं है। इसके अलावा मीडिएशन सेंटर पर भी उन्हें इस बात की जानकारी हुई कि उनके खिलाफ कोई नोटस जारी नहीं किया गया है। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने के लिए फर्जी एनबीडब्ल्यू भेजा गया। पीड़ित ने शक जाहिर किया है कि हरदोई के सुरसा इलाके में रहने वाले सतीश, आनंद व अन्य लोगों ने यह साजिश रची है। पीड़ित ने इस संबंध में 11 जून को वजीरगंज पुलिस से लिखित शिकायत की थी। उस समय वजीरगंज पुलिस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की। पीड़ित ने मदद के लिए कोर्ट में गुहार लगाई। कोर्ट के आदेश पर वजीरगंज पुलिस ने इस मामले में रविवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजभवन में नौकरी दिलाने के नाम पर वकील से ठगी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** राजभवन में नौकरी दिलाने का झांसा देकर वकील पांच लाख रुपये ठग लिए। इतना ही नहीं उसके कागजात से दो आईफोन और एसी भी फाइनेंस करवा लिया, किस्त का पैसा वकील के खाते से कटता रहा। रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर वजीरगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वजीरगंज नवीउल्लाह रोड नई बस्ती बांसमंडी निवासी मो. फहीम वकील हैं। उन्होंने बताया कि परिचित रिवर बैंक सर्वेंट क्वाटर निवासी विवेक कुमार यादव के पिता सुरेश कुमार गर्वनर हाउस में कर्मी हैं। आरोप है कि विवेक ने राजभवन में पिता का दखल बताकर नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। इस पर फहीम ने 1 अगस्त 2023 तक कई बार में 5 लाख रुपये उसे दे दिए। कुछ दिनों बाद उसने बिना हस्ताक्षर का नियुक्ति पत्र दिखाया। इस बीच विवेक ने फहीम के दस्तावेजों के जरिए दो आई फोन और एसी फाइनेंस करा लिया। किस्त का पैसा फहीम के बैंक अकाउंट से कट रहा था। इससे बैंक अकाउंट 80 हजार रुपये ऋणात्मक हो गया। कई वर्ष बाद भी नौकरी न मिलने पर रुपये मांगे तो विवेक और उसके परिजन ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। फहीम ने विवेक, उसके पिता सुरेश कुमार, मां सुनीता और भाई कमलेश कुमार के खिलाफ कोर्ट के जरिए रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

साइबर ठगों ने छह के खातों से उड़ाए 6.31 लाख रुपये

- जानकीपुरम, गोमतीनगर, आशियाना, पीजीआई व मदेयगंज थाने में दर्ज हुई एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

अमृत विचार : साइबर जालसाजों ने राजधानी के छह लोगों के खाते से 6,31,108 रुपये साफ कर दिये। पीड़ितों ने जानकीपुरम, गोमतीनगर, आशियाना, पीजीआई और मदेयगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइबर जालसाजों ने जानकीपुरम के जानकी विहार कॉलोनी निवासी विवेक प्रकाश का फोन हैक कर खाते से 1,58362 रुपये निकाल लिए। पीड़ित की तहरीर पर रविवार को जानकीपुरम पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। तहरीर में विवेक ने बताया कि पिछले माह ऑनलाइन मुनाफे का ऐड देख उन्होंने साइट खोली थी। साइट ओपन करते ही उनके खाते से चार बार में रुपये निकल गए। मेसेज आने पर उन्हें ठगी का पता चला। इंस्पेक्टर विनोद तिवारी के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

जानकीपुरम विस्तार निवासी उत्तम कुमार के मुताबिक उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 3.18 लाख और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 53,751 रुपये निकाल लिया गया। इसकी शिकायत उन्होंने साइबर क्राइम सेल में की। इसके बाद जानकीपुरम थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इसी तरह पीजीआई के रंजीतनगर निवासी गौरव सिंह के खाते से जालसाजों ने 5 हजार रुपये निकाल लिये। बैंक स्टेटमेंट निकलवाने के बाद जानकारी हुई। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराया है। वहीं, तकरोही निवासी महेश पाठक के खाते से जालसाजों ने 5 हजार रुपये निकाल लिये। यह रुपये गोमतीनगर स्थित ऑफिस से ऑन लाइन डॉक्टर से अपाइंटमेंट लेने के दौरान निकल गये। पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उधर, डालीगंज निवासी जिलफ फातिमा के खाते से जालसाज ने मकान किराये पर लेने के नाम पर 45,995 रुपये निकाल लिये। यह रुपये फर्जी सेना का अधिकारी बनकर बलविंदर सिंह नाम के आदमी ने निकाले। उसने नकली पहचान, जाली दस्तावेज दिखाकर यूपीआई से निकाल लिये। पीड़िता ने मदेयगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं, तेलीबाग के देवीखेड़ा पवनपुरी निवासी वर्षा चौरसिया के खाते से जालसाज ने 19 सितंबर की शाम को 45 हजार रुपये निकाल लिये। ठगी रिश्तेदार बनकर की गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में बीबीए छात्र की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : चिनहट के कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान में बीबीए छात्र एकांश सिंह (19) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक शाम आठ बजे सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर गई। जहां कमरे में एकांश सिंह बेसुध पड़ा था। उसे लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह समेत सभी अधिकारी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर दिनेश मिश्रा के मुताबिक एकांश वाराणसी के गुरुद्वारे वाली गली का रहने वाला था। पिता सोनू सिंह को सूचना दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

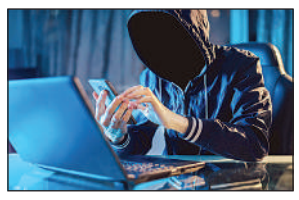

केंद्रीय विद्यालय कर्मी पर सहकर्मी ने किया हमला

- **अमृत विचार, लखनऊ :** कैंट इलाके में स्थित केंद्रीय विद्यालय में तैनात कर्मचारी पर उसके सहकर्मी ने बेटे व साथियों संग मिलकर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल कर्मचारी को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के परिजन की तहरीर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। निलमथा बाजार शारदा नगर निवासी शालिनी यादव के मुताबिक उनके पति राहुल यादव केंद्रीय विद्यालय में सब-स्टाफ के पद पर तैनात है। आरोप है कि साथ काम करने वाले लक्ष्मीशरण द्विवेदी मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे। 25 सितंबर को दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। 26 सितंबर को लक्ष्मीशरण बेटे व दो अन्य लोगों के साथ स्कूल पहुंचे और राहुल पर हमला कर दिया। हमले में राहुल को गंभीर चोट आई। मोबाइल व चेन भी लूट ली। मौजूद कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया। हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। राहुल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। एसओ कैंट गुरुप्रीत सिंह के मुताबिक तहरीर के आधार पर लक्ष्मीशरण द्विवेदी, उनके बेटे और दो अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच के लिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सख्ती | अस्पताल प्रशासन ने सिक्योरिटी एजेंसी को पत्र जारी कर प्रतिनिधियों को पुलिस के सुपुर्द करने के दिए निर्देश

बलरामपुर अस्पताल में निजी केंद्रों के प्रतिनिधि मिले तो होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में अब निजी पैथोलॉजी व डायग्नोस्टिक सेंटर के प्रतिनिधि घूमते मिले तो उनपर कार्रवाई होगी। इसके लिए अस्पताल प्रशासन ने सिक्योरिटी एजेंसी को पत्र जारी कर प्रतिनिधियों को पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द करने के निर्देश दिए हैं।

शहर की बड़ी डायग्नोस्टिक सेंटर ने अपना मकड़जाल सरकारी अस्पताल-संस्थानों के बाहर तक फैला रखा है। हर अस्पताल के बाहर दुकान खुलवाकर वहां से मरीजों को केंद्र पर भेजा जाता है। इसमें दो निजी केंद्र मेडिकल कॉलेज चौराहे के पास खुले हैं। इन दोनों केंद्र के प्रतिनिधि सालों से अस्पताल में डटे हैं। बलरामपुर अस्पताल में भी इनकी पैठ होने की जानकारी मिलने पर अस्पताल प्रशासन सतर्क हो गया है। सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने सिक्योरिटी एजेंसी को नोटिस जारी की गई है। सीएमएस ने आदेश में हवाला दिया कोई भी निजी केंद्र का प्रतिनिधि अस्पताल में घूमता मिला तो उसे पुलिस के हवाले किया जाए।

अस्पताल की लॉन्ड्री में मीटर रीडिंग में गड़बड़ी की आशंका

- अस्पताल प्रशासन ने दिए जांच के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में संचालित लॉन्ड्री में पहले बिना बिजली मीटर लगाए ही अंदाज से बिल भुगतान लिया जा रहा था। शिकायत पर अस्पताल प्रशासन ने मीटर लगवा दिया। जिसके बाद बिजली की खपत और भी कम हो गई। इसे लेकर अफसरों ने मीटर में गड़बड़ी की आशंका जाहिर किया है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

अस्पताल में निजी कंपनी को बेड शीट धुलाई का ठेका मिला है। निजी कंपनी ने अपनी मशीन अस्पताल में स्थापित कर रखी है। करीब 10 बड़ी मशीन अस्पताल में लगी है। जिनके जरिए बेड शीट व कंबल, एप्रेन समेत अन्य कपड़ों की धुलाई की जाती है। एक अनुमान के मुताबिक, हर दिन करीब एक हजार से अधिक की बेड शीट की धुलाई होती है। बड़ी मशीन चलने बाद भी हर दिन बिजली की खपत कम हो रही है। ऐसे में अस्पताल प्रशासन ने लॉन्ड्री में लगे मीटर रीडिंग की जांच कराई। दो दिन में महज 43 यूनिट की बिजली की खपत हुई। जबकि कंपनी के जरिये पहले हर दिन 80 यूनिट का भुगतान किया जाता था। अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। कंपनी के जरिये लगाए गए मीटर को हटाकर नया मीटर स्थापित किए जाने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवाशीष शुक्ला के मुताबिक, मामले की जांच कराई जा रही है। जांच में आरोप सही मिले तो कंपनी पर जुर्माना लगाए जाने की संस्तुति होगी।

सिटी ब्रीफ

घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट, अभद्रता

अमृत विचार, आलमबाग : आनंदनगर की रहने वाली सुमन सिंह के मुताबिक गौरव सिंह 26 सितंबर की रात करीब 11 बजे उनके घर में घुस आया। उसने उनके और देवरानी के साथ अन्य महिलाओं को गालियां दी। विरोध करने पर मारपीट और अभद्रता की। धमकी दी कि मकान खाली कर दो नहीं तो हत्या कर दूंगा। गौरव मोबाइल पर भी कई दिनों से धमकी दे रहा था। सुमन ने यूपी-112 पर कॉल किया। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी धमकी देते हुए भाग निकला। सुमन की तहरीर पर आलमबाग थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज के मुताबिक आरोपी की तलाश की जा रही है।

उधार लिया और दर्ज करा दी ऑनलाइन शिकायत

अमृत विचार, काकोरी : शारदानगर रजनीखंड निवासी आशीष द्विवेदी ने पारा थाने में जालसाजी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आशीष के मुताबिक 12 अगस्त को मीनू उनके पास पहुंची। कहा कि घर की कुर्की हो जाएगी। कुछ रुपये का इंतजाम कर दीजिए। उनके बताए गए बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते में 128000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। एक सप्ताह बाद वापस करने को कहा। इसके बाद न तो कॉल उठा रही थी। न ही रुपये वापस करने की बात करती। उलटे उनके खिलाफ ऑन लाइन शिकायत कर दी कि डेढ़ लाख रुपये ले लिया है। पीड़ित ने पारा थाने में शिकायत की। पुलिस ने जांच में आरोप सही पाया। इसके बाद एफआईआर दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रहे हैं।

ऑटो रिक्शा चालक डीसीपी यातायात से मिले

अमृत विचार, लखनऊ : टैम्पो टैक्सी और ऑटोरिक्शा संयुक्त मोर्चा लखनऊ के प्रतिनिधिमंडल ने आज डीसीपी यातायात से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में यातायात जाम की गंभीर समस्या को देखते हुए ई-ऑटो और ई-टैम्पो की संख्या पर नियंत्रण की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि लखनऊ की वर्तमान जनसंख्या और सड़कों की क्षमता के अनुसार ही इन वाहनों की संख्या तय की जाए, ताकि यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके। इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष पंकज दीक्षित, महामंत्री राजेश राज समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। डीसीपी ने समस्या पर विचार करने का आश्वासन दिया।

पिलर से टकराई कार, युवक घायल

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर के शेखपुर कसैला निवासी कौस्तुभ शनिवार देर रात अपनी कार से हजरतगंज से आईटी चौराहे की तरफ जा रहे थे। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के पास पहुंचे थे तभी कार अनियंत्रित होकर मेट्रो स्टेशन के पिलर से टकरा गई। कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कौस्तुभ चोटिल हो गए। कार की चपेट में आकर वहां से गुजर रहे हरदोई निवासी श्याम को भी चोटें आईं। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दोनों घायलों को ट्रामा सेंटर भेजवाया। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है। इंस्पेक्टर हसनगंज के मुताबिक कौस्तुभ के पिता रवि प्रकाश प्रिंटिंग प्रेस चलाते हैं। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोमती नदी में डूबा युवक, तलाश जारी

अमृत विचार, लखनऊ : बीकेटी के कुम्हरावां निवासी मो. मुस्तफा (25) गोमती नदी में नहाते समय डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाश की लेकिन सफल नहीं हुए। एसडीआरएफ से मदद मांगी गई। देर शाम को अंधेरा होने के बाद सर्च अभियान रोका गया है। मुस्तफा का कोई पता नहीं चला है। इंस्पेक्टर हसनगंज के मुताबिक पूछताछ में सामने आया है कि मुस्तफा को मिर्गी की बीमारी भी थी। मंगलवार सुबह फिर तलाश की जाएगी।

बाइक सवार बदमाशों ने लूटी चेन

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर के विकास खंड में बाइक सवार लुटेरे एक राहगीर की चेन लूटकर भाग गए। पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। विशाल खंड निवासी हीरा लाल यादव के मुताबिक शनिवार को पारिवारिक सदस्य को लेने के लिए पैदल ही गीता वस्त्रालय गए थे। वहां से रात नौ बजे वापस जाते समय विकास खंड के कोचिंग कैफे के पास बाइक से पहुंचे दो लुटेरे आ गए। बदमाशों ने हीरालाल यादव के गले पर झपट्टा मार कर उनकी सोने की चेन लूट ली और मेयो हास्पिटल की ओर भाग निकले। इस दौरान पीड़ित ने शोर मचाते हुए बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकले। इंस्पेक्टर के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार
अवध बाज़ार

अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

रामकथा में हुआ सीता राम विवाह का वर्णन

अमृत विचार, लखनऊ : आशियाना के सेक्टर एम में चल रहे प्रति महोत्सव में चल रही रामकथा के छठे दिन राम के जीवन के सबसे पावन प्रसंगों में से एक धनुष यज्ञ और सीता–राम विवाह का भावपूर्ण वर्णन हुआ। अयोध्या से आये कथा व्यास स्वामी प्रद्युम्न प्रियाचार्य ने कहा कि राम और सीता का विवाह केवल एक दैवीय मिलन ही नहीं, बल्कि प्रेम, मर्यादा और आदर्श गृहस्थ जीवन की नींव है। इस अवसर पर प्रस्तुत भजन व संगीतमय प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को आनंदमय और भक्ति–रस से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सिंह, उपाध्यक्ष एनबी सिंह और प्रियापाल की मौजूदगी उल्लेखनीय रही।

भारतीय इन्फेंट्री को देंगे नया रूप

अमृत विचार, लखनऊ : छावनी स्थित मध्य कमान मुख्यालय में सोमवार को फील्ड मार्शल कैम्प करियप्पा स्मृति में संगोष्ठी आयोजित हुई। 'समकालीन और भविष्य के युद्धों के लिए इन्फेंट्री सैनिकों का आधुनिकीकरण' विषय पर चर्चा की गई। सेमिनार का उद्घाटन महानिदेशक इन्फेंट्री लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार ने किया, जिन्होंने इन्फेंट्री के आधुनिकीकरण के लिए सेना के संस्थागत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। मध्य कमान के जीओसी–इन–सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद सेनगुप्ता ने इन्फेंट्री का आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

अधिकारों के प्रति जागरूक हो महिलाएं

अमृत विचार, लखनऊ : कल्याण सिंह संस्थान में महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अथिति मौजूद राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों को जानना चाहिए। उन्होंने महिलाओं के हित में चली जा रहे योजनाओं की जानकारी साझा की। हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया, कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट और सामाजिक कार्यकर्ता शालिनी माथुर प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व नवरात्र

अमृत विचार, लखनऊ : नन्हे–मुन्ने बच्चों को अपनी भारतीय संस्कृति, परम्पराओं और अपने त्यौहारों से परिचित कराने के लिये सेंट जोसेफ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजाजीपुरम, सीतापुर रोड, रुचिखण्ड आदि सभी शाखाओं में नवरात्र व दशहरा पर्व को धूमधाम से मनाया गया। साथ ही महात्मा गांधी के साथ लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भी मनाई गयी। शिक्षकों व शिक्षिकाओं ने राम लीला के पात्रों को मंच पर जीवंत किया। जिसमें प्रभु राम ने युद्ध के पूर्व नवरात्र की नौ देवियों की पूजा कर शक्ति की उपासना की। दशहरा पर्व पर विद्यालय समूह की संस्थापक– अध्यक्ष पुष्पलता अग्रवाल ने कहा कि हमारे पर्व व त्योहार बच्चों को सदैव अच्छी शिक्षा देते हैं।

फिल्म दास्तान का हुआ प्रीमियर शो

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के पीवीआर साहू में सोमवार को विपिन अग्निहोत्री की फिल्म दास्तान का प्रीमियर शो का आयोजन किया गया। इस फिल्म में समाज में व्याप्त जातिवाद, भाई भतीजावाद और भ्रष्टाचार पर करारा कटाक्ष किया गया। विपिन अग्निहोत्री ने कहा कि दास्तान सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि यह मेरे दिल का एक टुकड़ा है। हमें उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी से गहराई से जुड़ेंगे। विपिन अग्निहोत्री फिल्म्स के बैनर तले निर्मित यह फिल्म अक्टूबर के मध्य में देश भर में रिलीज होगी। उसके तुरंत बाद प्रमुख वैश्विक बाजारों में अंतरराष्ट्रीय स्क्रीनिंग की जाएगी। फिल्म में प्रेरणा अग्रवाल, अतुल सक्सेना, ऋषभ सिंह और प्रांजल शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई है। प्रीमियर के समय फिल्म के कलाकार भी मौजूद रहे।

श्रमिकों की समस्याओं का किया समाधान

अमृत विचार, लखनऊ : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर से निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम का आयोजन ऐशबाग एवरेडी स्थित कार्यालय पर हुआ, जहां निजी संगठित व असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों, कर्मचारियों, पेंशनरों व नियोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के संबंध में भी जागरूकता अभियान चला। इस सरकारी योजना के तहत ईपीएफओ से आच्छादित प्रतिष्ठानों में अतिरिक्त रोजगार सृजन करने वाले नियोक्ताओं को प्रोत्साहन दिया जाता है। इस मौके पर प्रवर्तन अधिकारी हर्षित पाठक, सामाजिक सुरक्षा सहायक अर्पण गुप्ता, डाटा एंट्री ऑपरेटर सात्विक, सिविल अस्पताल से जावेद आदि रहे।

विद्यान्त कालेज परिसर में सजा पूजा पंडाल। शहीद पथ के किनारे स्थित पृथक पारिवारिक आवास में मां दुर्गा के पंडाल में मौजूद महिलाएं। गोमतीनगर का विवेकानंद पूजा पंडाल। फोटो : राजकुमार वाजपेयी व शुभंकर चक्रवर्ती।

सीता को तलाशते हुए शबरी के आश्रम में पहुंचे राम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : ऐशबाग के एतिहासिक रामलीला मैदान में चल रहे रामोत्सव-2025 में सोमवार को राम अपनी पत्नी सीता को ढूंढते हुए शबरी के आश्रम में पहुंचते हैं। ऋषि मतंग से ज्ञान लेकर शबरी राम की प्रतीक्षा में बैठी है। शबरी अपने चखे हुए मीठे बेर राम को खिलाती है। शबरी राम को हनुमान और सुग्रीव से मुलाक़ात का सुझाव देती है। शबरी की भक्ति से प्रसन्न राम उसे मोक्ष प्रदान कर आगे बढ़ जाते हैं।

राम हनुमान से मुलाकात कर सुग्रीव से मिलने की इच्छा जताते हैं। सुग्रीव को उसके भाई बाली ने धोखे से राज्य और पत्नी से बेदखल कर दिया था। सुग्रीव से मुलाकात में राम उन्हें अपना मित्र बताकर मदद की घोषणा करते हैं। राम बाली का वध करते हैं और सुग्रीव राम की शरण में आ जाते हैं।

● इंदिरा नगर के बी ब्लॉक में सजा दुर्गा मां का पंडाल।

विद्यान्त कॉलेज परिसर में पंडाल में मां के दरबार के समक्ष रखे गए कलश।

भगवान श्रीराम को बेर खिलाती शबरी।

नृत्य नाटिका में राम जन्म से रावण वध तक की कथा

कथक नृत्यांगना आकांक्षा श्रीवास्तव के निर्देशन में कथक नृत्य नाटिका रामायण में राम जन्म से रावण वध तक की संपूर्ण कथा को कथक नृत्य के जरिये प्रस्तुत किया गया। इसमें अनीश रावत, प्रखर मिश्रा, अपर्णा शुक्ला, सिमरन कश्यप, आरोही चौधरी, अंशिका कटारिया, सपना सिंह, वैष्णवी सक्सेना, आदित्य गुप्ता, विकास अवस्थी एवं डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव ने उल्लेखनीय भूमिकाएं अदा कीं। रामलीला समिति के अध्यक्ष हरिशचन्द्र अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार को अशोक वाटिका में सीता और रावण संवाद से लेकर लंका दहन तक की कथा का मंचन किया जाएगा।

पंचवटी दृश्य देख भाव विभोर हुए दर्शक

सेक्टर ए सीतापुर रोड योजना कालोनी में चल रही रामलीला में सुन्दर नृत्य एवं भाव भंगिमाओं से सूर्पनखा राम को आकर्षित करने का प्रयास करती है लेकिन राम उससे लक्ष्मण के पास जाने को कहते हैं। सूर्पनखा लक्ष्मण के पास जाती है, किन्तु लक्ष्मण सूर्पनखा से कहते हैं कि वह उसके जाल में फंसने वाले नहीं हैं और उसकी उद्दण्डता को देखते हुए सूर्पणखा की नाक काट लेते हैं। रामलीला के तीसरे दिन सोमवार को शंकर जी की आरती से मंचन की शुरुआत हुई। कलाकारों ने केवट राम संवाद, भरत मिलाप, पंचवटी दृश्य, खरदूषण वध, सीताहरण, जटायु मरण के दृश्य का बखूबी मंचन किया। पंचवटी दृश्य का मंचन देख दर्शक भाव विभोर हो गये। वहीं जब इस बात की जानकारी रावण को होती है तो वह क्रोध में आकर सीता का हरण कर लेता है। सीता हरण से राम क्षुब्ध हो जाते हैं और विलाप करते हैं। तभी राम की मित्रता हनुमान से होती है।

महानगर रामलीला में सीता हरण का हुआ मंचन

रामलीला समिति महानगर की ओर से चल रहे रामलीला महोत्सव के चौथे दिन राम, लक्ष्मण और सीता के वन गमन के बाद चित्रकूट पहुंचते हैं और इधर अयोध्या में भरत और शत्रुघ्न अपनी ननिहाल से अयोध्या पहुंचते हैं। जब भरत को पता चलता है कि उनकी मां कैकई के कारण उनके बड़े भाई राम, भाभी सीता और भाई लक्ष्मण को वनवास जाना पड़ा और उनके वियोग में उनके पिता का देहांत हो गया तो वह माता से कहते हैं कि तेरे मन में ऐसी कुमति बसी क्यों राम को वन दीन्हां। कैकेयी कहती है कि हे पुत्र अब शोक का त्याग करो और राजकाज संभालो। यह सुनकर भरत कहते हैं कि यह बड़ो अनरथ कीन्ह मेरी माता, बिना रघुनाथ के देखे, नहीं दिल को करारी है। वह अपने भाई और भाभी लेने वन को चल देते हैं। वन में गुरु वशिष्ठ के साथ परिजनों को देखकर रामचंद्र, लक्ष्मण, और सीता आश्चर्य चकित होते हैं।

वशिष्ठ बताते हैं कि तुम्हारे विरह के दुःख में राजा का स्वर्गवास हो गया है। खबर सुनकर राम व्याकुल हो जाते हैं, फिर भरत उनसे वापस अयोध्या लौटने की जिद करते हैं, और कहते हैं कि आपकी जगह मैं 14 वर्ष तक वनवास में रहूंगा लेकिन उनके आग्रह को रामचंद्र जी अस्वीकार कर देते हैं और उनसे वापस अयोध्या लौटने के लिए कहते हैं तब भरत जी उन से कहते हैं कि आप अपनी चरण पादुका मुझे दे दे मैं उन्हें राजगद्दी में रखकर राजकाज का संचालन करूंगा।

वन में घूमते हुए रावण की बहन राम लक्ष्मण को देखकर कहती है कि धिक्कार है मेरे भाई रावण को जो ऐसे किशोरों के होते हुए मुझे अब तक कुंवारी रहने दिया। सूर्पणखा राम और लक्ष्मण से प्रणय निवेदन करती है। दोनों उसकी बात नहीं मानते तो वह अपने असली रूप में आ जाती है। क्रोधित लक्ष्मण उसकी नाक काट देते हैं। सूर्पनखा अपने भाई खर और दूषण के पास जाती है। फिर सूर्पनखा रोते और बिलखते हुए अपने भाई रावण के पास जाती है और रावण अपने मामा मारीच को मृग के रूप में भेजता है, जिसे देखकर सीता प्रसन्न हो जाती हैं। राम मारीच को मार देते हैं तो रावण सीता का हरण कर ले जाता है।

रामलीला में यशी लोहुमी, फाल्गुनी लोहुमी, अनुराधा मिश्रा, प्रतिष्ठा शर्मा, यशी शर्मा, आशा रावत, राधिका बोरा, हरीश उपाध्याय, हारशिला पांडे, पंकज त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, भास्कर जोशी, कमल पंत और हरीश लोहुमी ने अभिनय किया।

नवरात्र : महाअष्टमी आज, महानवमी और कन्या पूजन कल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ। अमृत विचार : मंगलवार 30 सितम्बर को महाअष्टमी है। इस शुभ तिथि पर मां गौरी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही अष्टमी का व्रत रखा जाता है। पहली अक्टूबर को महानवमी पर मां सिद्धिदात्री की पूजा होगी। इस बार अष्टमी तिथि की शुरुआत 29 सितम्बर को सांयकाल 4 :31 पर होगी। तिथि का समापन 30 सितम्बर को सांयकाल 6 :06 पर होगा। उदया तिथि के अनुसार महाअष्टमी 30 सितम्बर को मान्य होगी। इसके बाद महानवमी तिथि का आरंभ होगा और यह पहली अक्तूबर को सांयकाल में 7 :02 मिनट तक रहेगी। ऐसे में महानवमी पहली अक्तूबर को मनाई जाएगी। 2 अक्टूबर को विजय दशमी पर्व मनाया जायेगा। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि 2 वर्ष की कन्या को मां कुंआरी का स्वरूप माना जाता है। इसकी पूजा करने से घर में दुख दरिद्रता दूर होती है। 3 वर्ष की कन्या त्रिमूर्ति का रूप होती है।

सेना अधिकारियों के परिवार ने भी सजाया है मां दुर्गा का पंडाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ। नवरात्र की धूम राजधानी के हर क्षेत्र में देखने को मिल रही है। विभिन्न स्थानों पर लगे पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए लोगों का हुजूम उमड़ रहा है। गोमती नगर विस्तार में भी नवरात्र की धूम है। शहीद पथ के किनारे स्थित पृथक पारिवारिक आवास में भी नवरात्र धूमधाम से मनाई जा रही है। पंडाल में माता की मूर्ति स्थापना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा हैं। इस सोसाइटी में सिर्फ सेना के लोग रहते हैं। खास बात यह है कि यहां भारत के हर राज्य के लोग रहते हैं, इसीलिए यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में हर राज्य की झलक देखने को मिल रही है। यहां हर साल शारदीय नवरात्र में पूरे 9 दिन पूजा पाठ के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस बार भी चतुर्थ वाहिनी के कमांडेंट अरविंद आनंद की देखरेख में आयोजन चल रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कमांडेंट नीतू आनंद, पुष्पा, मनीषा, प्रीति, रेखा, सुमन, प्रियंका, शारदा देवी और संगीता का विशेष योगदान हैं।

सेल्फी का क्रेज।

अपने हुनर से बच्ची जीत रही लोगों का दिल

हैरतअंगेज करतब दिखाकर जान जोखिम में डालकर पाल रही परिवार का पेट

अरुण सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : नवरात्र में जहां देवी मां घर-घर पूजी जा रही हैं, मंदिरों में आरती उतारी जा रही, पंडालों में दुर्गा मां का गुणगान किया जा रहा है। वहीं सड़क पर आठ साल की मासूम मुन्नी अपने हुनर से लोगों का दिल जीत रही है।

मुन्नी का करतब देखने वाले राहगीर कहते हैं कि इस उम्र में जहां बच्चे हाथों में पेंसिल व किताबें लेकर स्कूल पहुंचते हैं और जीवन में शिक्षा ग्रहण की शुरुआत करते हैं। वहीं गरीबी में पली यह बच्ची अपने हुनर से अपना ही नहीं, अपने परिवार का भी भरण पोषण कर उनका जीवन यापन कर रही हैं। जिस उम्र में बच्चे जमीन पर चलने में लड़खड़ा जाते हैं, उस उम्र में पेट की आग बुझाने के लिए मुन्नी बिना डरे, बिना थके रस्सी पर चलकर लोगों को तमाशा दिखा रही है।

सप्रू मार्ग पर सुबह लगभग 11 बजे चंद रुपयों के लिए अपनी मां व दादी के साथ 'मुन्नी' रस्सी पर चलकर लोगों का मनोरंजन कर रही है। बच्ची की सुरक्षा की खातिर उसकी दादी रस्सी के नीचे बच्ची के साथ साथ चलती रहती है ताकि अचानक यदि बच्ची का संतुलन बिगड़ जाये तो वह उसकी जान बचा सके। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकार की बहु प्रचारित योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'पढ़े बेटियां बढ़े बेटियां' के स्लोगन में इस तरह के बच्चे कहां फिट हो पाते हैं। जब इनके खाने पीने रहने और सुरक्षा की गारंटी होगी तभी इस तरह की बेटियां स्कूल जा पायेंगी।

रस्सी पर चलती मुन्नी, साथ में उसकी दादी। अमृत विचार

● जिस उम्र में बच्चे जमीन पर चलने में लड़खड़ा जाते हैं, उस उम्र में पेट की आग बुझाने के लिए मुन्नी बिना डरे कर रही खतरनाक स्टंट

आठ साल की मासूम मुन्नी।

कथक संध्या में किया शानदार नृत्य

कथक की प्रस्तुति देतीं प्रतिभागी। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से सोमवार को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में कथक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की निदेशक डॉ. कुमकुम धर, विषेश सचिव संस्कृति संजय कुमार सिंह और राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

कथक संध्या के तहत आज की प्रस्तुति शताक्षी मिश्रा एवं साथी कलाकारों के नाम रही। शताक्षी मिश्रा लखनऊ घराने की प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना हैं। उन्होंने डॉ. सुरभि शुक्ला से गुरु-शिष्य परंपरा के तहत कथक की बारीकियां सीखी हैं। ताज महोत्सव, रामोत्सव, रामायण कॉन्क्लेव, भारत नेपाल मैत्री महोत्सव जैसे महत्वपूर्ण मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां दी हैं।

प्रथम प्रस्तुति का शुभारम्भ मां दुर्गा को समर्पित शक्ति वंदना नवदुर्गा और दूसरी प्रस्तुति में कथक नृत्य की शास्त्रीय परम्परा का निर्वाहन करते हुए तीन ताल में उपज, थाट, आमद, परन-जुड़ी-आमद, लय-बांट, भ्रमरी का टुकड़ा, गोपुच्छा, श्रोतावहा, गत, चक्करदार टुकड़ा, तिहाई तथा आकर्षक जुगलबंदी प्रस्तुत की।

अन्तिम प्रस्तुति मधुराधि-मधुरम के अन्तर्गत कृष्ण की भक्ति के तीन विविध आयामों रंग रसिया, मीरा की भक्ति तथा मां यशोदा द्वारा कृष्ण के प्रति भक्ति व वात्सल्य रस को कथक नृत्य के अनूठे रंगों से सजा कर प्रस्तुत किया गया।

डॉ. सुरभि शुक्ला के निर्देशन में शताक्षी मिश्रा, समृद्धि मिश्रा और विधि जोशी ने कथक नृत्य प्रस्तुत किया। इस नृत्य में तबले पर राजीव शुक्ला, हारमोनियम पर कमलाकान्त और बांसुरी पर दीपेन्द्र कुंवर ने संगत की।

भारत की प्रगति का मार्ग भी राजभाषा से ही प्रशस्त होगा: भावना

अमृत विचार, लखनऊ : रक्षा सम्पदा मध्य कमान प्रधान निदेशालय में सोमवार को हिन्दी पखवारा समापन समारोह का आयोजन किया गया। राजभाषा हिन्दी पखवारा कार्यक्रम की अध्यक्षता रक्षा सम्पदा मध्य कमान की प्रधान निदेशक भावना सिंह ने की। इस अवसर पर निदेशालय के अधिकारीगण ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। प्रधान निदेशक ने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारी हिन्दी भाषा कश्मीर से कन्या कुमारी एवं द्वारिका से तवांग तक समझी जाती है। रूस, जर्मनी, एवं जापान जैसे देशों ने अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता दी है। ठीक उसी प्रकार भारत की प्रगति का मार्ग भी राजभाषा से प्रशस्त होगा। साहित्य जगत के गणमान्य विशिष्ट अतिथियों में श्री सर्वेश अस्थाना, मुकुल महान, योगी योगेश शुक्ल एवं कमल आग्नेय द्वारा काव्य-पाठ प्रस्तुत किया गया।

सिटी डायरी

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

सेवा पखवारा में दिव्यांगजन को वितरित किए गए उपकरण

अमृत विचार, लखनऊ : सेवा पखवारा के अंतर्गत सोमवार को स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालक इंटर कॉलेज मोहान रोड पर दिव्यांग उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 200 छात्र–छात्राओं एवं दिव्यांगजन लाभार्थियों को राज्य सभा सांसद संजय सेठ, भाजपा नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने स्मार्ट केन, ब्रेल किट, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल आदि वितरित किए। इस मौके पर स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालक इंटर कॉलेज मोहान रोड में आयोजित कार्यक्रम में अंजनी श्रीवास्तव, राम अवतार कनौजिया, प्रवीण गर्ग, सत्येंद्र सिंह, अखिलेश सिंह, उपनिदेशक, दिव्यांगजन विभाग, लखनऊ मंडल एवं शशांक सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी। अमृत विचार

संजय अध्यक्ष व ज्ञान प्रकाश बने महामंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन उप्र. का चुनाव स्वास्थ्य भवन महानिदेशालय में संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष पद पर संजय कुमार अपने प्रतिद्वंदी जितेंद्र नाथ गुप्ता से एक मत से विजयी घोषित हुए, जबकि महामंत्री ज्ञान प्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सोमेश श्रीवास्तव को 62 वोट के अंतर से करारी शिकस्त देकर विजय प्राप्त की। इसके अलावा एसोसिएशन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष लोकेश यादव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष तरुण यादव चुने गए। वहीं, कोषाध्यक्ष पद पर मनोज यादव, वरिष्ठ संयुक्त मंत्री अमित चौधरी, कनिष्ठ संयुक्त मंत्री नीरज वर्मा, संगठन मंत्री सागर श्रीवास्तव, ऑडिटर विवेक श्रीवास्तव, सांस्कृतिक एवं प्रचार मंत्री धीरेंद्र सिंह निर्विरोध चुने गए।

पांडे टोला में वृद्ध सफाईकर्मियों को सम्मानित करतीं रोमा।

वृद्ध सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : वृद्धजन सम्मान समारोह के चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे दिन सोमवार को डांडिया स्थित पांडे टोला में जगदंबा योग फेडरेशन सोसाइटी की अध्यक्ष रोमा हेमवानी ने घर–घर जाकर सफाईकर्मी समाज के वृद्धजनों को सम्मानित किया। कहा कि वह कुमकुम राय की पहल को आगे ले जा रही हैं। मकसद समाज में उनके प्रति आदर की भावनाएं जागृत हों और उनकी जीवनभर की उपयोगिता को स्वीकार एवं सराहा जा सके। 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस तक सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

मौलाना यासूब अब्बास से मिलने पहुंचे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ।

यासूब अब्बास को देखने गए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

अमृत विचार , लखनऊ : शिया धर्म गुरु मौलाना डॉ. यासूब अब्बास के अस्वस्थ्य होने का समाचार सुनकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को मंसूर नगर स्थित उनके आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाक़ात की। ब्रजेश पाठक ने मौलाना यासूब अब्बास की कुशल क्षेम जानी और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सिटी ब्रीफ

माई भारत आउटरीच अवेयरनेस का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के उपलक्ष्य में 'माई भारत' आउटरीच अवेयरनेस प्रोग्राम एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने कुलपति का पुष्प देकर स्वागत किया गया। इसके बाद, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. करुणा शंकर कनौजिया ने सभी का स्वागत किया। कुलपति ने स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया जिन्होंने एनएसएसमें दो वर्ष पूर्ण कर लिए।

गांधी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस में आज गांधी जयंती व संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों व विचारों जैसे सत्य, अहिंसा और सर्वोदय पर जोर देते हुए गांधीवादी मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि व प्रख्यात लेखक व मैनेजमेन्ट गुरू गुरचरण दास ने 'मेकिंग ए लाइफ' विषय पर संबोधन देते हुए कहा कि भावी पीढ़ी की जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित करने वाली उदार शिक्षा पद्धति वर्तमान समय की आवश्यकता है। अहिंसा मार्च मे 3,000 शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

फिर रद्द हुई 15 व 16 को होने वाली पीजीटी परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में प्रवक्ता पदों के लिए 15 और 16 अक्टूबर को होने वाली पीजीटी परीक्षा अपरिहार्य कारणों से टाल दी गई है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने यह जानकारी दी। परीक्षा कब होगी, इसकी अभी कोई घोषणा नहीं की है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 3539 पदों व प्रवक्ता (पीजीटी) के 624 पदों पर भर्ती के लिए कई बार परीक्षा स्थगित हो चुकी है।।

पीएचडी प्रवेश के लिए हुई बैठक

अमृत विचार, लखनऊ : नेशनल पीजी कॉलेज में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेन्डा लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय को आटोनामस स्टेटस के अन्तर्गत पीएचडी में भी एडमिशन की अनुमति प्रदान की गई थी। इस अनुमति के क्रम में अर्ह विभागों के नाम बीओएस की बैठक में कार्यकम कोर्स वर्क से सम्बंधित पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत कर उसकी स्वीकृत किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी रिक्त सीटों पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति के अनुसार ही प्रवेश दिया जाएगा।

सेवानिवृत्त के बाद भी जमे हैं परीक्षा नियंत्रक

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के परीक्षा नियंत्रक को लेकर छात्रों का असंतोष उभरने लगा है। छात्रों का आरोप है कि कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी वह पद पर बने हुए हैं। इसे लेकर प्रतियोगी छात्रों ने मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी है और जांच कर कार्रवाई की मांग की है। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह को 1997 में जिला सेवा योजन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया था। इसके बाद 2 सितंबर 2019 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया गया था। कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी वह परीक्षा नियंत्रक बने हुए हैं। जिसकी जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

फुटबॉल टीम के चयन ट्रायल 6 अक्टूबर से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के देखरेख में 10 अक्टूबर से अयोध्या स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लखनऊ फुटबॉल टीम के गठन हेतु चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। लखनऊ फुटबॉल संघ के सचिव कन्हैया लाल के ने बताया कि चयन ट्रायल 6 अक्टूबर से चौक स्टेडियम में शुरू होंगे। पहले जिला स्तरीय ट्रायल कराए जाएंगे, जिसके बाद 7 अक्टूबर को मंडल स्तरीय ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। केवल जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ी ही मंडल स्तर के ट्रायल में भाग ले सकेंगे। इच्छुक खिलाड़ियों को सीआरएस सेंट्रल रजिस्ट्रेशन सिस्टम में पंजीकरण कराकर अपने साथ अनिवार्य रूप से लाना होगा।

सड़क बनी न कमरा, भुगतान हो गया 83 लाख

लखनऊ विवि न्यू कैंपस में विद्युत उपकेंद्र से फार्मेसी विभाग तक केबल बिछाने में अनिमितता का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में आर्थिक घपले एक और मामला सामने आया है। जानकीपुरम स्थित दूसरे कैंपस में विद्युत उपकेन्द्र से फार्मेसी संस्थान तक केबिल लेइंग और ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य में जुड़ी निविदा में वित्तीय अनियमितता और गबन की शिकायत हुई है। छात्र नेता कार्तिक पांडेय और दुर्गा सिंह ने कुलपति, कुलसचिव, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री से लिखित शिकायत कर कुल 83,84,785 रुपये के गबन का गंभीर आरोप लगाया है। जिस पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है।

छात्र नेता का आरोप है कि निविदा संख्या 14/ई/जे.ई./2025 में एलटी, एचटी केबिल लेइंग और 400 स्क्वायर एम.एम. 3-1/2 कोर एक मीटर केबिल को उप्र. लोक निर्माण विभाग की ओर से तय दरों और बाजार मूल्यों से ज्यादा दिखाया गया है। साथ ही इसी निविदा में बिटुमिन यानी डामर रोड व सीसी रोड बनाने और एक कमरा बनाने का भी कार्य था। आरोप है कि सड़क व कमरा दोनों नहीं बने हैं। इसके बावजूद भुगतान कर दिया गया है।

छात्र नेता कार्तिक पांडेय व दुर्गा सिंह ने आरोप लगाया है कि इसके लिए कार्य अधीक्षक और अवर अभियन्ता विद्युत दोनों जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि निविदा के केवल चार मदों में 71,05,750 रुपये और 18 प्रतिशत जीएसटी समेत कुल 83,84,785 रुपये का गबन किया गया है। उनका कहना है कि यह वित्तीय अनियमितता प्रथम दृष्ट्या दरों के अवलोकन और दृश्य कार्यो की पुष्टि के आधार पर दिखाई पड़ रहा है। जिसके और अधिक बढ़ने की प्रबल संभावना है। छात्र नेताओं ने मांग किया है कि दोनों को जल्द पद से हटाकर उच्चस्तरीय जांच की जाए।

- **छात्र कार्तिक पांडेय ने कुलपति, कुलसचिव, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री से की शिकायत**
- **कार्य अधीक्षक और अवर अभियन्ता विद्युत को पद से हटाकर उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई**

निर्माण विभाग के कार्य अधीक्षक और अवर अभियंता विद्युत के खिलाफ वित्तीय अनियमितता और गबन का शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। जांच की जा रही है।

-प्रो. मुकुल श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय

शिकायत में लगाए गए प्रमुख आरोप

- निविदा संख्या 14/ई/जे.ई./2025 के बिन्दु छह में पर 1305 मीटर लम्बाई में 3सी गुणे 240.00 स्क्वायर एमएम एच.टी. केबिल लेइंग कार्य की दरें 4484 रुपये प्रति मीटर है। आरोप है कि बाजार में इस क्षमता के केबिल की आपूर्ति दर अधिकतम 1250 रुपये प्रति मीटर है। छात्र नेता ने बताया कि यदि दर में केबिल डालने सहित ऊपरी खर्च जोड़ भी लिया जाए तो यह दर 2800 रुपये प्रति मीटर से ज्यादा नहीं होगा। इस मद में ही दर वृद्धि करते हुए 21,97,620 रुपये के गबन का आरोप लगाया।
- निविदा के बिन्दु संख्या नौ पर एल.टी. केबिल लेइंग कार्य और 400 स्क्वायर एम.एम. 3-1/2 कोर एक मीटर केबिल की दरें 4424.00 रुपये प्रति मीटर है। आरोप है कि वर्ष 2024 में उप्र. लोक निर्माण विभाग की विद्युत दर अनुसूची के अनुसार यह दर 2861.16 रुपये प्रति मीटर है। 1410.00 मीटर लम्बाई में एल.टी. केबिल लेइंग के कार्य में ही 1562.84 रुपये प्रति मीटर की दर से 22,03,604.40 रुपये के गबन का आरोप लगाया गया।

लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे से ज्यादा रखी कीमतें

- छात्र नेता कार्तिक पांडेय, दुर्गा सिंह ने बताया कि निविदा के बिन्दु संख्या 14 के भाग एक में बिटुमिन रोड (डामर रोड) व भाग दो में सीसी रोड बनाए जाने के मद में क्रमशः 3,90,150.00 व 4,36,500 रुपये की धनराशि ली गई है। भौतिक सत्यापन में यह कार्य भी सम्पादित नहीं है और इस मद में प्राविधान कुल 8,26,650 रुपये का गबन हुआ है।

200 वर्ग फीट का कमरा 18 लाख में

- निविदा के बिन्दु 13 पर 200 वर्ग फिट का एक कमरा बनाने के लिए 18,77,876.34 रुपये की धनराशि ली गई है। यह कार्य पूर्ण हो चुका है और इसका भुगतान भी हो गया है। जबकि न्यू कैंपस में इस तरह का कोई कमरा नहीं बना है और 18.77.876.34 रुपये का गबन कर लिया गया है।

भातखंडे संस्कृति विवि ने किया पढ़ें कार्यक्रम का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की और से मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत हो रही गतिविधियों की श्रृंखला में एक विशेष शैक्षिक सत्र पढें कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ।

पढ़ें कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में पुस्तक पढ़ने की अधिकाधिक रुचि पैदा करना, स्वाध्याय की आदत को विकसित करना, अध्ययन के प्रति गंभीरता और रुचि को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भरता और आत्मविकास को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को उनकी अभिरुचि के अनुसार पुस्तकों के चयन की स्वतंत्रता दी गई। जिससे वे अपने रुचिकर विषयों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शांत वातावरण में चयनित पुस्तकों का अध्ययन किया तथा अपने अनुभव भी साझा किए।

यह आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षक नमन सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्वविवेक और आत्म-प्रेरणा के माध्यम से अध्ययन की महत्ता को समझा। यह कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा की उस व्यापक सोच का हिस्सा है जिसका उद्देश्य समाज के वंचित एवं जरूरतमंद समुदायों के प्रति जागरूकता, सेवा भाव एवं मानवीय मूल्यों को सशक्त करना है। इस पहल के माध्यम से न केवल जनसेवा को बढ़ावा दिया जा रहा है, बल्कि शैक्षिक संस्थानों की सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ किया जा रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने कहा कि सेवा पखवाड़ा जैसे आयोजन विद्यार्थियों को समाज के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक बनाते हैं।

सीतापुर बेल्ट कांड की हो उच्च स्तरीय जांच

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के शिक्षकों ने ऑनलाइन बैठक में एकमत में सीतापुर प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने कहा कि सीतापुर कांड बहुत ही निराशाजनक है। शिक्षक पर एक तरफा कार्रवाई उचित नहीं है। शिक्षक के ऑफिस में पहुंचने से लेकर ऑफिस के बाहर निकलने तक का सीसीटीवी फुटेज सामने आना चाहिए साथ ही विभागीय अधिकारियों से इतर जांच की जानी चाहिए ताकि पारदर्शिता आ सके और जो दोषी हो उन पर कार्रवाई हो सके। टीईटी की अनिवार्यता के मुद्दे पर आंदोलन जारी रखने का फैसला हुआ। साथ ही न्यायालय की लड़ाई फिर से शुरु करने की घोषणा की गई।

आठ दशकों में दर्जनों उपलब्धियां आई सीएसआईआर के खाते में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनबीआरआई) ने अपना 84वां स्थापना दिवस मनाया। पिछले आठ दशकों में संस्थान ने अपने खाते में दर्जनों उपलब्धियों को जोड़ा है। संस्थान के निदेशक डॉ. एके शासनी ने कहा कि संस्थान की उपलब्धियों की खूशबू पूरे देश से फैल रही है। संस्थान की हालिया अनुसंधान एवं विकास उपलब्धियों जैसे भारत का पहला कमल उद्यान 'स्वास्तिक' के बारे में बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यदि संस्थान के वैज्ञानिक मिलकर काम करेंगे तो संस्थान नई ऊंचाइयों को छुएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके मित्तल ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रयास जारी हैं। हम सभी देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। हमें यह देखना होगा की प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रयोग करते हुए हम विकास की ओर बढ़े। हमें समावेशी विकास की आवश्यकता है जिसके अंतर्गत देश के प्रत्येक स्तर के नागरिक का योगदान देश की समृद्धि में हो तभी हम विकसित राष्ट्र की संकल्पना को साकार कर सकेंगे। इसमें कृषि क्षेत्र का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण रहेगा।

कर्मचारियों और किसानों को किया गया पुरस्कृत: इस अवसर पर सीएसआईआर में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले 3 कर्मचारियों और पिछले एक वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए 11 कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए। उन्होंने सीएसआईआर-एनबीआरआई कर्मचारियों के बच्चों के लिए इस अवसर पर आयोजित विज्ञान निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। प्रो. मित्तल ने एनबीआरआई की जैवउर्वरक प्रौद्योगिकी और सीएसआईआर पुष्पकृषि मिशन के लाभार्थी किसानों को भी सम्मानित किया।

पुष्प कृषि मेला भी लगा : सीएसआईआर-एनबीआरआई द्वारा पुष्प कृषि मेला का भी आयोजन किया गया। यह मेला सीएसआईआर फ्लोरीकल्चर मिशन के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश क्लस्टर के 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर किसानों को एक लाख से अधिक गेंदे के गुणवत्तापूर्ण पौधरोपण सामग्री का वितरण किया गया, जिससे वैज्ञानिक पुष्पकृषि को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे।

फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते बीबीएयू के कुलपति व संस्थान के निदेशक । अमृत विचार

- **सीएसआईआर का 84 वां स्थापना दिवस मनाया गया**

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' पर विमर्श

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में भगिनी निवेदिता महिला विकास प्रकोष्ठ की ओर से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' के तहत जागरूकता एवं परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। अपोलो अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ और किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय की पूर्व डीन अकेडमिक डॉ. विनीता दास ने 'ब्रेकिंग द साइलेंस लेट्स टॉक अबाउट वीमेंस हेल्थ' विषय पर अपने विचार व्यक्त किया। डॉ. विनिता ने सभी को जागरूक करते हुए सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर और बॉडी मास इंडेक्स से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कैंसर विज्ञान विभाग की प्रो. व हेड डॉ. निशा सिंह ने 'महिलाओं में कैंसर की जागरूकता और रोकथाम' विषय पर अपने विचार रखे।

अभ्युदय कक्षाओं का हुआ उद्घाटन

संवाददाता, चौक

अमृत विचार: चौक स्थित खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में वार्षिकोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमे अधिकतम अंक प्राप्त छात्राओं को मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा (सांसद,राज्य सभा) और असीम अरुण मंत्री (समाज कल्याण विभाग) द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के नवीन कक्ष का शिलान्यास और अभ्युदय कक्षाओं का भी उद्घाटन किया गया। विशिष्ट अतिथि समाज कल्याण के निदेशक कुमार प्रशान्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार और महाविद्यालय के प्रबंधक उत्कर्ष अग्रवाल छात्रा परिषद की अध्यक्ष कोमल जैन, उपाध्यक्ष नेहा लोधी, सचिव आकांक्षा अवस्थी, उपसचिव महक गुप्ता, रामबरन, अनुराग मिश्र, निरंजन शर्मा समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

फीता काटकर उद्घाटन करते पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा व राज्यमंत्री असीम अरुण।

इन्हें किया गया पुरस्कृत : अधिकतम अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं में बीए तृतीय वर्ष की सरिता साहू (प्रथम) निगार फातिमा (द्वितीय), बीए द्वितीय वर्ष अनुश्री वर्मा, बीए प्रथम वर्ष सुहानी राय, एमए प्रथम वर्ष कृति मौर्या, एमए द्वितीय वर्ष अंशिका मौर्य, बीकॉम प्रथम वर्ष जागृति, बीकॉम द्वितीय वर्ष फरहत सिरीन, बीएड द्वितीय वर्ष मनप्रीत कौर एवं कंचन शुक्ला, को पुरस्कृत किया गया।

व्हाइट ईगल पहुंचा सेमीफाइनल में

अमृत विचार, लखनऊ : ला मार्टीनियर फुटबॉल लीग में सोमवार को खेले गए तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में व्हाइट ईगल फुटबॉल क्लब ने रोमांचक टाईब्रेकर में रेड डेविल्स फुटबॉल क्लब को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। मुकाबला तय समय तक 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट के जरिए हुआ। ला मार्टीनियर पोलो ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच का पहला गोल 17 वें मिनट में व्हाइट ईगल के प्रभात ने किया। उन्होंने रेड डेविल्स की डिफेंस को छकाते हुए बेहतरीन फील्ड गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाने में कामयाब रहे। पहले हाफ में इसके बाद कोई और गोल नहीं हो सका।

सिटी डायरी

संगोष्ठी में नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार रखतीं वक्ता ।

स्वस्थ और सशक्त नारी है राष्ट्र की आधारशिला

अमृत विचार, लखनऊ : सीएसआईआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स (सीमैप) में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान पर आधारित व्याख्यान व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने किया और कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त राष्ट्र की पहचान है। इस अवसर पर आयोजित व्याख्यान सत्र में डॉ. अनीता सिंह ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. डी.एन. मणि ने औषधीय पौधे और महिला स्वास्थ्य विषय पर वक्तव्य देते हुए बताया कि आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधे महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन में किस प्रकार सहायक सिद्ध हो सकते हैं। डॉ. सुनीता सिंह धवन, डॉ. सुम्या पाठक, डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ. पंखुरी सिंह व शोधार्थी मौजूद रहे।

रस्सी कूद प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। अमृत विचार

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह में शामिल मुख्य अतिथि।

भाषा विवि में हुईं प्रतियोगिताएं

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में टीम भावना, शारीरिक स्फूर्ति और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करना है। सोमवार को पारंपरिक खेल रस्सीकूद (पुरुष एवं महिला वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पुरुष वर्ग में सुधाकर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। सनी श्रीवास्तव को रजत पदक प्राप्त हुआ, जबकि अश्विनी यादव कांस्य पदक से सम्मानित हुए। महिला वर्ग में नाजिश फातिमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्वेता यादव द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि अनुष्का ने तृतीय स्थान हासिल किया।

संगोष्ठी का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, अवध प्रांत और अलग दुनिया पत्रिका के संयुक्त देखरेख में हिंदी भाषा के प्रोत्साहन के लिए मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह इंदिरा नगर स्थित अलग दुनिया कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय हिंदी रंगकर्मी और अभिनेत्री डॉ. मृदुला भारद्वाज रहीं। समारोह की अध्यक्षता न्यास के अवध प्रांत संयोजक प्रमिल द्विवेदी ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ पत्रकार केके वत्स की ओर से किया गया। संगोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, संरक्षण और उसके वैश्विक परिदृश्य पर अपने विचार रखे।

प्रदेश की पहली महिला एनसीसी बैंड।

प्रदेश की पहली गर्ल्स एनसीसी बैंड तैयार

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश का पहला महिला एनसीसी बैंड ख्वाजा मोइनुददीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में तैयार हो गया है। यह बैंड विश्वविद्यालय की 25 उत्साही गर्ल्स कैडेट्स से मिलकर बना है, जो अनुशासन, तालमेल और राष्ट्र प्रेम का अनूठा प्रदर्शन करेंगी। इस बटालियन की इंचार्ज लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अल्वेरा हैं, जिनके मार्गदर्शन में कैडेट्स ने यह उपलब्धि हासिल की है।

आयोजन | **मंडलीय माध्यमिक विद्यालयीय बालक और बालिका कबड्डी प्रतियोगिता**

हुतूतू में लखनऊ के बालक और बालिकाओं ने दिखाया दम

ट्राफी के साथ लखनऊ टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मंडलीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता में लखनऊ के बालक और बालिकाओं ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। हरदोई के मल्लावां स्थित बीएन इंटर कॉलेज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सोमवार को अंडर-14, 17 और 19 वर्ग के मुकाबले खेले गए।

प्रशिक्षक विप्लव चौधरी ने बताया कि बालक और बालिका के दोनों वर्ग में राजधानी के खिलाड़ी ही छाए रहे। बालक वर्ग के दोनों वर्गों मे लखनऊ डबल चैंपियन बना। बालक वर्ग में लखनऊ ने अंडर-14 और अंडर-17 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने में कामयाब रहा। इसके अलावा अंडर-17 में भी लखनऊ ने बाजी मारी। वहीं अंडर-19 में लखनऊ की टीम उपविजेता रही, खिताब हरदोई टीम ने जीता। बालिका वर्ग में भी लखनऊ की बेटियों ने मारी बाजी। इसके अलावा लड़कियों की कबड्डी में भी लखनऊ ने अपना दमखम दिखाया। अंडर-17 में लखनऊ की बालिका टीम ने हरदोई को हराकर खिताब जीता।अंडर-19 में रायबरेली को मात देकर लखनऊ की बेटियों ने चैंपियन बनी। केवल अंडर-14 वर्ग में लखनऊ की टीम को उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा, जहां हरदोई की टीम विजेता रही। इस शानदार प्रदर्शन के पीछे प्रशिक्षकों की कड़ी मेहनत भी नजर आई। लखनऊ टीम को प्रशिक्षित करने में हिमांशु शुक्ला, अशोक द्विवेदी, मुक्ता बब्बर और प्रमिला भारती का विशेष योगदान रहा।

बॉक्सिंग में मेरठ मंडल चैंपियन

- बॉक्सिंग प्रतियोगिता में मेरठ मंडल के बालकों की टीम ओवरऑल चैंपियन बनी। टीम ने 57 अंक अर्जित किए। अंडर-19 आयु वर्ग में आगरा, अंडर-17 आयु वर्ग में मेरठ और अंडर-14 आयु वर्ग में सहारनपुर की टीम विजेता रही। लखनऊ के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते। प्रतियोगिता का आयोजन केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बॉक्सिंग हॉल में किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मंडलीय उप शिक्षा निदेशक रेखा दिवाकर और सह विद्यालय निरीक्षक (आंग्ल) मनीषा द्विवेदी ने विजेता टीमों को पदक और चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की।

पांच जिलों के 15 नगर निकायों में 18,573 आवासों की डीपीआर मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय स्वीकृत एवं निगरानी समिति (एसएलएसएमसी) की बैठक आयोजित हुई।

लोकभवन में सोमवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत भारत सरकार की यूनिफाइड वेब पोर्टल पर प्राप्त पांच जिलों (हरदोई, बुलंदशहर, गाजियाबाद, गाजीपुर और सहारनपुर) के 15 नगर निकायों में 18,573 आवासों की डीपीआर को मंजूरी दी गई।

इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत आईएफएमएस पोर्टल (एसएनए स्पर्श प्रणाली) पर लाभार्थियों के भुगतान लिए आधार बेस डीबीटी ऑप्शन इनेबल कराये जाने के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 को लेकर बैठक आयोजित

16,97,641 आवास पूरे 72,652 निर्माणाधीन

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 17,70,293 आवास स्वीकृत किए गए। 17,60,263 आवासों का निर्माण भूमि पर शुरू हो चुका है, जिसमें से 16,97,641 आवास पूरे हो चुके हैं, 72,652 आवास निर्माणाधीन हैं। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरु प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि मौजूद रहे।

शरिया व्यवस्था लाने की रच रहे थे साजिश, चार गिरफ्तार

हिंसात्मक जिहाद की थी तैयारी, सोशल मीडिया पर ऑडियो चैट व वीडियो भेजकर लोगों को भड़का रहे थे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुजाहिदीन आर्मी बनाकर देश में शरीयत व्यवस्था कायम करने के मंसूबे पालने वाले गिरोह का खुलासा एटीएस ने किया है। इस गिरोह के चार सदस्यों को प्रदेश के चार जिलों से सोमवार को गिरफ्तार किया गया। गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया पर ऑडियो चैट व वीडियो भेजकर लोगों को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ भड़का रहे थे। उनको शरीया कानून लागू कराने में सामने आने के लिए उकसा रहे थे। इस मामले में एटीएस की ओर से एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों के पास से एटीएस को पांच मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट व क्रेडिट कार्ड के अलावा फोन-पे स्कैनर बरामद हुआ है।

आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) के अधिकारी के मुताबिक, प्रदेश के कई जिलों में कट्टरपंथियों का गिरोह सक्रिय हो गया है। यह गिरोह पाकिस्तान के संगठनों से प्रभावित होकर देश में हिंसात्मक जिहाद के जरिये सरकार को गिराने की साजिश रच रहे हैं। हथियारों के बल पर शरिया कानून लागू करने की योजनाएं तैयार कर रहे हैं। ऐसे गिरोह का खुलासा सोमवार को किया गया। इस गिरोह के चार सदस्यों को यूपी से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये आरोपियों में सुल्तानपुर का अकमल रजा, सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज का सफील सलमानी उर्फ अली रजवी, कानपुर घाटमपुर नई बस्ती सुजातगंज का मो. तौसीफ और रामपुर खजुरिया स्थित सराय कदीम का कासिम अली शामिल है। ये चारों हिंसात्मक जिहाद के माध्यम से लोकतांत्रिक सरकार को हटाने, शरिया लागू करने के लिए हथियारों की खरीद-फरोख्त व मुजाहिदीन आर्मी बनाने के आरोपी हैं।

- एटीएस ने चारों आरोपियों को अलग-अलग जिलों से पकड़ा

एटीएस की गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी अकमल, सफील, तौसीफ व कासिम।

सोशल मीडिया ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ा

आरोपियों ने पूछताछ में कुबूल किया किया कि कई लोगों को चिह्नित कर उनके खात्मे के लिए आतंकी योजना भी तैयार की जा रही थी। इसके लिए अलग-अलग स्थानों बैठक कर रहे थे। सोशल मीडिया ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ रहे थे। हथियारों का बंदोबस्त भी किया जाना था। इसके लिए समान विचारधार वाले लोगों से आर्थिक मदद भी मांग रहे थे। अपने मकसद को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने कई हिंसात्मक जिहादी साहित्यों का संकलन, लेखन और उनके प्रचार का कार्य शुरू कर दिया गया था।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री कल करेंगे कन्या पूजन

अमृत विचार, लखनऊ : गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री एवं योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर शाम शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी तिथि पर गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार विधि-विधान से महानिशा पूजन व हवन किया। योगी गोरखनाथ मंदिर स्थित अपने आवास के शक्तिपीठ में बुधवार को पूर्वाह्न शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि को देवी दुर्गा के नौवें रूप मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना करेंगे। उसके बाद कन्या पूजन का अनुष्ठान होगा। विजयदशमी पर 2 अक्टूबर सुबह मुख्यमंत्री योगी शिवावतार गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन करेंगे। इसी दिन सायंकाल वह गोरखनाथ मंदिर से निकलने वाली पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे।

कई अधिकारी आज होंगे सेवानिवृत्त

अमृत विचार, लखनऊ : 30 सितंबर को प्रदेश के कई आईएएस, आईपीएस और पीसीएस अफसर रिटायर हो जाएंगे। रिटायर होने जा रहे आईएएस अफसरों में 1990 बैच के राज्यपाल के एसीएस सुधीर महादेव बोबड़े, 2009 बैच के यमुना अथॉरिटी व जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा सीईओ राकेश कुमार सिंह, 2009 बैच के डीजी टेक्निकल एजुकेशन व सचिव टेक्निकल एजुकेशन अविनाश कृष्ण सिंह और 2009 बैच के सचिव सचिवालय प्रशासन ब्रजेश नारायण सिंह शामिल हैं। वहीं, रिटायर होने वाले पीसीएस अफसरों में 2015 बैच के एडीएम एलए अयोध्या अरुण मणि तिवारी और 2012 बैच के एडिशनल कमिश्नर मुरादाबाद सर्वेश कुमार गुप्ता शामिल हैं। वहीं, रिटायर होने वाले आईपीएस अफसरों में 2014 बैच के एसपी पीएसी हेडक्वार्टर पंकज कुमार पांडेय, 2010 बैच के डीआईजी एसटीएफ कुलदीप नारायण, 2011 बैच के डीआईजी एसीओ कमल प्रसाद यादव, 1997 बैच के एडीजी यूपी एसआईसीएफ, डॉ. जीके गोस्वामी शामिल हैं।

मिशन शक्ति के तहत हो रहीं खेल स्पर्धाएं

अमृत विचार, लखनऊ : मिशन शक्ति-5.0 के 90 दिवसीय विशेष अभियान के तहत सभी विधान सभा क्षेत्रों में विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन शुरू किया गया है, जिसमें लगभग 1.5 लाख महिला खिलाड़ियों के प्रतिभाग की संभावना है। साथ ही, 200 महिला पीआरडी (प्रांतीय रक्षा दल) स्वयंसेविकाओं को दक्षता और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देगा, बल्कि महिलाओं को आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान भी प्रदान करेगा।

देश की एकता-अखंडता को सशक्त बनाने में युवाओं की भूमिका अहम

17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं को किया प्रेरित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की एकता और अखंडता को सशक्त करने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका है। मुख्यमंत्री ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान का हिस्सा हैं, जो न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच हैं, बल्कि विविधताओं के बीच एकता को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि बोली-भाषा में भिन्नता के बावजूद पूरे भारत की भाव-भंगिमा एक है और यही भाव हमें जोड़ता है।

योगी सोमवार को अपने आवास पर आयोजित 17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा से आए करीब 200 युवा प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन 25 सितंबर से शुरू हुआ है, जो पहली अक्टूबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विरासत पर गर्व, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, सेना व सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान, सामाजिक एकता और नागरिक कर्तव्यों का पालन ही विकसित भारत की आधारशिला हैं।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद रहे।

- कार्यक्रम में कई राज्यों के 200 युवा प्रतिनिधि हुए शामिल

17वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों से आए युवाओं के साथ मुख्यमंत्री योगी।

युवाओं को कराएं अयोध्या-लखनऊ का भ्रमण

अमृत विचार : मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि अयोध्या और लखनऊ को देखकर बताइए कि विकास कैसा होता है। जब आप विकास की बात करेंगे, तभी वह धरातल पर उतरकर दिखेगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के दौरान जनजातीय समुदाय का सहयोग सर्वाधिक रहा। आज उनकी जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बन चुका है और अयोध्या विकास का आदर्श मॉडल बन गई है। योगी ने कहा कि 8-10 साल पहले अयोध्या की सड़कें संकरी थीं और वहां विकास की कल्पना करना मुश्किल था, लेकिन आज वहां आधुनिक ढांचे और योजनाओं का तेजी से विस्तार हुआ है।

बुढ़िया माई के दरबार में योगी ने लगाई हाजिरी

अमृत विचार, लखनऊ : शारदीय नवरात्र के आठवें दिन सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदिशक्ति मां भगवती की प्रतिनिधि स्वरूपा बुढ़िया माई के दरबार में हाजिरी लगाई। कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माई के मंदिर में उन्होंने विधिवत दर्शन-पूजन किया तथा माता से प्रदेशवासियों के कल्याण और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर और यहां स्थित कुंडका भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि मंदिर परिसर के कुंड के दोनों तरफ श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए सस्पेंशन ब्रिज (झूला पुल) बनवाया जाए। इसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी दीपक मीणा को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

नवाचार अपनाने का आह्वान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ वर्चुअल संवाद में जनप्रतिनिधियों ने अपने नगरों में हुए विकास कार्यों और आय वृद्धि के प्रयास साझा किए। मुख्यमंत्री ने उनसे नए नवाचार और आय सृजन के उपायों पर चर्चा करते हुए कहा कि यही प्रयास आत्मनिर्भर और आधुनिक उत्तर प्रदेश की नींव रखेंगे। योगी ने अयोध्या में महापौर सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया।

अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कर-करेत्तर आय में अभूतपूर्व वृद्धि का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने और यहां महापौर सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया। फिरोजाबाद की महापौर कामिनी राठौर ने बताया कि निगम की आय 18 करोड़ से बढ़कर 40 करोड़ हो गई है। झांसी के महापौर बिहारी लाल आर्य ने बताया कि नगर निगम की आय 25 करोड़ से बढ़कर 80 करोड़ पहुंच गई है और लक्ष्य 100 करोड़ का है। मुख्यमंत्री ने इन प्रयासों की सराहना की।

गाजियाबाद के मोदीनगर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली जाटव ने खाली भूमि के उपयोग पर सुझाव रखा। मीरजापुर के अध्यक्ष श्याम सुंदर ने बताया कि आय 5.89 करोड़ से बढ़कर 11 करोड़ हुई है और नगर में मुफ्त वाई-फाई उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने मां विंध्यवासिनी धाम क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग और यात्री विश्राम स्थल बनाने का सुझाव दिया।

देवरिया की अध्यक्ष अलका सिंह से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने खाली भूमि पर मल्टीलेवल पार्किंग बनाने की जरूरत बताई। सुल्तानपुर के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल को उन्होंने जिला मुख्यालय वाली नगर पालिकाओं को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना से अवगत कराया। मेरठ की फलौदा नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक सैनी ने आय में वृद्धि 20 लाख से 44 लाख की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने तकनीक और नवाचार आधारित योजनाएं अपनाने का आह्वान किया।

मथुरा की महावन नगर पंचायत अध्यक्ष मंजू देवी ने कहा कि 10 हजार की आबादी वाला उनका नगर भी विकसित यूपी अभियान का हिस्सा बन गर्व महसूस कर रहा है। प्रयागराज के महापौर उमेश गणेश केसरवानी ने आईटी सिटी के विकास और 2.19 लाख पौधे लगाकर नया वन क्षेत्र तैयार करने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने और हरित प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

- संवाद कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने साझा किए विकास के कार्य मुख्यमंत्री ने किया मार्गदर्शन

संभल, रामपुर और शाहजहांपुर की सराहना

संभल की बबराला नगर पंचायत अध्यक्ष हर्षवर्धन वार्ष्णेय, सहारनपुर की रामपुर मनिहारन नगर पंचायत अध्यक्ष रेनू और शाहजहांपुर की पुवायां नगर पंचायत अध्यक्ष ने भी स्थानीय स्तर पर विकास और आय सृजन की पहल साझा की। मुख्यमंत्री ने इन प्रयासों को सराहते हुए कहा कि यही विकसित यूपी 2047 की भावना है कि हर नगर निकाय अपनी विशिष्टताओं और संसाधनों का सदुपयोग कर आत्मनिर्भरता और नागरिक सुविधा की दिशा में आगे बढ़े।

बादल छाएंगे, बूंदाबांदी भी होगी लेकिन गुलाबी सर्दी अभी दूर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में आने वाले समय में बादल छाये रहेंगे और बूंदाबादी भी होगी, लेकिन गुलाबी सर्दी अभी दूर है। अक्टूबर तो छोड़ ही दीजिए मौसम नवंबर की शुरुआत तक अपना गरम मिजाज दिखाएगा। हालांकि, बीच-बीच में छाने वाले बादल तापमान में तनिक राहत देते रहेंगे। दरअसल, इस वर्ष सितंबर के महीने में मौसम असामान्य रूप से गरम बना हुआ है। अभी तक लोग मार्च-अप्रैल वाली धूप झेल रहे हैं।

मौसम विभाग का भी कहना है कि सितंबर माह के बीतने और उत्तर भारत में मानसून की विदाई के साथ मौसम सुहावना होने लगता है। लेकिन फिलहाल उप्र. में स्थिति विपरीत है। अक्टूबर तक गुलाबी सर्दी संभव नहीं है। आंशिक बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट से राहत तो मिलेगी, लेकिन धूप और उमस का प्रभाव बना रहेगा। सर्दी की आहट नवंबर में ही संभव है।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि स्वदेशी को लेकर भाजपा का तीन महीने का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान सोमवार से शुरू हो गया है। इसके जरिए पार्टी स्वदेशी को जन आंदोलन बनाना चाहती है। इसके तहत दुकानों में 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' के स्टिकर लगाए जाएंगे।

चौधरी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों को बताया कि यह अभियान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान के जरिए पार्टी विदेशी निर्भरता कम कर स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देगी। अभियान के तहत पूरे प्रदेश में सम्मेलनों का आयोजन होगा। एक हजार से अधिक स्वदेशी मेले लगाए जायेंगे। 500 से अधिक रथ और पदयात्राएं निकाली जाएगी। घर-घर जाकर स्वदेशी के स्टिकर लगाकर लोगों से स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का संकल्प पत्र भरवाया जाएगा। सम्मेलन, प्रतियोगिताएं और हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी।

- दुकानों और घरों में लगाए जाएंगे 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' के स्टिकर : भूपेंद्र चौधरी

उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : भाजपा के सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सोमवार को सहकारिता भवन, लखनऊ में विशिष्ट व्यक्तित्व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचना गोविल, जसविंदर सिंह भाटिया, रणवीर सिंह, रमेश कुमार वर्मा, विजय सिंह चौहान, धर्मवीर सिंह बागा सहित अनेक विशिष्ट जनों को सम्मानित किया गया।

अगले महीने पीएम मोदी देंगे नोएडा एयरपोर्ट की सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन से पहले एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। तीन अस्थायी एरो ब्रिज बनकर तैयार किए गए है, जबकि 10 स्थायी एरो ब्रिज पहले से हैं। ऐसे में एक साथ अब 10 के बजाय 13 विमान उड़ान भर सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर ही अस्थायी एरो ब्रिज का प्रयोग होगा।

इस बीच नोएडा एयरपोर्ट को कार्गो हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। टर्मिनल बिल्डिंग के सामने दो विशेष कार्गो स्टैंड बनाए गए हैं, जहां मल्टी मॉडल कार्गो हब से लाए गए उत्पादों को विमानों में लोड और अनलोड किया जा सकेगा। 30 एकड़ में बने इस कार्गो हब में क्रेन की मदद से सामान की लोडिंग-अनलोडिंग की जाएगी। इसके अलावा सिंगल विंडो एयरपोर्ट कार्गो कम्युनिटी सिस्टम लागू किया जाएगा।

- इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं पूरी

एसपी गोयल होंगे नायल के चेयरमैन

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) की 24वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में नायल के चेयरमैन के लिए एसपी गोयल मुख्य सचिव उप्र. शासन को निदेशक बोर्ड में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे मंजूर कर लिया गया। बैठक में सीईओ ग्रेटर नोएडा एनजी रवि कुमार, सीईओ नोएडा लोकेश एम ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। सीईओ राकेश कुमार सिंह और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के नोडल ऑफिसर शैलेंद्र कुमार भाटिया ने लोकभवन में भौतिक रूप से बैठक में प्रतिभाग किया और परियोजना की प्रगति से अवगत कराया।

13 सुरक्षा जांच लेन से होगी समय की बचत

अमृत विचार : नोएडा एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहेगी। टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश से पहले यात्रियों के हैंड बैगेज और केबिन बैगेज की जांच के लिए अत्याधुनिक एटीआरएस मशीनें लगाई गई हैं। सुरक्षा के लिए 13 सुरक्षा जांच लेन चालू रहेंगी, जिससे समय की बचत होगी और यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। कोई भी यात्री हथियार, विस्फोटक, चाकू, ज्वलनशील पदार्थ या कोई अन्य प्रतिबंधित वस्तु लेकर विमान में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

तैयारी जनगणना के साथ आर्थिक, सामाजिक व स्वास्थ्य संबधी सर्वेक्षण भी करेगा सरकारी तंत्र

कितने हाईटेक और सेहतमंद हैं भारतीय, होगा सर्वे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : निकट भविष्य में होने जा रही जनगणना 2027 के साथ सरकारी तंत्र आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य संबधी सर्वेक्षण भी करेगा। इस सर्वेक्षण से यह डाटा सामने आ जाएगा कि भारतीय शिक्षित व हाईटेक होने के साथ-साथ कितने सेहतमंद हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश समेत देशभर में होने जा रही जनगणना इस बार इंटरनेट कनेक्शन, स्मार्टफोन समेत आधुनिक जीवनशैली और विकास के मापदंडों पर केंद्रित रहेगी। पहली बार हो रहे हाईटेक सेंसस में आमजन के हर पहलू से जुड़ा सर्वे का डिजिटल डाटा भी एकत्र किया जाना है।

इस जनगणना में डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल होगा। ऐप के अलावा जीपीएस टैगिंग और जियोफेंसिंग जैसी तकनीक की सहायता ली जाएगी। इस बार न केवल नक्शों की जगह जीपीएस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, बल्कि गणना के लिए मोबाइल और टैबलेट का भी इस्तेमाल होगा। इसी कड़ी में डाटा इकट्ठा करने के लिए कोडिंग प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। हाथ से लिखी जाने वाली जानकारियों में वर्तनी समेत अन्य तरीके की गलतियां होने की गुंजाइश रहती है, लेकिन इस बार कोडिंग के जरिए गलतियों से बचने का रास्ता निकाला गया है।

दिलचस्प यह है कि यह 1931 के बाद पहला अवसर होगा, जब देश की सभी जातियों का डाटा भी एकत्र किया जाना है। इस जनगणना में कुछ नए सवाल शामिल किए गए हैं, जो आधुनिक जीवनशैली और विकास के मापदंडों पर केंद्रित हैं। इन नए सवालों में घर में इंटरनेट कनेक्शन, मोबाइल और स्मार्टफोन की उपलब्धता, पीने के पानी का स्रोत, गैस कनेक्शन का प्रकार, वाहनों की उपलब्धता और घर में उपयोग होने वाले अनाज का प्रकार शामिल हैं।

- जनगणना 2027 की प्रक्रिया जारी, भारतीयों के हर पहलू से जुड़ा डाटा होगा एकत्र

30 लाख से ज्यादा लोग होंगे नियुक्त

अमृत विचार : घर-घर जाकर जनगणना की जिम्मेदारी फील्ड स्टाफ और सुपरवाइजरों की होती है। इस काम में मुख्य रूप से स्थानीय स्कूलों के शिक्षक, केंद्र और राज्य व केंद्र शासित सरकारों के अधिकारी और स्थानीय निकायों यानी पंचायतों और नगर पालिकाओं के सदस्य शामिल होते हैं। 2011 की जनगणना के दौरान 27 लाख कर्मचारियों को 54,000 मास्टर ट्रेनरों ने अलग-अलग तरीकों से ट्रेंड किया गया था। इस बार घर-घर जाकर लोगों की गिनती करने के लिए 30 लाख से ज्यादा लोगों को नियुक्त किए जाने का अनुमान है। इसके अलावा जिला स्तर पर 1.20 लाख अन्य लोग और लगभग 46,000 ट्रेनरों की आवश्यकता पड़ेगी।

राष्ट्रीय जम्बूरी के लिए हुआ भूमिपूजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत स्काउट्स और गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी को लेकर वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में बनने वाली विश्वस्तरीय 'टेंट सिटी' के सोमवार को मंत्रोच्चार और विधिविधान के बीच मंत्रियों ने भूमिपूजन किया। लखनऊ में यह कार्यक्रम पहली बार होगा, जबकि 61 साल बाद यूपी को मेजबानी मिली है। जम्बूरी में 23 से 29 नवंबर तक 35 हजार स्काउट्स-गाइड्स जुटेंगे।

भूमि पूजन करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स यूपी इकाई के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने आयोजन को प्रदेश के लिए गौरव का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे, जबकि समापन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शामिल होने की संभावना है। इस जम्बूरी की थीम प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ एवं विकसित भारत, ग्रीन और सस्टेनेबल भारत और विकसित युवा-विकसित भारत पर केंद्रित है।

- 23 से 29 नवंबर तक जुटेंगे 35 हजार स्काउट्स-गाइड्स

भूमि पूजन करते मंत्री सुरेश खन्ना, गुलाब देवी, संदीप सिंह व अन्य।

अमृत विचार

मंगलवार, 30 सितंबर 2025

सोने और खाने का नाम जिंदगी नहीं है, आगे बढ़ते रहने की लगन का नाम ही जिंदगी है।
–**प्रेमचंद**, साहित्यकार

रसूल के नाम पर

कानपुर में 'आई लव मुहम्मद' का पोस्टर लगाने से उपजा विवाद धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में तनाव का कारण बनता जा रहा है। बरेली में हालात इतने बिगड़े कि पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए इंटरनेट तक बंद करना पड़ा। ये विवाद अब दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया है। रसूल-ए-इश्क का इस तरह से इजहार करने वाले लोग आशिक-ए-रसूल नहीं हो सकते! अभी तक के जो हालात हैं, वह जाहिर करते हैं कि ऐसे चुनिंदा लोगों का मकसद रसूल से अपनी मुहब्बत का इजहार करने से ज्यादा विवाद खड़ा करना है। यही वजह है कि यह मामला तनाव का सबब बन गया है। ऐसे लोग तनाव पैदा करके किनारे हो जाते हैं, लेकिन उसकी तपिश में तमाम लोग झुलस जाते हैं।

ये लोग कौन हैं जो रसूल से इश्क का इजहार करके तनाव पैदा कर रहे हैं! इनके इरादे नेक नहीं कहे जा सकते। विवाद ऐसे समय में खड़ा करके प्रदेश भर में तनाव के हालात पैदा किए जा रहे हैं, जबकि दूसरे समुदाय के पर्व चल रहे हैं। त्योहारी सीजन में बाजार में बूम आता है और जमकर खरीदारी होती है। दोनों ही समुदाय के कारोबारी इस त्योहारी सीजन में अच्छा कारोबार करते हैं। इस बार का त्योहारी सीजन कारोबार के लिहाज से और भी ज्यादा मुफीद होने वाला था। जीएसटी से मिली छूट का भी असर बाजार पर दिखना था। ऐसे समय में आई लव मुहम्मद के बहाने सांप्रदायिक माहौल खराब करने का सीधा असर कारोबार पर भी दिख रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने भी आशंका जाहिर की है कि इस समय आई लव मुहम्मद का विवाद खड़ा करने वाले प्रदेश के विकास को नहीं देखना चाहते हैं।

इस्लाम के बुनियादी उसूल कहते हैं कि मजहब के नाम पर किसी को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। मुहम्मद साहब खुद उस बूढ़ी महिला के बीमार होने पर उसका हाल लेने गए थे, जो रोजाना उनपर कूड़ा फेंका करती थी। धर्म के नाम पर विवाद पैदा करने वाले लोगों को इस्लाम के बुनियादी उसूलों को समझना होगा। मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु भी आई लव मुहम्मद के प्रदर्शन के तरीके को अच्छा नहीं समझते हैं। बीते दिनों कानपुर में कान्फ्रेंस में हिस्सा लेने आए अंतर्राष्ट्रीय धर्मगुरु और आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खलीलुर्रहमान सज्जाद नोमानी ने भी कहा है कि आई लव मुहम्मद का इस्तेमाल किसी को उकसाने या भड़काने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इन शब्दों का इस तरह से इस्तेमाल किया जाना चाहिए कि परिणाम अच्छा निकले। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन और लखनऊ के शाही इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगीमहली भी स्वीकार करते हैं कि हाथ में पोस्टर लेकर आई लव मुहम्मद का इजहार करना उचित और सभ्य तरीका नहीं है। ये सोचना होगा कि रसूल-ए-इश्क के इजहार के नाम पर हम किसी फिरकापरस्त ताकत के हथियार न बनें। अगर हम गलत हाथों में खेलते हैं और माहौल बिगड़ता है तो कानून अपना काम करेगा। इसे किसी कौम, धर्म या संप्रदाय के खिलाफ कार्रवाई से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। कानून का काम समाज में अमन कायम करना है और इसे कायम करने के लिए प्रशासन सख्ती बरतने से नहीं चूकेगा।

प्रसंगवश

धरोहर संरक्षण की राह दिखाती जांगल जात्रा

हमारे देश की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर से है, लेकिन अक्सर यही धरोहरें उपेक्षा का शिकार हो जाती हैं। हाल ही में राजस्थान के श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले से निकली एक अनोखी यात्रा ने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया है। 'जांगल जात्रा' के नाम से निकली इस यात्रा का मकसद केवल स्थानीय धरोहरों को पहचान दिलाना भर नहीं है, बल्कि पूरे देश को यह प्रेरणा देना है कि हम सब अपने-अपने क्षेत्र की धरोहरों को मुख्यधारा के पर्यटन और विकास से जोड़ें।

जिन स्थानों को इस यात्रा से जोड़ा गया, उनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक लिहाज से बहुत महत्व है, लेकिन पर्यटन के लिहाज से ये स्थान विकसित नहीं हैं। यात्रा का उद्देश्य जहां इन स्थानों को देश-विदेश में व्यापक पहचान दिलाना है, वहीं क्षेत्र में पर्यटन आधारित रोजगार के अवसर विकसित करना भी है। इन स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग दशकों से उठ रही है, मगर सरकार के स्तर पर इस संबंध में प्रयासों का अभाव ही रहा है।

अमरपाल सिंह वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

शिक्षाविद् प्रवीण भाटिया की पहल पर निकली यह यात्रा पांच से साढ़े छह हजार साल पुरानी कालीबंगा सभ्यता, दो हजार साल पुराने भटनेर दुर्ग, बरोड़ और रंगमहल जैसे पुरातात्विक स्थलों, उत्तरी भारत में श्रद्धा के प्रतीक गोगामेड़ी मंदिर और बुढ़ा जोहड़ गुरुद्वारे जैसे धार्मिक केंद्रों, बडोपल पक्षी विहार जैसी प्राकृतिक धरोहर और भारत-पाक सीमा पर स्थित नग्गी वॉर मेमोरियल जैसे वीरता के प्रतीकों तक पहुंची। इस यात्रा का यह स्वरूप दर्शाता है कि हर क्षेत्र में कितनी विविधता और समृद्धि छिपी हुई है, जिसे हम पर्यटन और संस्कृति की मुख्यधारा से जोड़कर नई पहचान दिला सकते हैं।

जांगल जात्रा की यह पहल सौ साल पहले बीकानेर संभाग में काम करने वाले इटली के विद्वान डॉ. लुईजी पिओ टैस्सीटोरी की याद दिलाती है। उन्होंने गांव-गांव की खाक छान कर दर्जनों ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों की खोज की थी। प्रवीण भाटिया ने उसी तर्ज पर गांव-गांव जा कर वहां धरोहरों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। खास बात यह है कि यह यात्रा एक व्यक्ति विशेष की पहल जरूर है, मगर इसे उन हजारों लोगों का समर्थन हासिल है, जो क्षेत्र की धरोहरों को सहेजने और विकसित करने के पक्षधर हैं। इस यात्रा ने लोगों को अपनी विरासत पर गर्व करना सिखाया है और दूर-दराज गांवों के उपेक्षित पुरातात्विक और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को लोक विमर्श का केन्द्र बना दिया है।

देश के हर राज्य और हर जिले में ऐसे अनेक स्थल हैं, जिनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, लेकिन वे बिसरा दिए गए हैं, उपेक्षित पड़े हैं। अगर स्थानीय लोग मिलकर उन्हें संरक्षित और विकसित करने का बीड़ा उठाएं तो न केवल वहां की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी, बल्कि पर्यटन आधारित रोजगार और समग्र विकास के नए अवसर भी पैदा होंगे। वर्तमान समय में केवल सरकार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। धरोहरों की रक्षा और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने की समाज की भी जिम्मेदारी है। जब स्थानीय लोग आगे आते हैं, तो सरकार और नीति निर्माताओं को भी मजबूरन सक्रिय होना पड़ता है। यह बदलाव जांगल जात्रा जैसे प्रयासों से संभव होता है। हमारे देश की धरोहरें केवल पत्थरों और स्मारकों की कहानियां नहीं हैं, बल्कि यह हमारी पहचान और भविष्य की संभावनाओं का आधार हैं।

मेडिसिन टैरिफ से अमेरिका में बढ़ सकता है संकट

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

अमेरिका ने भारतीय फार्मा निर्यात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का निर्णय लेकर वैश्विक स्वास्थ्य और व्यापार जगत को चौंका दिया है। भारत को दुनिया का 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाता है, क्योंकि भारत हर वर्ष लगभग 50 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात करता है, जिसमें से करीब 25 अरब डॉलर का निर्यात केवल अमेरिका को किया जाता है। यह स्थिति दर्शाती है कि भारत-अमेरिका दवा व्यापार कितना गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत का दवा उद्योग देश की GDP में लगभग 2% योगदान करता है और इसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। आज भारत में करीब 3000 दवा कंपनियां और 10,500 से अधिक विनिर्माण इकाइयां हैं। अमेरिका में बिकने वाली लगभग 40% जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं और यही कारण है कि अमेरिकी टैरिफ का सीधा असर भारतीय दवा कंपनियों पर पड़ेगा।

प्रमुख कंपनियों जैसे सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, सिप्ला, ल्युपिन और आरोबिंदो फार्मा की अमेरिकी बाजार से होने वाली आय कुल राजस्व का 25 से 45 परसेंट तक है। उदाहरण के लिए सन फार्मा की लगभग 32 प्रतिशत आमदनी अमेरिका से होती है, जबकि डॉ. रेड्डीज की करीब 45 फीसदी। इसी तरह ल्युपिन की 35 फीसदी और ऑरोबिंदो फार्मा की 38 प्रतिशत आय अमेरिकी निर्यात पर निर्भर है। ऐसे में 100 प्रतिशत टैरिफ इन कंपनियों की लाभप्रदता को सीधा नुकसान पहुंचाएगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि यह टैरिफ लंबे समय तक जारी रहता है तो भारतीय फार्मा कंपनियों की कुल निर्यात आय में 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट हो सकती है। साथ ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) हेल्थ केयर इंडेक्स पर दबाव बनेगा और निवेशकों के भरोसे पर असर पड़ेगा।

भारत सरकार और कंपनियों की प्रतिक्रिया संतुलित लेकिन दृढ़ होगी। संभावित कदमों में अमेरिका से आयात होने वाले चिकित्सा उपकरणों और हेल्थ केयर उत्पादों पर पारस्परिक टैरिफ लगाना शामिल हो सकता है। भारत हर वर्ष अमेरिका से लगभग छह अरब डॉलर मूल्य के मेडिकल उपकरण आयात करता है और उन पर शुल्क बढ़ाना अमेरिका के लिए बड़ा झटका हो सकता है। इसके अलावा भारत WTO या द्विपक्षीय मंचों पर इस मुद्दे को उठा सकता है, जैसा कि उसने पहले स्टील और एल्युमिनियम टैरिफ विवाद में किया था।

भारत को अपनी निर्भरता कम करने के लिए यूरोप, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और ASEAN देशों में नए बाजारों पर ध्यान देना होगा। फिलहाल भारत अफ्रीकी देशों को लगभग पांच अरब डॉलर मूल्य की दवाएं सप्लाई करता है और इस हिस्सेदारी को और बढ़ाया जा सकता है। साथ ही भारत को घरेलू R&D, बायोटेक्नोलॉजी और पेटेंटेड दवाओं में निवेश कर दीर्घकालीन आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। यह वही भारत है, जिसने कोविड-19 वैक्सीन निर्यात में 100 से अधिक देशों को मदद कर अपनी क्षमता साबित की थी।

अमेरिकी कदम का असर केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे वैश्विक दवा उद्योग पर पड़ेगा। अमेरिका में दवाएं महंगी होंगी और आम उपभोक्ता पर सीधा बोझ बढ़ेगा। अभी अमेरिका में जेनेरिक दवाओं की कीमत ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 80-85 फीसदी तक सस्ती होती हैं, लेकिन भारतीय दवाओं पर टैरिफ से यह अंतर घट जाएगा। अमेरिका वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला की तलाश में चीन, वियतनाम या पूर्वी यूरोप की ओर रुख कर सकता है, लेकिन भारत जैसी गुणवत्ता और लागत-प्रभावशीलता हासिल करना उनके लिए कठिन होगा। दूसरी ओर, अफ्रीका और एशिया जैसे उभरते बाजारों में भारतीय दवाओं की मांग और बढ़ सकती है, क्योंकि इन देशों की आबादी कीमत के प्रति अधिक संवेदनशील है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अनुसंधान और निर्माण के लिए निवेश बढ़ा सकती हैं, क्योंकि भारत के पास पहले से ही USFDA प्रमाणित 650 से अधिक विनिर्माण इकाइयां हैं, जो किसी भी अन्य देश से अधिक हैं।

लंबी अवधि में यह फैसला वैश्विक दवा व्यापार की संरचना बदल सकता है। अमेरिका यदि भारत से दवा आयात कम करता है तो उसे वैकल्पिक देशों से महंगे दाम पर दवाएं खरीदनी होंगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे अमेरिका में स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का खर्च बढ़ेगा और वहां के करदाताओं पर बोझ पड़ेगा। वहीं भारत के लिए यह अवसर है कि वह दवा निर्यात के नए गंतव्य बनाए। लैटिन अमेरिका के ब्राजील और मेक्सिको जैसे देश, अफ्रीका के नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका, तथा यूरोप के जर्मनी और फ्रांस, भारतीय दवाओं के लिए बड़े बाजार बन सकते हैं। भारत को चाहिए कि वह अपनी नीतियों को इस दिशा में केंद्रित करे। भारत बायोटेक्नोलॉजी और उच्च स्तरीय अनुसंधान में निवेश करता है तो वह जेनेरिक तक सीमित न रहकर इनोवेटिव ड्रग्स में भी वैश्विक नेता बन सकता है।

अल्पकाल में यह टैरिफ भारतीय कंपनियों के लिए संकट बनेगा, लेकिन दीर्घकाल में यही भारत को अपने उद्योग को पुनर्गठित करने और मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाने का अवसर भी देगा। वैश्विक दवा उद्योग का आकार 2023 में 1.48 ट्रिलियन डॉलर था और अनुमान है कि 2030 तक यह 2.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। भारत इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा हासिल कर सकता है, यदि वह समय रहते रणनीति बदल ले। अमेरिका का 100 फीसदी टैरिफ भारतीय फार्मा उद्योग के लिए तत्काल चुनौती है, लेकिन इसे अवसर में बदलना भी संभव है। भारत को अमेरिकी बाजार पर निर्भरता घटाकर नए क्षेत्रों में विस्तार करना होगा और घरेलू नवाचार और बायोटेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ाना होगा।

अमेरिका ने भारतीय फार्मा निर्यात पर 100% टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है। भारत से करीब 25 अरब डॉलर का निर्यात अमेरिका को किया जाता है।

आमने

नेता प्रतिपक्ष पर विदेशी संस्कृति का प्रभाव है। राहुल गांधी ने विदेश में शिक्षा प्राप्त की है और उन्होंने उन संस्कृतियों को आयात किया है जो भारत की पारंपरिक मर्यादाओं के खिलाफ हैं।
–**कैलाश विजयवर्गीय**
भाजपा नेता

सामने

कैलाश विजयवर्गीय को मुख्यमंत्री नहीं बनाया, इस वजह से वे ऐसे हो गए हैं। 70 साल के बुजुर्ग हो गए मतलब कैलाश विजयवर्गीय बूढ़े हो गए हैं। वो बौखलाहट में ऐसी बातें कर रहे हैं। माता रानी उन्हें सदबुद्धि दें।
–**जीतू पटवारी**
कांग्रेस अध्यक्ष, मध्य प्रदेश

बिहार चुनाव: कांग्रेस-राजद में बढ़ती रार

सुशील दीक्षित
लेखक

बिहार में महागठबंधन की वोट अधिकार यात्रा प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को कितना आकर्षित करेगी, इस पर कुछ कहना फिलहाल जल्दबाजी होगी, लेकिन महागठबंधन में सीटों को लेकर जो मतभेद सतह पर आ रहे हैं, उनसे यही ध्वनित हो रहा है कि अंदर खाने सब ठीक नहीं है। सब ठीक तो दूसरे गठबंधन राजग में भी नहीं है। सीट बंटवारे को लेकर वहां भी तनातनी है। यह दूसरी बात है कि अभी तलवारें म्यान में ही हैं, जबकि महागठबंधन में तलवारें तन भी चुकी हैं। अभी धमकियों का दौर चल रहा है।

कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीटों को लेकर तल्खी इतनी बढ़ गई कि मुजफ्फरनगर की रैली में तेजस्वी यादव ने राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। शुरुआत कांग्रेस की ओर से तब हुई, जब उसने छिहत्तर सीटों पर दावा कर दिया। पिछले 2020 के चुनाव में कांग्रेस सत्तर सीटों पर लड़ी थी, लेकिन केवल उन्नीस सीटों पर ही जीत पाई। इस पुअर परफार्मेंस का कारण तेजस्वी यादव ने सत्ता से दूर रह जाने के लिए कांग्रेस के खराब स्ट्राइक रेट को दोषी ठहराया था। इस चुनाव में महागठबंधन को 110 सीटों पर जीत मिली थी, यदि कांग्रेस अपने हिस्से की आधी सीटों पर ही जीत हासिल कर लेती तो महागठंधन सत्ता में आ जाता।

इसी को ध्यान में रखते हुए राजद-कांग्रेस के दबाव में आता नहीं दिख रहा। वहीं कांग्रेस बिहार में राजद का पिछलग्गू होने के ठप्पे को मिटाना चाहती है। पार्टी को लगता है कि वोट अधिकार यात्रा से उसकी स्थिति मजबूत हुई है। लोकप्रियता बढ़ी है, इसलिए वह आरजेडी के बराबर खड़ा होना चाहती है, इसलिए वो सीटें ही बढ़ाकर नहीं मांग रही है, बल्कि उप मुख्यमंत्री पद के लिए अभी से दावा ठोंक रही है। अपने इन दावों को लेकर कांग्रेस जल्दबाजी में भी दिख रही है। उसने एक तरह से तेजस्वी यादव को अल्टीमेटम भी दे दिए हैं कि वह लंबा इंतजार नहीं करने वाली। इन सीटों पर वह रणनीति बनाने में भी लगी है।

कांग्रेस की मांग से महागठबंधन के सहयोगी दल भी सहमत नहीं हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कांग्रेस को नसीहत दी है कि वह अपनी स्थति से अधिक सीटें न मांगे। भले ही कम सीटों पर लड़े, लेकिन अधिक से अधिक स्ट्राइक रेट रखे। तेजस्वी यादव ने भी साफ कर दिया कि अगर बात नहीं बनती है, तो उनकी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। अपनी स्थिति को 2020 के चुनाव से बेहतर समझने वाली कांग्रेस इसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए हुए है। 15 सितंबर को होने वाली बैठक ऐसी तल्खियों के कारण रद्द की जा चुकी है।

यह सब घात-प्रतिघात अभी राज्य स्तर पर ही है। असली सूरत तब सामने आएगी, जब साफ होगा कि कौन किस पर कितना दबाव बनाने में सफल रहा। साथ ही राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की आमने-सामने बात होगी। अलबत्ता राजनीतिक विश्लेषक यह मान कर चल रह हैं कि बिहार में कांग्रेस खुद को कितना ही मजबूत माने, लेकिन उसे गठबंधन में बने रहने के लिए सर्वसम्मति से होने वाले निर्णय को मानना होगा। यह तेजस्वी यादव भी जानते हैं और राहुल गांधी भी कि राजग से अकेले मुकाबिल नहीं हुआ जा सकता। कांग्रेस बिना मुगालते के सोंचे तो जल्द समझ जाएगी कि उसके मुकाबले राजद की स्थिति अधिक बेहतर है। चुनाव केवल यात्राओं और आरोपों के दम पर नहीं जीते जाते, बल्कि जमीनी मुद्दों और समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत से जीते जाते हैं। राजद का कॉडर कांग्रेस से न केवल मजबूत है, बल्कि उसके पास एक प्रभावी वोट बैंक भी है।

कांग्रेस के पास इसका यदि अभाव नहीं तो प्रभावी इंतजाम भी नहीं है। यही स्थिति कांग्रेस को कमजोर करती है और इसीलिए उसे उन क्षेत्रीय दलों के पीछे खड़ा होना पड़ता है, जिनका जन्म कांग्रेस के खिलाफ हुआ। यदि महागठबंधन टूटता है, तो इसका कांग्रेस पर ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। हर चुनाव कांग्रेस के अस्तित्व की लड़ाई बन जाता है। बिहार का चुनाव भी ऐसा ही है, इसलिए इस नतीजे पर पहुंचना समयानुकूल नहीं लगता कि कांग्रेस महागठबंधन से छिटक सकती है। महागठबंधन के बिना उसकी गति नहीं है।

सीटों को लेकर रार एनडीए में भी मची हुई है। जीतन राम मांझी रूठे हुए हैं कि उन्हें बीस सीटें चाहिए। चिराग पासवान की लोजपा-आर को न केवल सीटें बढ़ाकर चाहिए, बल्कि मुख्यमंत्री की रेस में चिराग को आगे बढ़ाने की मांग है। अलबत्ता चुनाव के ऐन वक्त पर हर गठबंधन के घटक दलों में सीट के लिए सिर फुटौवल जैसी लगने वाली स्थिति नई नहीं है। हर पांच साल बाद छोटे-मझोले दलों को लगने लगता है कि बीती अवधि में उसकी स्थिति पहले से मजबूत हो गई है, इसलिए उसे अधिक तवज्जो मिलनी चाहिए। बिहार में महागठबंधन की ड्राइविंग सीट पर तेजस्वी यादव हैं। लगता नहीं कि वे झुकेंगे। यदि नहीं झुके तो कांग्रेस के पास मध्यम मार्ग के अलावा कोई उपाय नहीं होगा और यह मध्यम मार्ग समझौते की मंजिल पर ही जाकर खत्म होगा।

बिहार में वोट अधिकार यात्रा के बाद कांग्रेस को लगता है कि उसका जमीनी आधार बढ़ा है। यही वजह है कि वह आरजेडी से ज्यादा सीटों की मांग कर रही है।

सोशल फोरम

लोहिया, आंइस्टीन और एक मिनट की देरी

डॉक्टर राममनोहर लोहिया एक दफा आइंस्टीन को मिलने गए। ग्यारह बजे का वक्त उनकी पत्नी ने दिया था कि आप ठीक ग्यारह बजे आ जाएं और जरा-सी भी देर की तो कठिनाई होगी। लोहिया ने सोचा कि शायद कोई बहुत जरूरी काम होगा ग्यारह के बाद आइंस्टीन को। वे भागे हुए ठीक ग्यारह बजे पहुंचे, लेकिन सिर्फ एक मिनट की देरी हो गई, तो उनकी पत्नी ने कहा कि आप तो चूक गए। पर उन्होंने कहा, एक ही मिनट! मुझे दरवाजे पर भी वे दिखाई नहीं पड़े। वे गए कहां?

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

उसकी पत्नी ने कहा कि वे बाथरूम में चले गए। उन्होंने कहा, आप भी क्या बात करती हैं! मैं प्रतीक्षा कर सकता हूं। उसने कहा, लेकिन कोई हिसाब नहीं कि वे कब निकलें। उन्होंने कहा, बाथरूम में कितना नहाते हैं? उसने कहा, नहाने का तो सवाल कहां है! कई दफा तो बिना नहाए निकल आते हैं! तो बाथरूम में करते क्या हैं? वे वही करते हैं, जो चौबीस घंटे करते हैं। टब में लेट जाते हैं; सोचना शुरू कर देते हैं। नहाना तो भूल जाते हैं!

छः घंटे बाद वे निकले। बड़े आनंदित बाहर आए। कोई गणित की पहेली हल हो गई। डाक्टर लोहिया ने पूछा कि गणित की पहेली आप क्या बाथरूम में हल करते हैं? तो आइंस्टीन ने कहा कि एक्सपैंडिंग यूनिवर्स का जो सिद्धांत मैंने विकसित किया कि जगत निरंतर फैल रहा है, ठहरा हुआ नहीं है, जैसे कि कोई गुब्बारे में हवा भर रहा हो और गुब्बारा बड़ा होता जाए, ऐसा जगत बड़ा होता जा रहा है, ठहरा हुआ नहीं है। जगत रोज बड़ा हो रहा है। आइंस्टीन के सिद्धांत को समर्थन मिल पाया और सही सिद्ध हुआ, तो आइंस्टीन ने कहा कि यह सिद्धांत मैंने अपने बाथरूम के टब में बैठकर साबुन के बबूले उठाते वक्त, जब साबुन के बबूले बड़े होते, तब मुझे खयाल आया। यह साबुन के बबूले अपने टब में बनाते हुए और बबूलों से खेलते वक्त मुझे खयाल आया कि यह जगत एक्सपैंडिंग हो सकता है।

हमारे पास तो जो शब्द है ब्रह्म, उसका मतलब ही होता है, एक्सपैंशन। इस मुल्क के ऋषि तो सदा से यह कहते रहे हैं कि जगत फैल रहा है, जगत ठहरा हुआ नहीं है। ब्रह्मांड का अर्थ ही होता है, जो फैलता चला जाए। जो रुके ही नहीं, फैलता ही चला जाए। स्वभाव ही जिसका फैलाव है।

सामयिकी

मध्यवर्गीय युवाओं के सपनों पर प्रहार

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों की खाई और चौड़ी हुई तो अभी ग्रीन कार्डधारी भारतीयों के साथ नया जारी गोल्ड कार्ड, जिसे टंप कार्ड भी कहते हैं, से मुश्किलें और बढ़ेंगी। वीजा राशि बढ़ने से सबसे ज्यादा प्रभावित आईटी सेक्टर होने की संभावना है। इसके बाद रोजगार की दृष्टि से अमेरिका में पढ़ाई के लिए जाने वाले मेधावी, लेकिन कमजोर तबके के छात्र नहीं जा सकेंगे, केवल धनाड्य वर्ग के बच्चे ही पढ़ने के लिए जा सकेंगे, दरअसल टैरिफ के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1 बी वीजा की राशि में अप्रत्याशित वृद्धि की घोषणा करके सभी को चौंका दिया। यह उनकी आदत भी है। इसकी राशि को लगभग एक हजार से एक लाख डालर कर दिया। यही नहीं 21 सितंबर से इसे लागू कर दिया गया।

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

अब वीजा राशि सामान्य व्यक्ति और छोटी संस्था की पहुंच से दूर हो गई। अमेरिका जाने या ले जाने के लिए कंपनियों को सौ बार सोचना पड़ेगा। भारत पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ने की संभावना है। वीजा राशि को वह कंपनियां अदा करती हैं, जो अमेरिका में काम करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के स्पेशलिस्ट को भारत से अमेरिका ले जाती हैं। आव्रजन नीति के तहत यह वीजा अमेरिका में उन विदेशी लोगों को दिया जाता है, जो अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं। वह काम अमेरिकी नहीं कर पाते, जिसके लिए वह ले जाए जाते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की इस घोषणा के बाद खासतौर से आईटी सेक्टर में भूचाल जैसी स्थिति है। यह हलचल भारत में ही नहीं है, बल्कि अमेरिका के आईटी सेक्टर में भी है।

अमेरिका ने वीजा राशि बढ़ाए जाने के पीछे एच-1 बी वीजा के दुरुपोयग को रोकने की बात कही। भारत को लेकर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की। व्हाइट हाउस के सचिव विल शर्फ, अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुईन और राष्ट्रपति ट्रंप ने अलग-अलग यही कारण गिनाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इससे बेहतरीन कामगारों की जरूरत सुनिश्चित होगी, लेकिन यह तो इस कूटनीतिक चाल का एक पक्ष है। तात्कालिक रूप से इसका ज्यादा प्रभाव नहीं दिखेगा, लेकिन इसका दूरगामी परिणाम घातक होगा, जिसका असर भारत सहित अमेरिका में काम करने वाले अन्य देश के लोगों पर तो पड़ेगा ही, लेकिन अमेरिका भी इससे अछूता नहीं रहेगा।

भारत के संदर्भ में इसे इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि इसका असर लगभग 35 हजार करोड़ के आईटी सेक्टर पर सीधे पड़ने वाला है। यह देश का तीसरा सबसे बड़ा सेक्टर है। अमेरिका में एच1 बी वीजा से जाने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है। इस वीजा पर अमेरिका में रहने वाले कुल प्रवासियों में भारतवंशियों की संख्या लगभग 72 से 73 फीसदी तक है। 11 फीसदी चीनी लोग रहते हैं। इसके बाद 15 से 16 फीसदी में पूरे विश्व से नागरिक अमेरिका में रहते हैं। इसलिए एच-1बी वीजा से प्रभावित होने वालों में सबसे ज्यादा भारतीय होंगे।

कूटनीतिक रूप से भारत को अर्दब में लेने के लिए टैरिफ हमले के बाद ट्रंप का यह भारत के खिलाफ दूसरा प्रयास है, क्योंकि वीजा राशि बढ़ाए जाने का सबसे ज्यादा असर भारत पर पड़ने की आशंका है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत को घेरने का अगला प्रयास है या फिर उनकी मजूबरी है। यह भी एक सवाल तैर रहा है। यह अमेरिकी राजनीति से जुड़ा है। ऐसा भी नहीं है कि अमेरिका वीजा राशि बढ़ाए जाने के दूरगामी परिणाम से अनभिज्ञ है। इसे माना नहीं जा सकता है। अमेरिका की हर कूटनीतिक चाल में व्यापार का हिडेन एजेंडा जरूर होता है। इसके पीछे भी एजेंडा ही है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अंतस

अयोध्या की भव्य रामलीला

भारतीय लोकमानस में रामलीला के प्रति अगाध श्रद्धा भाव नजर आता है। यह भाव भारत के लोक में रचा बसा है। प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्रि प्रतिपदा से देशभर में रामलीला का मंचन शुरू हो जाता है, जो नवरात्रि के समापन के अगले दिन यानी दशहरे को रावण दहन के साथ समाप्त होती है। रामलीला तब बेहद खास हो जाती है, जब यह भगवान राम की नगरी अयोध्या में आयोजित की जा रही हो। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष फिर अयोध्या भव्य रामलीला महोत्सव की साक्षी बनने जा रही है। इस बार रामलीला का सातवां संस्करण आयोजित हो रहा है, जिसकी शुरुआत बीते सप्ताह भूमि पूजन के साथ हुई। प्रस्तुति-सत्यप्रकाश

रामनगरी अयोध्या में इस बार रामलीला का आयोजन बेहद खास है। रामकथा पार्क में भव्य रामलीला के सातवें संस्करण का भूमि पूजन किया गया। यह आयोजन धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है, जिसमें अयोध्या सहित पूरे देश के श्रद्धालु शामिल होते हैं। गौरतलब है कि अयोध्या की रामलीला का यह सातवां संस्करण 22 सितंबर से शुरू हो चुका है, जो 2 अक्टूबर को दशहरे पर रावण दहन के साथ समाप्त होगा। प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक रामकथा पार्क में रामलीला का मंचन हो रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि अयोध्या की इस रामलीला का सीधा प्रसारण यूट्यूब और विभिन्न चैनलों पर भी हो रहा है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु भी इस अद्भुत आयोजन का आनंद ले पा रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि अयोध्या की रामलीला केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह नई पीढ़ी को रामायण के आदर्शों से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी है। रामलीला का सीधा प्रसारण दूरदर्शन और अयोध्या की रामलीला के यूट्यूब चैनल पर किया जा रहा है, जिससे देश-विदेश में बैठे लाखों इसे देख रहे है। रामलीला का आयोजन अयोध्या की परंपरा, भव्यता और आस्था का अद्वितीय संगम है। रामकथा की यह गाथा एक बार फिर अयोध्या की धरती से पूरी दुनिया तक पहुंच रही है।

फिल्म जगत की नामचीन हस्तियां निभा रही हैं किरदार

अयोध्या की रामलीला में फिल्म और टीवी जगत के बड़े सितारे मंच पर दिख रहे हैं। राहुल भूचर प्रभु श्रीराम, अर्चना माता सीता, मनीष शर्मा रावण और राजेश पुरी हनुमान की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। वहीं मनोज तिवारी बाली, रवि किशन केवट और बिंदू दारा सिंह भगवान शंकर का रोल निभा रहे हैं। इसके अलावा अवतार गिल सीता के पिता राजा दशरथ की भूमिका निभाते दिखेंगे और राकेश बेदी विभीषण का किरदार अदा कर रहे हैं। वहीं विनय सिंह कुंभकर्ण की भूमिका निभा रहे हैं। पुनीत इस्सर परशुराम का किरदार निभा रहे हैं। रजा मुराद अहिरावण का अभिनय करेंगे। इन नामी कलाकारों के जुड़ने से अयोध्या की रामलीला और भी भव्य हो गई है।

240 फीट रावण दहन और वीआईपी मेहमान

फिल्मी कलाकारों की रामलीला में 2 अक्टूबर को दशहरा में रावण दहन मुख्य आकर्षण होगा। पहली बार 240 फुट के रावण और 190 फुट के कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतलों का दहन होगा। दिल्ली से आए आठ कारीगरों की टीम रामकथा पार्क के कॉरिडोर में इन पुतलों को तैयार कर रही है। इसमें कुछ मुस्लिम कारीगर भी हैं। मुख्य कारीगर मनोज कुमार ने बताया कि 25 वर्ष से हमारी टीम दिल्ली के विभिन्न रामलीला समिति के लिए कार्य कर रही है। इस बार अयोध्या में है और रावण, मेघनाथ, कुंभकरण के पुतलों के साथ-साथ सोने की लंका भी तैयार कर रहे हैं। अयोध्या की रामलीला समिति के अध्यक्ष सुभाष मलिक ने दावा किया कि इसमें आधुनिक तकनीक का प्रयोग दर्शकों को रोमांच से भर देगा। अयोध्या में पहली बार ऐसा आयोजन होने जा रहा है। आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को भी आमंत्रित किया गया है। इस भव्य आयोजन के जरिए रामभक्ति की परंपरा और भी मजबूत होने जा रही है। फिलहाल प्रशासन ने पुतला दहन की अनुमति नहीं दी है।

अध्यात्म

मन

संपूर्ण संसार में यदि सर्वाधिक शक्तिशाली कोई है, तो वह है मन। मन को किसी ने देखा नहीं है, किंतु मन के अंदर शक्तियों का अपार भंडार विद्यमान है। एक सूक्ति है, 'मन के हारे हार है मन के जीते जीत'। मन के अंदर असीम क्षमताएं एवं संभावनाएं विद्यमान हैं। जिस प्रकार हम पदार्थ के सूक्ष्मतम कण अर्थात परमाणु को नहीं देख पाते, किंतु उसमें अपार ऊर्जा सन्निहित है। ठीक उसी प्रकार मन कोई भौतिक वस्तु नहीं है, जिसके दर्शन कर पाना संभव हो। मन हमारे भौतिक शरीर से संबद्ध एक ऐसा भाग है, जिसका वर्णन भौतिक पैमाने पर किया जाना संभव नहीं है। मन को केवल अनुभव किया जा सकता है। मन के अस्तित्व के बिना शरीर का अस्तित्व भी पूर्णतया अर्थहीन ही होता है।

प्रेरणा अवस्थी
लेखिका

मन को शरीर का सारथी कहा गया है, क्योंकि शरीर पूर्णतया मन के अधीन रहता है। यह मन की शक्तियों का ही परिणाम है कि शरीर बड़े-बड़े उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को सिद्ध कर लेता है। अनेक ऐसे कारक हमारे चहुंदिश विद्यमान रहते हैं, जो मन को सदैव पतन की ओर अग्रसर करने के लिए प्रवृत्त होते हैं। बाह्य संसार, विभिन्न प्रकार के अनुभव, विषम परिस्थितियां, विभिन्न प्रकार के आवेग एवं भाव इत्यादि कुछ ऐसे ही कारक हैं। किंतु इन सभी कारकों के प्रभाव को एक अमोघ अस्त्र की सहायता से निष्क्रिय किया जा सकता है, वह अमोघ अस्त्र है-आत्मबल। आत्मबल से युक्त मन संसार का सर्वोत्तम एवं सर्वशक्तिमान अस्त्र है। आत्मबल को अपने भीतर जगाने के लिए हमें कहीं न कहीं अनावश्यक बाह्य तत्वों के फंदे से स्वयं को बाहर निकलना होगा। इसके लिए यह नितांत आवश्यक है कि हम अपना पूर्ण ध्यान स्वयं पर केंद्रित करें। ऐसा होने पर बाह्य कारक, जो निरंतर हमें विचलित करने का प्रयास करते रहते हैं, हमारे ऊपर लेशमात्र प्रभाव भी नहीं डाल पाएंगे। हमें मन की शक्ति को पहचानते एवं स्वीकारते हुए अपने प्रत्येक लक्ष्य को मन के हवाले करके आत्मबल का स्तर निरंतर ऊपर उठाने का प्रयास करते रहना चाहिए। ऐसा होते ही हम अपने जीवन में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखेंगे।

मन को शरीर का सारथी कहा गया है, क्योंकि शरीर पूर्णतया मन के अधीन रहता है। यह मन की शक्तियों का ही परिणाम है कि शरीर बड़े-बड़े उद्देश्यों एवं लक्ष्यों को सिद्ध कर लेता है।

बोध कथा

सांच को नहीं आंच

स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में ही अपना एक विशिष्ट व्यक्तित्व विकसित कर लिया था, जो उनसे मिलता, उनकी प्रतिभा का कायल हो जाता। उनके अंग्रेज प्राध्यापक भी उनसे प्रभावित रहते थे। एक बार उनके कॉलेज के प्रिंसिपल डब्ल्यू. डब्ल्यू हेस्टी उनकी कक्ष में आए। किसी प्रसंग पर उन्होंने पूछा, 'नरेंद्र ! यह बताओ नास्तिक कौन है ?' यह सुनकर नरेंद्र ने कहा, 'सर, नास्तिक वह होता है, जो अपने में विश्वास नहीं करता। ईश्वर में विश्वास नहीं करता।' इस उत्तर को सुनकर हेस्टी साहब कुछ देर के लिए अवाक रह गए। फिर उन्होंने कुछ सोचकर कहा 'तो इसका अर्थ यह है कि इश्वर कहीं नहीं है।' इस पर नरेंद्र ने दृढ़तापूर्वक कहा, 'ईश्वर है सर। वह भारत के उन दरिद्र पंडित और दुर्बल लोगों में है, जिन्हें कभी तुर्क और मुगल शासक नोचते रहे और आजकल आपकी सरकार नोच रही है।' इस निर्भीक उत्तर को सुनकर हेस्टी साहब चकित रह गए। उन्होंने कहा, 'मैंने सुदूर देशों का भ्रमण किया है, पर अभी तक मुझे कहीं भी ऐसा लड़का नहीं मिला, जिसमें तुझ जैसी प्रतिभा और संभावनाएं हों। तू जीवन में जरूर अपनी छाप छोड़ जाएगा।' इतना कहकर हेस्टी साहब कक्ष से बाहर चले गए। छुट्टी के समय उन्होंने नरेंद्र को अपने ऑफिस में बुलाया फिर बड़े प्यार से बिठाते हुए कहने लगे, 'नरेंद्र तुमने क्लास में मुझ जो कुछ कहा, वह बिल्कुल सच है, लेकिन मैं तुम्हें हिदायत देता हूं कि ऐसी बातें किसी और अंग्रेज के सामने मत कहना, कभी मत कहना।' नरेंद्र ने पूछा, 'क्यों सर ?' हेस्टी साहब बोले, 'वह तुम्हारी रिपोर्ट कर देगा और सरकार तुम्हें जेल भेज सकती है।' यह सुनकर नरेंद्र ने मुस्कुराते हुए कहा, 'सर ! यदि सच बोलने से आपकी सरकार मुझे जेल भेज देगी, तो मैं ईश्वर से प्रार्थना करूंगा कि भारत का हर व्यक्ति मेरी तरह सच कहने लगे और आपकी सरकार सबको जेल का पानी पिलाने लग जाए।'

-सुरेन्द्र अग्निहोत्री, लेखक

संस्कृति व समृद्ध से पहाड़ की रामलीला

उत्तराखंड में रामलीला का एक विस्तृत इतिहास और विशिष्ट पहचान रही है। रामलीला कहीं की भी हो उस पर गोस्वामी तुलसीदास जी के कालजयी ग्रंथ रामचरितमानस का गहरा प्रभाव रहा है। उत्तराखंड की रामलीलाएं भी इससे अछूती नहीं रही हैं, लेकिन थोड़ा बहुत बदलाव करके स्थानीय बोली में मंचन होने के कारण परंपरागत रामलीला में पहाड़ की संस्कृतिक झलक मिलती है।

कुमाऊं के छह जनपदों के तकरीबन सभी नगरों व कस्बों में रामलीला का मंचन होता है। इस मंचन ने लोगों को इसके साथ गहराई से जोड़ा है। यहां की लोक संस्कृति व सभ्यता कितनी विस्तृत है इसकी पहचान उन दोहों व चौपाइयों से होती है, जो मंचन के समय कलाकार अपनी मधुर आवाज और विशिष्ट शैली में गाते हैं। यहां अधिकांश रामलीलाओं का मंचन शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन से प्रारंभ होता है तथा दस दिन तक लगातार मंचन के पश्चात अंतिम दिन राम के राज्याभिषेक के साथ लीला का समापन होता है। अनेक स्थानों पर दशहरे के दिन रावण-कुंभकरण आदि के पुतले भी जलाए जाते हैं। वैसे अनंत चतुर्दशी से शरद पूर्णिमा तक का एक माह का समय रामलीला के मंचन का होता है।

कई शहरों की लीलाएं छिटककर इस परिधि से बाहर भी चली गई हैं। कुमाऊं में सबसे पहले रामलीला की शुरुआत सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में हुई थी। 1860 में अल्मोड़ा के तत्कालीन सदर अमीन बद्रीदत जोशी ने रामलीला का आयोजन किया था। उसके बाद अल्मोड़ा में रामलीला आयोजन को विस्तृत स्वरूप देने का श्रेय मोतीराम शाह को जाता है। सीमांत जिले पिथौरागढ़ में 1897 में तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर देवीदत्त ने रामलीला का आयोजन किया था। बागेश्वर में रामलीला प्रारंभ करने का श्रेय शिवलाल शाह को जाता है, जिन्होंने सबसे पहले 1890 में रामलीला प्रारंभ करवाई। हल्द्वानी में रामलीला की शुरूआत कन्हैया लाल सारस्वत द्वारा की गई थी। उनके द्वारा रामलीला के साथ-साथ दशहरा मेला के आयोजन की परंपरा भी शुरू की गई। अब तो कई सालों से हल्द्वानी मे दिन की रामलीला का आयोजन भी किया जाता है। हल्द्वानी में अब महिलाओं द्वारा भी रामलीला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी पात्र महिलाएं होती हैं। कुमाऊं का हरिद्वार कहे जाने वाले रानीबाग में रामलीला की शुरुआत 1976 में मोहन चंद्र मिश्रा द्वारा की गई थी। कुमाऊं में ज्योलिकोट, काठगोदाम, चोरगलिया, रामनगर, रुद्रपुर, काशीपुर की रामलीलाएं भी प्रसिद्ध हैं।

-दीपक नौगांई, लेखक

पौराणिक कथा

कर्म, पाप और मोक्ष का सार

महाराजा नृग बड़े ही दानवीर थे वह रोज एक हजार गाय ब्राम्हण को दान करते थे। एक बार उन्होंने एक ब्राह्मण को एक हजार गाय दान में दी। कुछ समय बाद ब्राह्मण की इन गाय में से एक गाय किसी तरह राजा नृग की गौशाला में फिर से आ गई। इस सत्य का पता ब्राह्मण को चला उसने गिनती की तो पाया की उसकी एक गाय कम है। दानवीर राजा ने पुनः अपनी गौशाला से एक हजार गाय एक अन्य ब्राह्मण को दान में दीं। इन गायों में से ब्राह्मण की भागी हुई गाय भी थी। उस पहले ब्राह्मण ने अपनी गाय पहचान ली और दूसरे ब्राह्मण को चोर कहा। दूसरे ब्राह्मण ने कहा, ऐसा नहीं है यह गायें हमें महाराज ने दान में दी हैं।

दोनों ब्राह्मणों का विवाद राजा के दरबार में पहुंचा, जांच करने पर पता चला कि पहले ब्राह्मण की गाय किसी तरह बिछुड़कर महाराज की गायों में आ मिली थी, महाराज ने भूलवश उसका फिर से दानकर दिया। स्थिति से अवगत होने पर राजा ने कहा कि ब्राम्हण उस गाय के बदले एक लाख गाय लेले, परंतु ब्राह्मण अपनी गाय ही लेने के लिए अडिग थे। ऐसी स्थिति होने पर महाराज नृग ने दूसरे ब्राह्मण से कहा कि वह पहले ब्राह्मण को उसकी गाय वापस कर दे उसके बदले में जितनी गाय चाहे लेले, परंतु ब्राह्मण उस गाय के अतिरिक्त दूसरी गाय लेने के लिए तैयार न हुआ। ईश्वरी विधान के अनुसार महाराज नृग ने गोलोक वास किया। यमराज और उनके सहयोगी चित्रगुप्त ने जब महाराज की पुण्य गणना की तो महाराज के अगणित पुण्य के साथ यह एक पाप भी था, उन्होंने कहा कि महाराज आप पहले अपने पुण्य भोगना चाहेंगे अथवा एक पाप कर्म भोगना चाहेंगे। इस पर राजा ने कहा कि वह पहले पाप कर्म भोगेंगे। परिणाम स्वरूप उन्हें गिरगिट की योनी में जन्म लेना पड़ा। अपने भोग स्वरूप महाराज एक सुखे कुएं में गिरगिट बनकर पड़े रहे। महाराज के इस कर्म संस्कार के द्वारा मिले पुर्वजन्म की आयु एवं भोग समाप्ति की अवधि आई तो भगवान श्री कृष्ण ने उनका उद्धार किया। भगवान ने राजा नृग से कहां कोई वरदान मांग लें। तब राजा ने कहा हे प्रभु यदि आप मुझमें पर प्रसन्न हैं तो यह बताएं की व्यक्ति अशुभ कर्मों के प्रभाव से कैसे बच सकता है? भगवान श्रीकृष्ण बोले हे राजन इसका एकमात्र उपाय यही है कि वह प्रत्येक कर्म केवल भगवान के लिए करे और परमेश्वर के अलावा किसी अन्य से भावनात्मक संबंध न जोड़ संपूर्ण अनाशक्ति और समर्पित भगवद्भक्ति ही जन्म आयु और भोग से बचने का उपाय है। *-पं. सोमदत्त अग्निहोत्री*

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,364.94	24,634.90
गिरावट	61.52	19.80
प्रतिशत में	0.08	0.08

सोना : 1,19,500
प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,50,000
प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 30 सितंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

टाटा कैपिटल का आईपीओ छह को

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टाटा कैपिटल ने अपने बहुप्रतीक्षित 15,512 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 310-326 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। बयान के अनुसार, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम छह अक्टूबर को अभिदान के लिए खुलेगा और आठ अक्टूबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) तीन अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। कुल 47.58 करोड़ शेयर का आईपीओ 21 करोड़ के नए शेयर और 26.58 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। टाटा कैपिटल में वर्तमान में टाटा संस की हिस्सेदारी 88.6 प्रतिशत जबकि आईएफसी की 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

शील बायोटेक का आईपीओ 30को

नई दिल्ली। जैव प्रौद्योगिकी आधारित कृषि समाधान प्रदाता कंपनी शील बायोटेक ने अपने 34.02 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 59-63 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि आईपीओ अभिदान के लिए 30 सितंबर को खुलेगा और तीन अक्टूबर को बंद होगा। यह आईपीओ पूरी तरह से 54 लाख नए शेयर पर आधारित निर्गम है। इसके लिए 59-63 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 15.88 करोड़ का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने, 9.11 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए और शेष राशि का उपयोग कॉर्पोरेट के सामान्य कामों के लिए किया जाएगा।

अटलांटा का शेयर 14% बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। बिजली, वाहन और इन्वर्टर के ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 754 रुपये से 14 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 858.10 रुपये पर शुरुआत की जो निर्गम मूल्य से 13.80 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। बाद में यह 14.54 प्रतिशत चढ़कर 863.70 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 13.66 प्रतिशत के बढ़त के साथ 857 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,323.21 करोड़ रुपये रहा।

उद्योग और निवेश का नया केंद्र बना यूपी : गोयल

यूपीआईटीएस-2025 का केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने किया का समापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यूपी आज उद्योग और निवेश का नया केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णायक एवं संवेदनशील नेतृत्व ने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। आज यूपी ऐसे रनवे पर है, जो अनस्टॉपेबल है। उद्योग और निवेश के लिए सुरक्षित वातावरण और मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर ने यूपी को निवेशकों की पहली पसंद बना दिया है।

वह सोमवार को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)- 2025 के 25 से 29 सितंबर तक चले तीसरे संस्करण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। गोयल ने कहा कि 2017 के बाद प्रदेश में नया सवेरा आया है। कानून-व्यवस्था सुधरी, अधूरे प्रोजेक्ट पूरे हुए और औद्योगिक माहौल बेहतर हुआ। उन्होंने कहा कि यूपीआईटीएस आयोजन ने उद्यमियों, निवेशकों और कारीगरों को वैश्विक मंच दिया है। यह केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि प्रदेश की नई औद्योगिक नीति का जीवंत उदाहरण है। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वदेशी ही विकसित भारत 2047 की कुंजी है। उन्होंने आह्वान किया कि हर नागरिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प लें। गोयल ने जीएसटी दरों में हालिया कमी को आज़ादी के बाद का सबसे बड़ा सुधार बताया। उन्होंने कहा कि अब जो भी सामान हम खरीदते हैं उसमें यथासंभव स्वदेशी वस्तु खरीदने का संकल्प लेना चाहिए।

ग्रेटर नोएडा में यूपीआईटीएस के समापन पर प्रतिभागी को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री पीयुष गोयल। ● अमृत विचार

लखनऊ, आगरा और वाराणसी में बनेंगे यूनिटी मॉल

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित यूनिटी मॉल का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि हर राज्य में यह मॉल बनाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में तीन जिलों लखनऊ, आगरा और वाराणसी में यूनिटी मॉल बनेंगे। इनमें प्रदेश के 75 जिलों के साथ-साथ पूरे देश के वन डिस्ट्रिक्ट वन उत्पाद प्रदर्शित होंगे। यह महिला उद्यमियों और युवाओं के लिए अवसर का मंच बनेगा।

एक्सपोर्ट प्रमोशन में यूपी कर रहा नेतृत्व

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जिसने निर्यात प्रोत्साहन के लिए अलग मंत्रालय बनाया। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना आज पूरे देश में 750 से अधिक डिस्ट्रिक्ट्स में पहुंची है और 1200 से अधिक उत्पादों को वैश्विक पहचान मिली है। आज जहां भी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री या राजदूत कहीं जाते हैं, वे इन्हीं ओडीओपी को उपहार स्वरूप भेंट करते हैं। इससे उद्यमियों का मनोबल बढ़ा है।

यूपीआईटीएस के समापन समारोह में खादी फैशन शो में शामिल मॉडल।

युवाओं के आकर्षण का केंद्र रहे खादी के जैकेट्स-कुर्ते

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। ट्रेड शो में खादी सबसे बड़ा आकर्षण बनी रही। फैशन शो में मॉडल्स ने जब खादी के परिधानों की शृंखला प्रस्तुत की तो दर्शकों ने परंपरा व आधुनिकता के संगम को महसूस किया। रैंप पर उतरे डिज़ाइनों ने यह संदेश दिया कि खादी अब केवल ट्रेडिशन नहीं, बल्कि ग्लोबल फैशन ट्रेंड बन चुकी है।

आज के युवा पीढ़ी टिकाऊ फैशन और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली से आकर्षित है, जिससे खादी आधुनिक वार्डरोब का हिस्सा बन चुकी है। युवाओं में बढ़ती यह स्वीकार्यता खादी को फैब्रिक ऑफ फ्यूचर बना रही है। शो में प्रस्तुत खादी की जैकेट्स, ड्रेसेस, कुर्ते और इंडो-वेस्टर्न डिज़ाइन ने युवाओं की पसंद को नई दिशा दी।

वैश्विक मंच पर गूंज

यूपीआईटीएस 2025 में खादी की प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश परंपरा को संजोते हुए भविष्य की जरूरतों को भी पूरा करने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सरकार खादी को दुनिया के सामने केवल कपड़े के रूप में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, कारीगरी और सतत विकास के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिलाओं ने ट्रेड शो में लहराया परचम

● स्वयं सहायता समूहों ने की रिकॉर्ड बिक्री, मिले बड़े ऑर्डर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। कभी जंगलराज और अपराध के लिए बदनाम रहा उत्तर प्रदेश आज महिलाओं की आत्मनिर्भरता की नई गाथा लिख रहा है। इसकी एक बानगी ग्रेटर नोएडा में आयोजित 5 दिवसीय यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के हॉल नंबर आठ और नौ में दिखी। जिसमें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने न सिर्फ़ अपने उत्पादों की शानदार बिक्री की, बल्कि बड़े-बड़े संस्थानों और कंपनियों से भारी मात्रा में ऑर्डर भी हासिल किए।

गौतमबुद्ध नगर की जय माता दी स्वयं सहायता समूह की ममता भारद्वाज ने बताया कि संगठन से 12 अलग अलग महिलाओं के समूह जुड़े हैं। समूह खाद्य पदार्थ समेत मसाले, मोटे अनाज, मसाले, सजावटी सामान समेत अन्य उत्पाद बनाता है। अभी तक ग्रेटर नोएडा की कई आवासीय कालोनियों में समूह के उत्पादों को बीच रही ममता बताती हैं कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उनका समूह पहली बार भाग लिया है। यहां बिक्री तो हुई ही ऑर्डर भी मिले। ग्रेटर नोएडा के कई मेस और कैंटीन से ग्रोसरी के ऑर्डर मिले हैं।

ट्रेड शो में स्टॉल लगाए स्वयं सहायता समूह की महिलाएं।

गन्ने की खेती में एआई व मशीन लर्निंग के प्रयोग पर मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के आखिरी दिन सोमवार को गन्ना विभाग द्वारा सतत विकास हमारा प्रयास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। गन्ना उत्पादन बढ़ाने, किसानों की समस्याओं के समाधान और गन्ना उद्योग को नई तकनीक से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की गई।

यूपीसीएसआर के डायरेक्टर वीके शुक्ला ने कहा कि हाल के वर्षों में सरकार का प्रयास रहा है कि किसानों को समय पर भुगतान मिले और चीनी मिलों की क्षमता में वृद्धि हो। अबतक 38 चीनी मिलों ने अपनी क्षमता बढ़ाई है ताकि पेराई समय पर हो सके। उन्होंने कहा कि भविष्य में गन्ने की खेती में रिमोट सेंसिंग, एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करने पर ध्यान दिया जाएगा। इससे खेतों की निगरानी आसान तो होगी ही, फसलों को लगने वाली बीमारियों का समय से उपचार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में चीनी मिलें केवल चीनी उत्पादन का केंद्र नहीं रहेंगी, बल्कि इससे जुड़े कई अन्य उत्पादों का हब बनेंगी।

सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर अजय कुमार तिवारी ने किसानों से अपील की कि वे खेतों में अंधाधुंध खाद का इस्तेमाल न करें। उन्होंने गन्ने की फसल को लगने वाले लाल सड़न रोग पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अगले पांच सालों में इस बीमारी पर नकेल कसने की पूरी कवायद होगी। जॉइंट केन कमिश्नर आरसी. पाठक ने कहा कि लाल सड़न रोग की वजह से गन्ने की सीओ-238 प्रजाति को काफी नुकसान हुआ है। कभी यह सबसे लोकप्रिय किस्म थी, लेकिन रोग और उत्पादन क्षमता घटने की वजह से किसान अब इसे लगाने से बचने लगे हैं।

कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों ने इस बात पर सहमति जताई कि नई तकनीकों के प्रयोग से गन्ने की खेती और चीनी उद्योग दोनों को स्थायी विकास की नई दिशा मिलेगी।

गन्ने की खेती को लेकर वर्कशाप को संबोधित करते वैज्ञानिक।

राष्ट्रीय

एशिया कप में देश की जीत से कांग्रेस हो गई है बेहोश : भाजपा

टीम को बधाई देने से पहले मोहसिन नकवी और पाकिस्तान में अपने आकाओं से अनुमति का कांग्रेस कर रही इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत के बाद विपक्षी पार्टी संभवतः 'बेहोशी की हालत' में चली गई है। सत्तारूढ़ दल ने कहा कि कांग्रेस नेता पाकिस्तान की हार से ज्यादा दुखी लग रहे हैं और यह बिल्कुल ऑपरेशन सिंदूर जैसा है, जब वे भारतीय सेना को उसके जबरदस्त हमले के लिए बधाई देने के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाए।

भारत ने रविवार को फाइनल में पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवां एशिया कप का खिताब जीता। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा कि कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर हमारी राष्ट्रीय टीम को टूर्नामेंट में तीन बार पाकिस्तान को हराने और एशिया कप जीतने के लिए बधाई देने वाला एक भी पोस्ट नहीं आया। ऐसा लगता है कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत ने राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस को बेहोशी की हालत में पहुंचा दिया है। मालवीय ने आरोप लगाया कि जैसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब वे भारतीय सेना को बधाई देने के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाए, वैसे ही अब वे भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने में राष्ट्र के साथ शामिल होने से पहले मोहसिन नकवी और पाकिस्तान में अपने अन्य आकाओं से अनुमति का इंतजार करते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक बार फिर पाकिस्तान, राहुल गांधी और कांग्रेस एक ही तरफ नजर आ रहे हैं।

खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर, नतीजा वही है- भारत जीतता है : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान पर जीत के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के साथ प्रतीकात्मक तुलना करते हुए बधाई दी थी। 'एक्स' पर मोदी ने लिखा कि खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर! नतीजा वही है - भारत जीतता है! महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सकपाल ने नागपुर में प्रधानमंत्री की टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब भारत ने एशिया कप जीता है। हमें अपनी टीम की जीत पर गर्व है, लेकिन प्रधानमंत्री की नीति हर चीज का ध्रुवीकरण करने की है, चाहे वह हवा हो, पानी हो या खेल ही क्यों न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री राष्ट्र की गरिमा का ध्यान नहीं रखते, जिसका अंदाजा ऐसे जश्न के मौकों पर उनके बयानों से लगाया जा सकता है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता नसीम खान ने भाजपा पर हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पड़ोसी देश ने हाल के दिनों में हमारे नागरिकों के साथ व्यवहार किया है, उन्होंने हमारी महिलाओं के 'सिंदूर' मिटा दिए, कम से कम हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिए था...भारतीय टीम ने हमेशा समर्पण के साथ प्रदर्शन किया है और देश का सम्मान बढ़ाया है...हर चीज का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

थर्ड अंपायर कहने पर युद्धविराम नहीं करते : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से यह सीखने की जरूरत है कि जब जीत के करीब हों, तो किसी थर्ड अंपायर के कहने पर अच्छे कप्तान युद्धविराम नहीं करते। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया कि मोदी जी, क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध से करना ठीक नहीं है। भारतीय टीम से ये सीखने की जरूरत है कि जीत के करीब हों, तो किसी थर्ड अंपायर के कहने पर सीज़फायर नहीं करते।

कांग्रेस भारत की जीत से खुश नहीं दिखी : बान

महाराष्ट्र भाजपा के मीडिया प्रमुख नवनाथ बान ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए देश पहले है, जबकि कांग्रेस के लिए पाकिस्तान पहले है। कांग्रेस भारत की जीत से खुश नहीं दिखी और पाकिस्तान की हार से ज्यादा दुखी लग रही थी। प्रधानमंत्री की तुलना का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक है और आतंकवादियों को करारा जवाब है। भाजपा नेता ने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री ने सैनिकों की वीरता और खिलाड़ियों की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है और इसे नए भारत का प्रतीक बताया है। भारत हमेशा खेल भावना से खेलता है, लेकिन ईमानदारी से जीतता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता भारत की जीत से बेचैन हैं। कांग्रेस का डीएनए पाकिस्तान की ओर झुकाव रखने वाला है।

संघ के शताब्दी वर्ष पर स्मारक टिकट, सिक्का जारी करेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी इस सप्ताह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। 1925 में विजयादशमी के दिन स्थापित आरएसएस गुरुवार को अपने 100 वर्ष पूरे कर लेगा।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री बुधवार को शताब्दी वर्ष समारोह की पूर्व संध्या पर आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की उपस्थिति में स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। मोदी ने रविवार को आरएसएस की निस्वार्थ सेवा और अनुशासन की प्रशंसा की और कहा था कि स्वयंसेवकों के हर कार्य में राष्ट्र प्रथम है। मन की बात में मोदी ने कहा कि आरएसएस की स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार ने बौद्धिक गुलामी से मुक्ति के लिए की थी।

राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेंगे भागवत

भागवत ने कहा कि संघ गीत मातृभूमि के प्रति समर्पण और जीवन की तपस्या से उत्पन्न होते हैं। आरएसएस के पास हर भाषा में गीत हैं। भागवत गुरुवार को नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में संबोधन देंगे, जिसके साथ अगली विजयादशमी तक देश भर में कार्यक्रमों की शृंखला शुरू होगी। भागवत राष्ट्रव्यापी घर-घर जनसंपर्क अभियान भी शुरू करेंगे और सभी राज्यों में सामाजिक समरसता सहित विभिन्न विषयों पर संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी।

महाराष्ट्र में सड़क पर आई लव मुहम्मद लिखे होने पर प्रदर्शन के दौरान हिंसा

मुंबई, एजेंसी

सड़क पर लिखे आई लव मुहम्मद के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ती पुलिस।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में सड़क पर 'आई लव मुहम्मद' लिखे होने के खिलाफ सोमवार को हुए प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान पथराव कर रही भीड़ पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस संबंध में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने अहिल्यानगर-छत्रपति संभाजीनगर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

एक अधिकारी ने बताया कि आज सुबह कोतवाली क्षेत्र के कोटला में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जब किसी ने सड़क पर 'आई लव मुहम्मद' लिख दिया। इस पर मुस्लिम समुदाय ने आपत्ति जताई और कोतवाली थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई।

अधिकारी ने कहा कि सड़क पर 'आई लव मुहम्मद' लिखने को लेकर एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बावजूद, कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

ध्रुवीकरण की इजाजत नहीं : फडणवीस

यवतमाल की यात्रा कर रहे मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि अधिकारी इस बात का पता लगाएंगे कि क्या राज्य में शांति भंग करने और बोर्ड लगाकर समाज का ध्रुवीकरण करने की कोई साजिश तो नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कोई अपने धर्म को मानने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन ध्रुवीकरण में शामिल होने की इजाजत नहीं है।

हिट एंड रन

जहांगीरपुरी में तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के जहांगीरपुरी में आउटर रिंग रोड पर मुकुंदपुर फ्लाईओवर के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना जहांगीरपुरी थाने को रात 12.05 बजे मिली। पुलिस के पहुंचने से पहले ही तीनों की मौत हो चुकी थी। मृतकों में शाहिद, उनके बेटे फैज (28) और उनकी बेटी के बेटे हम्जा (12) है। ये सभी दिल्ली के उत्तरी घोंडा के निवासी थे। घटनास्थल पर कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं मिला और दुर्घटनास्थल के आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा भी नहीं है। हालांकि, टीम रास्ते में लगे कैमरों की फुटेज की जांच करके दुर्घटनाग्रस्त वाहन का पता लगा रही हैं।

विजय प्रचार वाहन में रहे, जिससे भीड़ की बढ़ी बेचैनी

करूर (तमिलनाडु), एजेंसी

● पुलिस ने विजय से पीड़ितों से मिलने नहीं जाने के लिए कहा

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष अभिनेता-नेता विजय, 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम में प्रचार वाहन के अंदर रुके रहे, जिससे रैली में जुटी भीड़ की बेताबी बढ़ने से भगदड़ मची। यह बात दर्ज प्राथमिकी में ये कही गई है। भगदड़ में 41 की मौत और 60 लोग घायल हो गए।

टीवीके सूत्र ने बताया कि पुलिस ने विजय से कहा कि पीड़ितों से मिलने सरकारी अस्पताल न जाएं। पुलिस ने अभिनेता के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया है, लेकिन टीवीके के तीन प्रमुख पदाधिकारियों- करूर उत्तर के जिला सचिव मथियाझागन, प्रदेश महासचिव बुस्सी आनंद और उप महासचिव निर्मल कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। सोमवार को भी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच जारी रखी। न्यायाधीश ने सरकारी अस्पताल में मरीज़ों से बातचीत की और बाद में कहा कि जांच पूरी होने के बाद वह सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगी।

घटना को लेकर अफवाह न फैलाएं

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने करूर की भगदड़ की घटना को लेकर सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने पर लोगों को चेताते हुए कहा कि सभी को जिम्मेदारी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है और इसके पीड़ितों को पार्टी विशेष के बजाय साथियों के रूप में देखें।

भगदड़ में मृत अरुक्कानी के परिजनों से बात करतीं केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण।

दुख बयां करने के लिए शब्द नहीं : सीतारमण

करूर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भगदड़ में अपनों को खोने वाले परिवारों के दुख को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं और ऐसी घटनाएं फिर कहीं नहीं होनी चाहिए। सीतारमण ने सार्वजनिक समारोहों, खासकर जब बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी इकट्ठा होते हैं, के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का समर्थन किया और कहा कि यह पूरे देश के लिए लागू होनी चाहिए। उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन के साथ करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति जताई संवेदना

बीजिंग। चीन ने तमिलनाडु के करूर शहर में अभिनेता एवं नेता विजय की रैली में मची भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति सोमवार को गहरी संवेदना जतायी। भगदड़ में 41 की मौत हो गई थी और और कई अन्य घायल हो गए थे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक प्रेसवार्ता में एक सवाल के उत्तर में कहा, हम पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं तथा उनके परिजन और घायलों के प्रति भी हमारी संवेदना है।

बांग्लादेशी नागरिक नेपाल सीमा से पकड़े

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी के पास पानीटंकी सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में बांग्लादेश के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिलीगुड़ी जिला, नेपाल सीमा से सटा भारतीय क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने उनके (बांग्लादेशियों के) भारतीय साथी देबाशीष चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया। चक्रवर्ती पर मोटी रकम के बदले ऐसे लोगों के अवैध प्रवेश में कथित रूप से मदद करने का आरोप है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हड़ताल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सोमवार को जेकेजेएएसी के आह्वान पर आम हड़ताल हुई। जेकेजेएएमी में व्यापारी, स्थानीय नेता और नागरिक समाज के कार्यकर्ता शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जनता के लिए राहत और शासन प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर यह हड़ताल की गई। दो साल पहले शुरू हुआ यह आंदोलन क्षेत्र में नियमित और सब्सिडी वाले आटा व बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए था लेकिन अब इसमें कश्मीरी अभिजात वर्ग की विशेष सुविधाओं में कटौती, आरक्षित विधानसभा सीटों को समाप्त करना और मुफ्त शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की मांगें भी जुड़ गई हैं।

रूस हार चुका है, उसे वास्तविकता स्वीकार कर लेनी चाहिए: वेंस

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अब रूस हर मोर्चे पर हार चुका है और उसे वास्तविकता को स्वीकार कर लेना चाहिए। वेंस ने रविवार को कहा कि रूस पहले ही हार चुका है और अब उसके पास भारी मानवीय और आर्थिक क्षति के बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, रूसी अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है। रूसी अब युद्ध के मैदान में कुछ भी हासिल नहीं कर पा रहे हैं। अब समय आ गया है कि वे बातचीत की मेज पर आएं और शांति के बारे में गंभीरता से बात करें।

ब्रिटेन में भारत ने मनाया सेवा पर्व

लंदन। लंदन में भारतीय उच्चायोग और ब्रिटेन स्थित वाणिज्य दूतावासों ने सेवा पर्व 2025 के अवसर पर कई विकसित भारत रन कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें समुदाय के सदस्यों ने सेवा, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक गौरव के संदेश के साथ एकजुट होकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह संकल्प दुनिया भर के भारतीयों को देश की संस्कृति, परंपरा और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध करता है। वरिष्ठ राजनयिक ने बाद में प्रधानमंत्री मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत मध्य लंदन स्थित उच्चायुक्त के आधिकारिक आवास पर चेरी का एक पौधा लगाया जो धरती माता की पोषण भावना और अधिक टिकाऊ एवं हरित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को श्रद्धांजलि है।

बच्चों के प्रति बढ़ा अपराध, एनसीपीसीआर को मिलीं एक लाख से अधिक शिकायतें

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिकायतों का आंकड़ा अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच का

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को अप्रैल और दिसंबर 2024 के बीच लगभग एक लाख शिकायतें मिलीं, जिनमें सबसे अधिक संख्या किशोर न्याय और उपेक्षित, हाशिए पर या दिव्यांग बच्चों की देखभाल से संबंधित थीं। बाल श्रम और संकटग्रस्त बच्चों से संबंधित शिकायतों की कुल संख्या लगभग 20,000 थी। साल 2024 के अंत तक, 19,645 मामले लंबित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, अपर्याप्त पुनर्वास सेवाएं, बाल देखभाल संस्थानों में खराब स्थिति और दिव्यांग बच्चों के लिए सहायता की कमी जैसे मुद्दे सबसे अधिक रिपोर्ट किए गए। शिकायतों की सबसे बड़ी श्रेणी किशोर न्याय और उपेक्षित, हाशिए पर पड़े या दिव्यांग बच्चों की देखभाल से संबंधित थी, जिनमें 39,500 से अधिक मामले दर्ज किए गए। इनमें से 18,954 का 2024 के अंत तक निस्तारण कर दिया गया। एनसीपीसीआर को अपर्याप्त पुनर्वास सेवाओं, बाल देखभाल संस्थानों की खराब स्थिति और दिव्यांग बच्चों के लिए सीमित सहायता के बारे में भी शिकायतें प्राप्त हुईं। बाल स्वास्थ्य, देखभाल और विकास संबंधी मुद्दे एक अन्य महत्वपूर्ण श्रेणी थे, जिनमें 18,500 से अधिक शिकायतें मिलीं। शिक्षा संबंधी शिकायतों में 8,200 से अधिक मामले शामिल थे। पॉक्सो अधिनियम और अन्य बाल-संबंधी कानूनों के तहत, 6,800 से अधिक शिकायतें मिलीं। चिंता के अन्य क्षेत्रों में सामाजिक ऑडिट और बच्चों को प्रभावित करने वाले कानूनी मामले (3,400 मामले), बाल मनोविज्ञान और समाजशास्त्र (280 मामले) शामिल थे और बाल तस्करी रोधी प्रकोष्ठ को 46 शिकायतें प्राप्त हुईं।

वियतनाम में चक्रवात बुआलोई का कहर नौ लोगों की गई जान

हनोई। चक्रवात 'बुआलोई' से हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मध्य वियतनाम में सड़कें जलमग्न हो गईं, छतें उड़ गईं और कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गयी। बाद में यह चक्रवात कमजोर होकर तूफान के रूप में सोमवार को लाओस की ओर बढ़ गया।

चक्रवात से भारी तबाही हुई, जिसने मकानों, स्कूलों और बिजली के खंभों को क्षतिग्रस्त कर दिया, कई अस्थायी पुल बह गए और कई प्रान्तों में सड़कें एवं निचले जलमार्ग डूब गए। शहरों में बाढ़ के कारण वाहन पानी में डूब गए और ऊंचाई वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के समुदाय का शेष स्थानों से संपर्क कट गया।

मां का श्रृंगार

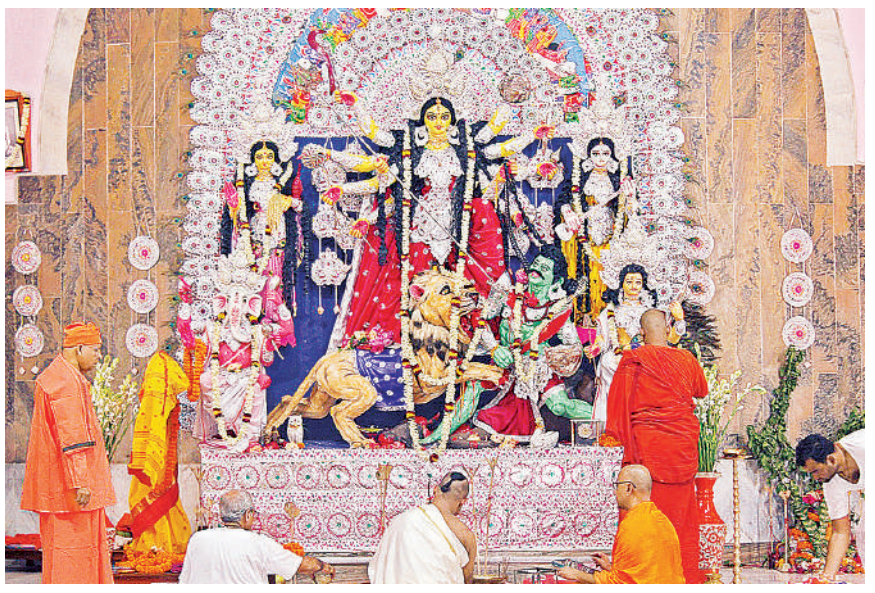

लखनऊ में निराला नगर स्थित रामकृष्ण मठ में वृंदावन से आए स्वामी प्रतिभानन्द ने श्रीदुर्गासप्तशती की आवृति (चंडी पाठ) का पाठ किया।

अफगानिस्तान में सैन्य ठिकाने बनाने की अमेरिकी योजना का विरोध

पाकिस्तान, चीन, ईरान और रूस ने कहा- काबुल की संप्रभुता का हो सम्मान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान और उसके प्रमुख पड़ोसी देशों चीन और ईरान ने रूस के साथ मिलकर अफगानिस्तान और उसके आसपास किसी भी सैन्य अड्डे की स्थापना का विरोध किया है तथा काबुल की 'संप्रभुता' और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान किया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

चारों देशों ने यह विरोध ऐसे समय में दर्ज कराया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अफगानिस्तान में अपने देश की सैन्य उपस्थिति की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। चीन, ईरान, पाकिस्तान और रूस के विदेश मंत्रियों की चौथी चतुष्पक्षीय बैठक संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान गुरुवार को न्यूयॉर्क में हुई। बाद में बैठक के संबंध में एक संयुक्त बयान पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने साझा किया। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, चारों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए तथा

- परिजन ने गला दबाकर हत्या करने का लगाया आरोप

उन्होंने वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदार देशों द्वारा अफगानिस्तान में और उसके आसपास सैन्य ठिकानों की पुनः स्थापना का दृढ़ता से विरोध किया..।

चारों देशों ने आतंकवाद, युद्ध और मादक पदार्थों से मुक्त, एक स्वतंत्र, एकजुट और शांतिपूर्ण देश के तौर पर अफगानिस्तान के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए कहा कि वे प्रभावी क्षेत्रीय पहल का समर्थन करते हैं जिसका मकसद इसकी अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाना है। उन्होंने अफगानिस्तान में आतंकवाद के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की तथा चेतावनी दी कि आईएसआईएल, अल-कायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड सहित क्षेत्र के अन्य समूह क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान में शांति, स्थिरता, आतंकवाद, कट्टरवाद और मादक पदार्थ अपराध का मुकाबला करना साझा क्षेत्रीय हित हैं।

चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के अधिवेशन में अमेरिकी टैरिफ पर होगी चर्चा

बीजिंग। चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) का वार्षिक पूर्ण अधिवेशन अक्टूबर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें नयी पंचवर्षीय योजना, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से उत्पन्न स्थिति, टिकटॉक पर नियंत्रण हासिल करने के उनके (ट्रंप के) प्रयासों और चीनी अर्थव्यवस्था के सामने पेश आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। वरिष्ठ पार्टी नेताओं का 370 सदस्यीय निकाय देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति के अलावा, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के परिणामों पर चर्चा कर सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य वैश्विक नेता शामिल हुए। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अध्यक्षता में सोमवार को हुई प्रभावशाली राजनीतिक ब्यूरो की बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पूर्ण अधिवेशन 20-23 अक्टूबर को बीजिंग में आयोजित किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026-2030) के निर्माण से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

ट्रंप और नेतन्याहू युद्धविराम पर हुए सहमत, हमास की मंजूरी का इंतजार

- ट्रंप की योजना के तहत अस्थायी शासी बोर्ड का होगा गठन, पूर्व ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर भी होंगे शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि वे गाजा में युद्ध विराम करने की योजना पर सहमत हैं लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हमास इन शर्तों को स्वीकार करेगा या नहीं।

ट्रंप ने सोमवार को इजराइल-हमास युद्ध को समाप्त करने और युद्धग्रस्त फिलिस्तीन क्षेत्र में युद्धोत्तर शासन स्थापित करने के लिए एक 20-सूत्रीय योजना पेश की। ट्रंप की योजना के तहत एक अस्थायी शासी बोर्ड की स्थापना की जाएगी जिसके अध्यक्ष ट्रंप होंगे। इस बोर्ड में पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल होंगे। योजना के अनुसार यदि दोनों पक्ष इसे स्वीकार करते हैं तो युद्ध तुरंत समाप्त हो जाना चाहिए। इसमें यह भी कहा गया है कि इजराइल द्वारा योजना स्वीकार किए जाने के 72 घंटों के भीतर सभी शेष बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि यदि हमास प्रस्तावित शांति समझौते को स्वीकार नहीं करता है तो उसे (हमास) हराने के लिए इजराइल को अमेरिका का पूर्ण समर्थन प्राप्त होगा।

नेतन्याहू ने दोहा हमले के लिए कतर के पीएम से माफी मांगी

वाशिंगटन। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी से अमीरात में हमास अधिकारियों को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हमले के लिए माफी मांगी। इस मामले के जानकार एक राजनयिक अधिकारी सहित दो लोगों ने यह जानकारी दी। हमास अधिकारियों पर हमले से अरब के नेता नाराज हो गए थे और अमेरिका ने भी इजराइल की निंदा की थी।

हूतियों ने तेल अवीव ऐलात में हाइपरसोनिक मिसाइल, ड्रोन दागे

दोहा। शिया सैन्य-राजनीतिक आंदोलन अंसार अल्लाह (जिसे हूती भी कहा जाता है और जिसका नियंत्रण उत्तरी यमन पर है) ने इजराइल के तेल अवीव और ऐलात बंदरगाह को निशाना बनाकर एक हाइपरसोनिक मिसाइल और ड्रोन दागा। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारिया ने कहा हमारे देश के विरुद्ध इजराइली आक्रमण के जवाब में यमनी बलों के मिसाइल बलों ने फिलिस्तीन-2 हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का उपयोग कर सैन्य अभियान चलाया और तेल अवीव के कब्जे वाले क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों को निशाना बनाया।

मिशिगन में चर्च में गोलीबारी चार की मौत, आठ घायल

हमले के बाद इमारत में लगी आग। एजेंसी

ग्रैंड ब्लैंक टाउनशिप, एजेंसी

- बंदूकधारियों ने गोलीबारी के बाद इमारत में लगाई आग

मिशिगन में रविवार को 'चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स चैपल' में सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में आयोजित प्रार्थना सभा में एक ट्रक सवार बंदूकधारी ने गोलीबारी की और इमारत को आग लगा दी, जिससे कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने संदिग्ध को गोली मार दी।

पुलिस प्रमुख विलियम रेने ने संवाददाताओं को बताया कि हमला सुबह करीब साढ़े दस बजे हुआ। बंदूकधारी ट्रक से उतरा और उसने गोलीबारी शुरू कर दी, ट्रक में दो अमेरिकी झंडे लगे थे। अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक ब्यूरो के सदस्य जेम्स डायर ने बताया कि उसने आग लगाने के लिए गैस का प्रयोग किया था तथा उसके पास विस्फोटक उपकरण भी थे लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उसने उनका प्रयोग किया या नहीं। अधिकारियों ने हमलावर की पहचान पड़ोसी कस्बे बर्टन के थॉमस जैकब सैनफोर्ड (40) के रूप में की है।

गिरजाघर से बच्चों को बचाकर बाहर निकाला

संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रभारी विशेष एजेंट रूबेन कोलमैन ने बताया कि एफबीआई इस मामले की जांच कर रही है और इसे लक्षित हिंसा की घटना माना जा रहा है। रेने ने बताया कि 911 पर कॉल आने पर अधिकारी 30 सेकंड के अंदर गिरजाघर पहुंच गए और लगभग आठ मिनट बाद हमलावर को मार गिराया। रेने ने बताया कि संदिग्ध के गिरजाघर से निकलने के बाद, दो अधिकारियों ने उसका पीछा किया और उस पर गोलियां चलाईं। रेने ने बताया कि हमले के दौरान गिरजाघर के अंदर मौजूद लोग बच्चों को बचा रहे थे और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा रहे थे।

अपदस्थ प्रधानमंत्री ओली और चार अन्य के पासपोर्ट जब्त किए

काठमांडू, एजेंसी

- हिंसा की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया कदम

नेपाल ने अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, उनके गृह मंत्री रमेश लेखक और तीन अन्य अधिकारियों के पासपोर्ट जब्त कर लिए हैं। यह कदम इस माह की शुरुआत में जेन-जेड प्रदर्शनों के हिंसक दमन की जांच के सिलसिले में उठाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि एक घायल प्रदर्शनकारी की सोमवार को काठमांडू के अस्पताल में मौत हो गई, जिससे प्रदर्शनों में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई। पूर्व न्यायाधीश सुशीला कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद ही 21 सितंबर को मंत्रिमंडल ने न्यायिक जांच आयोग गठित किया था। आयोग ने रविवार को ओली समेत पांच लोगों के पासपोर्ट जब्त करने की सिफारिश की, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने यह कार्रवाई की।

तत्कालीन गृह सचिव गोकर्ण मणि दुबाड़ी, राष्ट्रीय जांच विभाग प्रमुख हुतराज थापा और काठमांडू के तत्कालीन मुख्य जिला अधिकारी छवि रिजाल के पासपोर्ट जब्त किए गए। आयोग की अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने कहा कि यह कदम हिंसा की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

कनाडा ने बिश्नोई गिरोह को आतंकी संगठन किया घोषित

ओटावा। कनाडा ने बिश्नोई गिरोह को आतंकवादी संगठन की सूची में डाल दिया। जनसुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने कहा, बिश्नोई गिरोह द्वारा आतंकवाद, हिंसा और धमकी के लिए विशिष्ट समुदायों को निशाना बनाया गया है। आपराधिक आतंकवादियों के इस समूह को सूचीबद्ध करने से हमें उनके अपराधों का सामना करने तथा उन्हें रोकने के लिए और अधिक शक्तिशाली व प्रभावी उपकरण मिलते हैं। कनाडा में किसी संगठन को आतंकियों की सूची में डाले जाने से संघीय सरकार को उसकी संपत्ति, वाहन और धन को ज़ब्त करने का अधिकार मिल जाता है, साथ ही अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए अतिरिक्त प्रावधान भी मिल जाते हैं।

अंग्रेजों ने नहीं, भारतीय सैनिकों ने हमें ओटोमन से आजाद कराया

हाइफा, एजेंसी

- इजराइल के शहर हाइफा ने शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी
- मेयर ने कहा- स्कूलों की इतिहास की किताबों में यह सुधार कर रहे

इजराइल के शहर हाइफा ने सोमवार को शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मेयर ने कहा कि शहर के स्कूलों की इतिहास की किताबों में यह सुधार किया जा रहा है कि शहर को ओटोमन शासन से आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय सैनिक थे।

हाइफा के मेयर योना याहव ने कहा, मैं इसी शहर में पैदा हुआ और यहीं से स्नातक किया। हमें लगातार यही बताया जाता था कि इस शहर को अंग्रेजों ने आजाद कराया था, जब तक कि एक दिन हिस्टोरिकल सोसाइटी के किसी व्यक्ति ने मेरे दरवाजे पर दस्तक नहीं दी और कहा कि उन्होंने गहन शोध किया है और पाया है कि अंग्रेजों ने नहीं, बल्कि भारतीयों ने इस शहर को (ओटोमन शासन से) आजाद कराया था। उन्होंने यह टिप्पणी शहीद सैनिकों के भारतीय कब्रिस्तान में उनकी बहादुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए की। याहाव ने कहा, हर स्कूल में, हम किताबों में बदलाव कर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें आजाद कराने वाले अंग्रेज नहीं, बल्कि भारतीय थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 सितंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 05.19 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

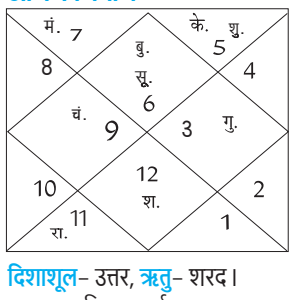

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन। ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- मूल 06.18 तक तत्पश्चात पूर्वाआषाढ़ा।

मेष — आज घर के छूटे कार्यों को लेकर तनाव हो सकता है। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा को लेकर तनाव हो सकता है। शेयर मार्केट में सावधानी पूर्वक निवेश करें। धार्मिक पूजा का आयोजन कर सकते हैं।

वृष — आज कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर ही लें। अनावश्यक चर्चाओं से दूरी बनाकर रखें। अपने स्वभाव में लचीलापन रखना आवश्यक है। दांपत्य संबंधों में संवादहीनता न होने दें। नजदीकी लोगों की सलाह को अनसुना करना नुकसानदेह हो सकता है।

मिथुन — आज पिछले कई दिनों से चली आ रही उलझनों से राहत मिलेगी। व्यवसाय में आपको बड़ा धन-लाभ हो सकता है। हार्डवेयर संबंधी कारोबार में प्रगति होगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहेगा।

कर्क — आज प्रेम-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से नुकसान होगा। उच्च रक्तचाप के कारण समस्या होगी। आपको सभी कार्य समय पर करने चाहिए। अटका हुआ धन वापस मिलेगा।

सिंह — आज नए प्रेम-संबंधों को लेकर समस्या होगी। दार्शनिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। निवेश के दौरान सावधानी रखें। अधिकारी वर्ग के साथ तनाव हो सकता है। बच्चों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कन्या — आज वायरल बुखार की समस्या हो सकती है। जाने-अनजाने में आपसे कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। महिलाओं को किचन में उपकरणों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करना चाहिए। अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें।

तुला — आज आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने के योग हैं। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। मित्रों से आपको सहायता लेनी चाहिए। आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। जॉब में स्थायीत्व बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिक — आज प्रेम-संबंधों को लेकर पारिवारिक सहमति मिल सकती है। नई साझेदारियों के लिए आज का दिन शुभ है। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता रहेगी। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। कारोबार में आपकी आय बढ़ेगी। पड़ोसियों से अपने संबंध अच्छे रखें।

धनु — आज समाज में आपको उचित मान-सम्मान मिलेगा। रुका हुआ कार्य बनने से मानसिक अशांति दूर होगी। दांपत्य संबंधों की कड़वाहट दूर हो सकती है। ससुराल पक्ष से अपने संबंध अच्छे रखें। परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा।

मकर — आज अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने से बचें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में शान्ति रहेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कुंभ — आज नवीन कार्ययोजनाओं को आरम्भ करने में सफलता मिलेगी। कारोबार में नई शुरुआत कर सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति समर्पण भाव बढ़ेगा। मित्रों व सहयोगियों की सहायता करने से आत्मिक सन्तुष्टि होगी।

मीन — आज आप अत्यन्त ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है। किसी राजनीतिक चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें। प्रेमीजन से कोई वादा न करें। अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे।

सुडोकू-115

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6					9		2
8		2		1	5			
				2		8		5
		8			3			
		1				6		
9			8			7		
		5		9				
3			5			1		7
2		6					5	

सुडोकू - 114 का हल

2	6	8	7	9	5	1	4	3
5	3	4	8	6	1	9	7	2
9	1	7	2	3	4	8	6	5
7	5	6	4	1	8	2	3	9
1	2	9	5	7	3	6	8	4
8	4	3	9	2	6	7	5	1
3	9	5	1	8	7	4	2	6
6	7	2	3	4	9	5	1	8
4	8	1	6	5	2	3	9	7

मुझे लगता है कि भारत में महिला क्रिकेट अपने एक अहम मोड़ पर है। आगामी आईसीसी महिला विश्व कप सिर्फ एक ट्रॉफी जीतने के बारे में नहीं होगा, यह अनगिनत सपनों को पूरा करने के बारे में होगा।

-सचिन तेंदुलकर

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार 30 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम जीती

कैनबरा : कनिका सिवाच के गोल की मदद से भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दौरे के तीसरे मैच में आस्ट्रेलिया अंडर 21 टीम को 1-0 से हराया। सिवाच ने 32वें मिनट में विजयी गोल दागा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारत ने तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में सिवाच के गोल के दम पर बढत बना ली जो अंत तक कायम रही। भारत को इससे पहले आस्ट्रेलिया की अंडर 21 टीम ने दो मैचों में हराया लेकिन इस जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास लौटा होगा। उसे अब आस्ट्रेलिया प्रीमियर हॉकी वन लीग खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल से अगले दो मैच खेलने हैं।

अभिषेक, कुलदीप ने बिखेरी चमक

दुबई : एशिया कप में भारत अपने सात मैचों के दौरान अजेय रहा। अभिषेक शर्मा ने टी20 प्रारूप के रैंकिंग में शीर्ष स्थान को सही साबित करते हुए सात मैचों में 314 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक जड़े और उनका सर्वोच्च स्कोर 75 का रहा। बायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने 44 .85 की औसत और 200 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर भारत को ज्यादातर मैचों में ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट में संघर्ष किया और सात मैचों में केवल 72 रन बनाए। उप-कप्तान शुभमन गिल के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही। उन्होंने 47 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 127 रन बनाए। तिलक वर्मा टूर्नामेंट के बड़े सितारों में से एक बनकर उभरे। उन्होंने सात मैचों में 213 रन बनाए। कुलदीप यादव 7 मैचों में 17 विकेट लेकर अन्य गेंदबाजों से मीलों आगे रहे।

शर्मा को सीनियर टीम तक पहुंचने में लगा समय

दुबई : भारत की अंडर 19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे अभिषेक शर्मा को सीनियर टीम में आने में छह साल लग गए और उन्हें खुशी है कि उन्हें इसमें समय लगा। जूनियर विश्व कप 2018 जीतने के एक साल के भीतर उस टीम के कप्तान पृथ्वी साव ने टेस्ट पदार्पण किया और शुभमन गिल वनडे टीम में आ गए। अभिषेक ने स्वीकार किया कि बाकी साथी लिफ्ट से पहुंचे, लेकिन उन्हें सीढ़ियों से आने का फायदा मिला। कुछ सीधे टीम में आ गए। कुछ सब कुछ करते हैं और मुझे लगा कि मुझे भी ऐसा ही करना चाहिए। एक खिलाड़ी होने के नाते मैं सीधे टीम में आ जाता तो वह सब सीखने का मौका नहीं मिलता जो मैने सीखा।

गुजरात ने यूपी योद्धास को हराया

चेन्नई : गुजरात जाइंट्स ने मोहम्मदरेजा शादलोई और अंकित दहिया के शानदार प्रदर्शन की बदौलत सोमवार को प्रो कबड्डी लीग में यूपी योद्धास पर 33-27 से आसान जीत हासिल की। योद्धास के भवानी राजपूत ने कुछ महत्वपूर्ण अंक हासिल किए लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। जाइंट्स ने इस जीत के साथ पांच मैच में हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। मध्यांतर तक गुजरात जाइंट्स की टीम 21-16 से आगे थी।

गुवाहाटी में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ीं। एजेंसी

घरेलू मैदान पर भारतीय महिला टीम की नजरें खिताब पर

गुवाहाटी, एजेंसी

अच्छे फॉर्म में चल रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम घरेलू मैदानों पर खेलने का फायदा उठाकर 47 साल बाद पहला आईसीसी खिताब जीतने के इरादे से मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ वनडे विश्व कप के पहले मैच में उतरेगी।

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम 13वें विश्व कप में हालात से वाकफियत का पूरा फायदा उठाना चाहेगी। टूर्नामेंट 12 साल बाद भारत में हो रहा है। इसमें आठ शीर्ष टीमें आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान भाग लेंगी। सभी टीमें भारत में चार और कोलंबो में एक स्थान पर

28 लीग मैच राउंड रॉबिन आधार पर खेलेंगी।

इस बार विश्व कप में ईनामी राशि रिकॉर्ड 13.88 मिलियन डॉलर है जो 2022 की तुलना में चार गुना अधिक है। पुरुषों के 2023 विश्व कप में ईनामी राशि 10 मिलियन डॉलर थी और यह उससे भी अधिक है। श्रीलंका में 11 राउंड रॉबिन मैच खेले जाएंगे जिसमें पाकिस्तान के सात लीग मैच और भारत के खिलाफ पांच अक्टूबर का मैच शामिल है। एक सेमीफाइनल भी वहां होगा और पाकिस्तान फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी वहीं खेला जाएगा। मौजूदा फॉर्म को देखें तो भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे और टी20 श्रृंखलाओं में हराया है। इसके अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ भी हार का सिलसिला तोड़ा है। भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में आखिरी वनडे में जीत के लिए 413 रन का लक्ष्य लगभग पार कर ही लिया था।

भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना बल्लेबाजी की धुरी रही हैं जो शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इस साल चार वनडे शतक लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 115.85 रहा है। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के साथ उन्होंने भारत को अच्छी शुरुआत दी है। वहीं पांचवां विश्व कप खेल रही हरमनप्रीत बड़े टूर्नामेंट में हमेशा अच्छा खेलती हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक और इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाया था। चोट से उबरी जेमिमा रौड्रिग्स ने इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 66 रन बनाए थे।

दबाव से बचाना होगा

भारतीय टीम को बड़े मौकों पर दबाव में आने की आदत से भी पार पाना होगा। विश्व कप 2017 में जीत के करीब पहुंचकर टीम ने मैच गंवा दिया था और 2022 राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में भी मामूली अंतर से आस्ट्रेलिया से हारी थी।

समय : दोपहर तीन बजे से

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़।

श्रीलंका : चामरी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विष्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, कविषा दिलहारी, निलाक्षी डिसिल्वा, अनुष्का संजीवनी, इमेशा दुलानी, डयूमी विहांगा, पियूमी वत्सला, इनोका रणवीरा, सुगंदिका कुमारी, उदेशिका प्रबोधनी, मल्की मडारा, अचिनी कुलसूर्या।

विजेताओं तक नहीं पहुंची एशिया कप ट्रॉफी

नाटकीय घटनाक्रम में मोहसिन नकवी अपने साथ ले गए, बीसीसीआई करेगा विरोध

दुबई, एजेंसी

एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप ट्रॉफी देने से इन्कार कर दिया क्योंकि भारतीय टीम ने उनसे ट्रॉफी लेने से इन्कार कर दिया था।

रविवार को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर भारत ने रोमांचक फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन उसके बाद 90 मिनट तक पूरी तरह से नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी तुरंत मैदान पर आ गए थे और कुछ के साथ उनके परिवार भी थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव की पत्नी देविशा, मुख्य कोच गौतम गंभीर की पत्नी नताशा और बेटियां भी मैदान पर थे और सभी बहुत खुश दिख रहे थे। भारतीय टीम से 20 -25 गज की दूरी पर एसीसी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अपने साथियों के साथ खड़े थे। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने एसीसी से कहा था कि टीम नकवी से पुरस्कार नहीं लेगी जो भारत विरोधी रवैये के लिए जाने जाते हैं।

नकवी ने कुछ दिन पहले ही एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो विमान क्रैश होने का इशारा करके गोल का जश्न मना रहे थे। नकवी का इशारा पाकिस्तान के उस दावे की ओर था कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के दौरान उन्होंने भारत के छह जेट गिराए थे। पाकिस्तान की उस मांग के पीछे भी नकवी का हाथ था कि भारतीय सशस्त्र बलों और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव पर आईसीसी लेवल चार का अपराध लगाए। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट

भारतीय टीम के हाथ में भले ही ट्रॉफी न आई हो, लेकिन खिलाड़ियों ने जमकर जश्न मनाया। एजेंसी

एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ट्रॉफी देने का इंतजार करते रह गए।

पीसीबी अध्यक्ष नकवी को हटाने की उठी मांग

लाहौर : एशिया कप में भारत के हाथों राष्ट्रीय टीम की लगातार तीसरी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं और उपहास का सामना करना पड़ा तथा उन्हें तुरंत पद से हटाने की मांग उठ रही है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के वरिष्ठ नेता मूनिस इलाही ने एक्स पर लिखा अगर प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ में थोड़ी भी हिम्मत है तो उन्हें मोहसिन नकवी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए जिन्होंने इतने कम समय में पाकिस्तान क्रिकेट को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने आगे कहा- इस बेशर्म आदमी को कोई पछतावा नहीं है, लेकिन जिन लोगों ने उसे नियुक्त किया है उन्हें सोचना चाहिए। उसे तुरंत हटाया जाना चाहिए। सिंध के पूर्व राज्यपाल मोहम्मद जुबैर ने आरोप लगाया कि उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों को बाहर कर दिया जिसके कारण टीम हार गई।

में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। फाइनल के बाद एक घंटे तक पाकिस्तानी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम से नहीं आए।

समझा जाता है कि भारतीय टीम मंच पर नकवी के अलावा किसी से भी ट्रॉफी लेने को तैयार थी। दुबई स्पोर्टस सिटी के खालिद अल जरूनी भी मंच पर थे और ऐसी संभावना थी कि वह भारतीय टीम को ट्रॉफी देंगे।

भारतीय टीम नकवी के रहते मंच पर जाने को तैयार नहीं थी और नकवी हटने को तैयार नहीं थे। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा अगर नकवी जबर्दस्ती ट्रॉफी देने की कोशिश करते तो बीसीसीआई आधिकारिक शिकायत दर्ज करा देता। इस बीच मैच के बाद प्रस्तोता साइमन डाउल ने व्यक्तिगत प्रायोजक पुरस्कारों का ऐलान किया।

इसके बाद पाकिस्तानी टीम ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल से अपने पुरस्कार लिए। इसके बाद डाउल ने कहा मुझे एशियाई क्रिकेट परिषद ने बताया है कि भारतीय टीम आज अपने पुरस्कार नहीं लेगी और मैच के बाद का समारोह यहीं खत्म होता है। नकवी मंच से उतरे और निकास द्वार की ओर बढ़े। एसीसी टूर्नामेंट का स्टाफ ट्रॉफी लेकर चला गया जिससे सभी हैरान रह गए।

नकवी के करीबी माने जाने वाले बीसीबी अध्यक्ष बुलबुल ने स्टेडियम के बाहर खड़े मीडिया से कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह बीच में खत्म करना पड़ा क्योंकि भारत ने ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारतीय टीम और सहयोगी स्टाफ ने पोडियम के पास जश्न मनाया और ट्रॉफी के बिना फोटो भी खिंचवाई।

बीसीसीआई अध्यक्ष देवाजीत सैकिया ने मुंबई में बोर्ड के मुख्यालय पर चुनिंदा समाचार एजेंसियों से कहा हमने इसीसी अध्यक्ष और पाकिस्तान के प्रमुख नेता से ट्रॉफी लेने से इनकार किया लेकिन इससे उस व्यक्ति को ट्रॉफी और पदक अपने साथ अपने होटल ले जाने की अनुमति नहीं मिल जाती।

चैंपियन को ट्रॉफी नहीं दिया जाना पहले कभी नहीं देखा

दुबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि कोई टूर्नामेंट जीतने के बाद किसी चैंपियन टीम को ट्रॉफी नहीं दिया जाना उन्होंने पहले कभी नहीं देखा, लेकिन यह भी कहा कि उनकी असली ट्रॉफी उनके 14 अनमोल साथी खिलाड़ी हैं।

पाकिस्तान को दो सप्ताह के भीतर तीसरी बार हराने के साथ भारत ने एशिया कप जीता। सूर्यकुमार और उनकी टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी अपने भारत विरोधी रवैये के लिए जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी नहीं ली और नकवी मंच से उतरकर ट्रॉफी अपने साथ ले गए।

सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा जब से मैंने क्रिकेट खेलना या देखना शुरू किया है, मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई हो। और वह भी इतनी मेहनत से जीती गई ट्रॉफी। ऐसा नहीं है कि हमने आसानी से जीत ली। हमने काफी मेहनत से यह टूर्नामेंट जीता था। उन्होंने मुस्कुराहट के पीछे अपनी मायूसी छिपाते हुए कहा हम चार सितंबर से यहां थे, आज हमने

- भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा- मेरी असली ट्रॉफी है मेरी टीम

एक मैच खेला। दो दिनों में लगातार दो अच्छे मैच। मुझे लगता है कि हम इसके हकदार थे। और मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मुझे लगता है कि मैंने अपनी बात बहुत अच्छी तरह कह दी है। इसके बाद उन्होंने अपनी टीम को बहुत सुंदर संदेश दिया जिसमें अभिषेक शर्मा भी शामिल हैं जो उनके साथ बैठे थे। सूर्यकुमार ने कहा अगर आप मुझे ट्रॉफियों के बारे में बतायें तो मेरी ट्रॉफियां मेरे ड्रेसिंग रूम में हैं। मेरे साथ सभी 14 खिलाड़ी। यही असली ट्रॉफियां हैं। ये असली पल हैं जिन्हें मैं प्यारी यादों के रूप में अपने साथ ले जा रहा हूँ जो आगे भी हमेशा मेरे साथ रहेंगी। और बस इतना ही। सूर्यकुमार ने बाद में एक्स पर लिखा मैच पूरा होने के बाद सिर्फ चैम्पियंस को याद रखा जाता है, ट्रॉफी की तस्वीर को नहीं।

एशिया कप से मेरी मैच फीस सशस्त्र बलों और पहलगाम पीड़ितों को : सूर्यकुमार

दुबई : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव एशिया कप से मिलने वाली पूरी मैच फीस भारतीय सशस्त्र बलों और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को दान करेंगे। भारत ने रविवार को पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता। सूर्यकुमार ने मैच के बाद एक्स पर लिखा मैने इस टूर्नामेंट से अपनी पूरी मैच फीस हमारे सशस्त्र बलों और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को दान करने का फैसला किया है। आप हमेशा मेरे ख्यालों में हैं। जय हिंद। भारतीय खिलाड़ियों को टी-20 प्रारूप में हर मैच में चार लाख रुपये मिलते हैं यानी टूर्नामेंट के सात मैचों के लिए सूर्यकुमार को 28 लाख रुपये मिलेंगे। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को पहले ग्रुप मैच में पाकिस्तान पर मिली जीत को पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। पाकिस्तान ने उनके खिलाफ आईसीसी से शिकायत दर्ज कराई थी।

वे काफी कुछ कह रहे थे, मैं बल्ले से जवाब दे रहा था: वर्मा

दुबई, एजेंसी

तिलक वर्मा एशिया कप के फाइनल के दौरान जब क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ काफी टीका-टिप्पणी की जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया।

शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और काफी दबाव वाली परिस्थितियों में कमाल की बल्लेबाजी की। तिलक ने साथी खिलाड़ी शिवम दुबे के साथ बातचीत में कहा मैं बल्ले से जवाब देना चाहता था वे बहुत सारी बातें कह रहे थे और मैं सिर्फ अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। अब वे

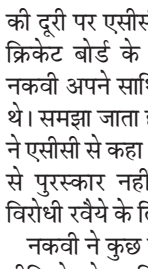

- तिलक ने बताया- बल्लेबाजी के दौरान कैसे उकसा रहे थे पाकिस्तानी खिलाड़ी

मैदान पर दिखाई नहीं दे रहे हैं। दुबे और तिलक के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी ने भारत को दो गेंद शेष रहते एशिया कप जिताने में मदद की।

तिलक 53 गेंदों पर 69 रन बनाकर नाबाद रहे। दुबे ने इसके बाद हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, मुझे लगता है कि मेरे बल्ले ने भी बात की, उनके पास मुझे कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था। तिलक ने कहा कि स्टेडियम के माहौल ने उन्हें इतने बड़े मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

टीम को 21 करोड़ देगा बीसीसीआई

मुंबई: बीसीसीआई एशिया कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम और सहयोगी स्टाफ को टूर्नामेंट में अपराजेय प्रदर्शन पर 21 करोड़ रुपये पुरस्कार देगा।

बोर्ड ने दुबई में पाकिस्तान पर एशिया कप फाइनल में जीत के बाद यह घोषणा की। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा यह एक असाधारण जीत थी और इसलिए जश्न के तौर पर बीसीसीआई ने एशिया कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। बोर्ड ने यह नहीं बताया कि किसको कितना पुरस्कार मिलेगा। सैकिया ने कहा वह धनराशि वितरित की जाएगी और यह हमारी टीम, भारतीय क्रिकेट बोर्ड और भारत के लोगों के लिए एक बड़ा इनाम है। हमें अपने क्रिकेटरों और सहयोगी स्टाफ के दुबई में शानदार प्रदर्शन पर बेहद गर्व है।

विश्व पैरा एथलेटिक्स | विश्व रिकॉर्डधारी हमवतन सुंदर सिंह गुर्जर को पछाड़ा, भारत की पदकों की संख्या हुई पांच

रिंकू हुड्डा ने एफ46 भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

रिंकू हुड्डा ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्डधारी हमवतन सुंदर सिंह गुर्जर को पछाड़ कर स्वर्ण पदक जीता। गुर्जर को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

रिंकू ने 66.37 मीटर भाला फेंककर अपना पहला विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता जबकि गुर्जर ने 64.76 मीटर भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में शामिल एक अन्य भारतीय अजीत सिंह 61.77 मीटर की दूरी के साथ चौथे स्थान पर रहे। क्यूबा के गिलर्मो वरोना गोंजालेज ने 63.34 मीटर भाला फेंक कर कांस्य पदक अपने नाम किया। एफ46 श्रेणी उन लोगों के लिए है जिनकी एक या दोनों भुजाओं की गतिविधि मामूली

भाला फेंक एफ46 स्पर्धा के विजेता रिंकू सिंह (बाएं) व उपविजेता सुंदर सिंह गुर्जर।

रूप से प्रभावित है या जिनका एक हाथ नहीं हैं। इसके खिलाड़ी खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

इस चैंपियनशिप में अब के भारत की पदकों की संख्या पांच (दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक) हो गई हैं। भारत पदक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जिसमें चीन (चार स्वर्ण, सात रजत, तीन कांस्य) पहले स्थान पर है। ब्राजील (चार स्वर्ण, सात रजत, दो कांस्य), पोलैंड (चार स्वर्ण, चार कांस्य), स्विट्जरलैंड (तीन स्वर्ण, एक कांस्य) और नीदरलैंड (तीन स्वर्ण) क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

इससे पहले दिन के सत्र में तटस्थ पैरालंपिक एथलीट (एनपीए) डेनिस ग्नजडिलोव ने एफ40 गोला फेंक में दो बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के साथ स्वर्ण पदक जीता। रूस के 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने शुरुआती प्रयास में 10.66 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसके बाद के उनके चारों प्रयास स्वर्ण पदक के लिए काफी थे। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर की दूरी के साथ पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेइरो के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा और फिर अपने पांचवें प्रयास में इसमें सुधार करते हुए 11.92 मीटर की दूरी हासिल की। टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ग्नजडिलोव का यह तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है। यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस और बेलारूस पर प्रतिबंध के कारण इन दोनों देशों के खिलाड़ी एनपीए के तहत प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

खेलते समय धान बोने वाली मशीन में फंस गया था हाथ

रिंकू ने कहा यह भारत में मेरी पहली प्रतियोगिता है। मैदान पर मुझे अच्छा लग रहा था। आज मेरा दिन था, इसलिए सब कुछ मेरे पक्ष में था। मैंने जो किया वह मेरे लिए एक नया अनुभव था। हरियाणा के रोहतक स्थित धमार गांव के एक किसान परिवार में जन्मे रिंकू का बायां हाथ खेत में खेलते समय धान बोने वाली मशीन में फंस गया था। उन्हें यह घटना याद नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें आठ साल की उम्र में इसके बारे में बताया था। उन्होंने जकार्ता में 2018 एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक, 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत और हांग्झोउ में 2023 एशियाई पैरा खेलों में रजत जीता।